3 | राजधानी
झलक जैन को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

6 | अभिमत
राहुल गांधी की प्रभावशीलता

11 | विदेश
न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से मुर्मू ने की चर्चा

12 | स्पोर्ट्स
अमन सहरावत कांस्य पदक के लिए खेलेंगे

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 287
लखनऊ, शुक्रवार, 9 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

# पायनियर

www.dailypioneer.com

दस वर्षों में 1,700 वर्ग किमी से अधिक वन क्षेत्र खत्म हुआ

राष्ट्रीय-10

# वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद में घमासान, जेपीसी करेगी विचार

**राजेश कुमार** । नई दिल्ली

नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को लोकसभा में बोलते केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू

**कांग्रेस के** नेतृत्व वाले भारतीय राष्ट्रीय जनतांत्रिक समावेशी (इंडिया) गठबंधन द्वारा प्रस्तावित वक्फ कानून के मौजूदा स्वरूप का विरोध करने और विधेयक को 'विभाजनकारी', 'मुस्लिम विरोधी' और 'असंवैधानिक' करार देने के बीच बृहस्पतिवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया गया और इसके साथ ही आगे की जांच के लिए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करूंगा।

विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया और कहा कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख घटक दलों जनता दल (यूनाइटेड), तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और शिवसेना ने विधेयक का समर्थन किया, हालांकि, तेदेपा ने इसे संसदीय समिति के पास भेजने की पैरवी की। विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि विधेयक में किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन पहली बार सदन में पेश नहीं किया गया है। आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में यह विधेयक लाया गया। इसके बाद कई संशोधन किए गए। रीजीजू ने कहा कि व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के बाद यह संशोधन विधेयक लाया गया है जिससे मुस्लिम महिलाओं और बच्चों का कल्याण होगा। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय बनी सच्चर समिति और एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का उल्लेख किया और कहा कि इनकी सिफारिशों के आधार पर यह विधेयक लाया गया।

विपक्षी दलों ने वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान और संघवाद पर हमला है तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। कांग्रेस सांसद के सी वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक संविधान पर हमला है। उन्होंने सवाल किया, उच्चतम न्यायालय के आदेश से अयोध्या में मंदिर बोर्ड का गठन किया गया। क्या कोई गैर हिंदू इसका सदस्य हो सकता है। फिर वक्फ परिषद में गैर मुस्लिम सदस्य की बात क्यों की जा रही है? वेणुगोपाल ने दावा किया कि यह विधेयक आस्था और धर्म के अधिकार पर हमला है। उन्होंने कहा, अभी आप मुस्लिम पर हमला कर रहे हैं, फिर ईसाई पर करेंगे, उसके बाद जैन पर करेंगे। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि यह विधेयक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के चुनाव के लिए लाया गया है, लेकिन देश की जनता अब इस तरह की विभाजन वाली राजनीति पसंद नहीं करती। वेणुगोपाल ने कहा कि यह विधेयक संघीय ढांचे पर भी हमला है। (शेष पृष्ठ 9)

# नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में जीता रजत पदक

**भाषा** । पेरिस

**ओलंपिक में** भारत के नीरज चोपड़ा भाला फेंक में 89.45 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे और रजत पदक जीत कर देश को गौरवांवित किया। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के रिकॉर्ड थ्रो के साथ शीर्ष पर रह कर स्वर्ण पदक जीता। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य अपने नाम किया। पिछले टोक्यो ओलंपिक में नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। भारत को इस बार भी उनसे सोने के तमगे की आशा थी जो पूरी नहीं हो सकी। नीरज का भारत की ओर से यह एक मात्र रजत पदक है।

# हॉकी टीम ने कांस्य जीतकर बढ़ाया देश का मान

**भाषा** । पेरिस

गोलकीपर श्रीजेश को कंधे पर बिठाकर मैदान का चक्कर लगाती भारतीय टीम

**टोक्यो की** कहानी को पेरिस ओलंपिक में दोहराते हुए भारतीय हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से स्पेन को 2 -1 से हराकर देश के लिए और अपने सुनहरे कैरियर पर विराम लगाने वाले पी आर श्रीजेश के लिए कांस्य पदक जीता। जीत के बाद श्रीजेश को कंधे पर बिठाकर मैदान का चक्कर लगाने वाले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ टीवी के सामने नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों भारतीयों की भी आंखें नम हो गई। ओलंपिक पदक के साथ विदा लेने वाले श्रीजेश जीत के बाद गोलपोस्ट के ऊपर जाकर बैठे तो अपने जज्बात पर काबू नहीं रख सके। जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में मिली हार का गम भुलाकर डेढ दिन बाद भारतीय टीम फिर युवेस डु मनोइर स्टेडियम पर उतरी तो हर खिलाड़ी का एक ही लक्ष्य था कि खाली हाथ नहीं लौटना है। एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए भारत ने दूसरे और तीसरे क्वार्टर में गोल करके न सिर्फ जीत दर्ज की बल्कि पेरिस ओलंपिक में कल पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले अयोग्य करार दिए जाने से देश भर में छाई मायूसी को दूर करने का प्रयास भी किया। इस जीत के साथ ही भारत के लिए 336 मैच खेलने वाले महान गोलकीपर श्रीजेश ने भी अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया। (शेष पृष्ठ 9)

## पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

**पायनियर समाचार सेवा** । कोलकाता

**पश्चिम बंगाल** के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का बृहस्पतिवार को कोलकाता स्थित आवास पर निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर दुख जताया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक दिग्गज नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने अपने राज्य में औद्योगीकरण के लिए पूंजीवादियों को लुभाने के वास्ते अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता तक की परवाह नहीं की थी। बेदाग छवि वाले भट्टाचार्य को 2011 में राज्य में 34 साल के वामपंथी शासन के पतन के लिए भी याद रखा जाएगा। भट्टाचार्य के परिवार में उनकी पत्नी मीरा और बेटी सुचेतना हैं। हाल के वर्षों में अपने खराब स्वास्थ्य (शेष पृष्ठ 9)

उत्तरी पेरिस के रोइसी में चार्ल्स गी गाल हवाई अड्डे पर मीडिया की ओर हाथ हिलाते नोबल विजेता मोहम्मद युनूस।

## मो. यूनुस ने बांग्लादेश सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली

**एजेंसी** । ढाका, नई दिल्ली

**बांग्लादेश** की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को शपथ ली। यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन बंगभवन में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई गई। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दीं और देश में जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में जारी हिसात्मक विरोध-प्रदर्शन और प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद देश से पलायन के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भंग करने के बाद मोहम्मद यूनुस को मंगलवार को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। इससे पहले नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में उनकी मदद करने का भी आग्रह किया। साथ ही शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने को देश के लिए दूसरी स्वतंत्रता करार दिया। ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए यूनुस बृहस्पतिवार को दुबई से होते हुए (शेष पृष्ठ 9)

# बिहार में मंदिर, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य हुआ

**पीटीआई** । पटना

**बिहार सरकार ने** राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उनके जिलों में संचालित अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी अचल संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को उपलब्ध कराया जाए। राज्य के सभी जिला प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सभी पंजीकृत मंदिरोंमठों से संबंधित अचल संपत्तियों का विवरण तुरंत बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) को उपलब्ध कराया जाए ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है।

बिहार के कानून मंत्री नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार ने कहा, सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का प्राथमिकता के आधार पर पंजीकरण किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि सभी पंजीकृत मंदिरोंमठों से संबंधित अचल संपत्तियों का ब्योरा तुरंत बीएसबीआरटी को उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसे इसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। उन्होंने कहा, मैंने हाल ही में इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है। अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा उपलब्ध कराया है। सभी जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में पंजीकृत मंदिरों और मठों की भूमि सहित अचल संपत्तियों की बिक्रीखरीद न हो। बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के अनुसार, बिहार में सभी सार्वजनिक मंदिरोंमठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के तहत पंजीकृत होना चाहिए। राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरोंमठोंट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

बीएसबीआरटी द्वारा संकलित (35 जिलों से प्राप्त) नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में करीब 2,512 अपंजीकृत मंदिर या मठ हैं और उनके पास 4321.64 एकड़ भूमि है। बिहार सरकार के विधि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पंजीकृत मंदिरों की कुल संख्या करीब 2,499 है और उनके पास 18,456 एकड़ से अधिक भूमि है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा अपंजीकृत मंदिरामठ वैशाली (438), कैमूर (307), पश्चिमी चंपारण (273), भागलपुर (191), बेगूसराय (185), सारण (154), गया (152) आदि में हैं। कैमूर में 307 अपंजीकृत मंदिरोंमठों के पास करीब 813 एकड़ जमीन है और खगड़िया जिले में 100 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास 722 एकड़ जमीन है। बांका जिले में करीब 332 एकड़ जमीन 78 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास है।

# दुखी विनेश फोगाट ने कुश्ती को कहा अलविदा

**पीटीआई** । पेरिस, चंडीगढ़

फाइल चित्र

**भारतीय महिला** पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा की और कहा कि अब आगे खेलने की ताकत नहीं है। विनेश को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। दो बार की विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता ने कहा, अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दीजिए। विनेश ने बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में ओलंपिक फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए।

वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ओलंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, ईनाम और सुविधाएं देती है वे सभी विनेश फोगाट को भी कृतज्ञता पूर्वक दी जाएंगी। हरियाणा सरकार फोगाट को 4 करोड़ रुपए देगी। इसके अलावा, सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया गया है। इसी दौरान पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने विनेश फौगाट को 25 लाख रुपये देने का ऐलान किया है।

दूसरी ओर विनेश ने दिन का एक बड़ा हिस्सा खेल गांव के अंदर पॉलीक्लिनिक में बिताया, क्योंकि वजन कम करने के उपाय के कारण उनके शरीर में पानी की कमी हो गई। इन उपायों में (शेष पृष्ठ 9)

# सीबीआई ने ईडी के सहायक निदेशक को 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

**भाषा** । नई दिल्ली

**केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो** (सीबीआई) ने प्रवर्तन निदेशालय के एक सहायक निदेशक को धनशोधन के एक मामले में मुंबई के एक सांफा व्यापारी के बेटे को गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनसे 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को गिरफ्तार किए गए अधिकारी को तत्काल निलंबित करने तथा उसके मूल विभाग में वापस भेजने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में चार अगस्त को वीएस गोल्ड नामक बुलियन कंपनी चलाने वाले विपुल ठक्कर के परिसरों पर छापेमारी की थी। उन्होंने बताया कि ईडी ने यह कार्वाई दिल्ली, उत्तराखंड और बेंगलुरु पुलिस द्वारा दर्ज कई प्राथमिकी के आधार पर कुछ संस्थाओं के खिलाफ एक अभियान के तहत की थी। उन्होंने बताया कि ईडी के सहायक निदेशक संदीप सिंह ने ठक्कर के आवास की तलाशी ली थी, जिनकी कंपनी पर धनशोधन में संलिप्त होने का संदेह था।

ईडी सूत्रों के अनुसार, सिंह इस मामले के जांच अधिकारी नहीं थे और उनका काम केवल तलाशी के सीमित उद्देश्य के लिए था। अधिकारियों ने बताया कि सिंह ने कथित तौर पर खुद को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) मामले में जांच अधिकारी बताया और मामले में ठक्कर के बेटे निहार को गिरफ्तार नहीं करने के लिए उनसे 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी, जबकि उनका इस मामले से कोई लेना देना नहीं था। उन्होंने बताया कि ठक्कर ने अपनी शिकायत सीबीआई से की और एजेंसी ने सत्यापन के दौरान आरोपों को प्रथमदृष्टया सही पाया। सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है, स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में शिकायत के सत्यापन से प्रथमदृष्टया पता चला कि प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक संदीप सिंह ने अज्ञात अन्य लोगों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता विपुल ठक्कर के बेटे निहार ठक्कर को गिरफ्तार न करने के लिए स्वयं तथा एक अन्य व्यक्ति के माध्यम से 20 लाख रुपए की रिश्वत प्राप्त करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचा था। अधिकारियों ने बताया कि ठक्कर की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई की मुंबई इकाई ने सिंह को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह कथित तौर पर रिश्वत ले रहे थे।

# सौर रेडियो कॉलर से होगी प्रवासी पक्षियों की निगरानी

● जम्मू-कश्मीर की सबसे ऊंची वूलर झील से होगी रियल टाइम मानिटरिंग

**अर्चना ज्योति** । नई दिल्ली

**दुनिया के** सबसे ऊंचे उड़ने वाले पक्षियों में से एक, भूरे रंग वाले बार-हेडेड गीज़ और सर्दियों में कुछ अन्य जलपक्षियों के प्रवास मार्गों और व्यवहारों की निगरानी समेत अधिक जानकारी के लिए उनके गले में परिष्कृत सौर ऊर्जा संचालित रेडियो कॉलर के माध्यम से यह जानकारी दुनिया के सामने आएगी। इसके परियोजना के लिए जम्मू-कश्मीर में अधिक ऊंचाई पर स्थित प्रसिद्ध वूलर झील से वास्तविक समय में निगरानी (रियल टाइम मानिटरिंग) की जाएगी। इस क्षेत्र में इस तरह की पहली परियोजना को जल्द ही देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा लॉन्च किया जाएगा। जो केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है। भारत की 75 रामसर-नामित आर्द्रभूमि में से एक, वूलर झील को उसकी पारिस्थितिक महत्व के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जाता है। कई पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, यह वनस्पतियों और जीवों की विविधता का समर्थन करना जारी रखती है, जो वन्यजीव उत्साही, पर्यटकों और स्थानीय लोगों को समान रूप से आकर्षित करती है।

इन सौर ऊर्जा संचालित कॉलर में एकीकृत उन्नत जीपीएस उपग्रह ट्रैकिंग तकनीक पक्षियों की गतिविधियों और व्यवहार में वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगी, विशेष रूप से उनके प्रारंभिक प्रवास के दौरान। डब्ल्यूआईआई के एक वैज्ञानिक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हल्के कॉलर, जिनका वजन 50 से 70 ग्राम के बीच है, विशेष रूप से बड़े गीज़ के लिए डिज़ाइन किए गए हैं और इनमें उच्च सौर दक्षता है। इस प्रकार इसे पारंपरिक बैटरी वाले रेडियो-कॉलर की सीमाओं से आगे ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाले रेडियो कॉलर खरीदने की प्रक्रिया में है। ये गैजेट स्थान, यात्रा पैटर्न, गति, तापमान और चुंबकीय क्षेत्र की ताकत को रिकॉर्ड करने के लिए ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) का उपयोग करेंगे। जब भी पक्षी नेटवर्क टावरों की सीमा के भीतर होते हैं, तो वे इस डेटा को जीएसएम सेलुलर नेटवर्क के माध्यम से शोधकर्ताओं तक पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि जीएसएम, या मोबाइल संचार के लिए वैश्विक प्रणाली, इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मानक अंतरराष्ट्रीय सेलुलर प्रोटोकॉल है।

अन्य भागीदारों द्वारा किए गए आहार अध्ययनों के साथ पर्यावास और आवास उपयोग आंकड़ों को संयोजित करके, संरक्षणवादी और आवास प्रबंधक इन प्रवासी पक्षियों की बढ़ती आबादी के तरीकों को समझने और रणनीति पर बेहतर कार्यान्वयन के लिए इन आंकड़ों के समायोजन से अधिक सुसज्जित होंगे। वैज्ञानिक ने कहा, गैजेट प्राप्त होने के बाद ही रेडियो कॉलर वाले पक्षियों के प्रकार का चयन करने का निर्णय अंतिम रूप दिया जाएगा। डब्ल्यूआईआई के वैज्ञानिक वूलर झील में सर्दियों में प्रवासी गीज़ के अनुपात को निर्धारित करने के लिए एक साल से अधिक समय तक अध्ययन के लिए गीज़ को कॉलर लगाना शुरू करेंगे। पक्षियों की गर्दन पर जीपीएस-जीएसएम (शेष पृष्ठ 9)

# लोकतांत्रिक रीति से धरना-प्रदर्शन स्वीकार पर अराजकता की छूट नहीं: मुख्यमंत्री

## सीएम योगी ने की क़ानून व्यवस्था की समीक्षा, अधिकारियों से कहा अफवाह फैलाने वालों के साथ सख्ती से निपटें

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में जोन, मंडल, रेंज व जिला स्तर के महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों के साथ प्रदेश के कानून-व्यवस्था तथा लोककल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में बाढ़ की वर्तमान स्थिति में आमजन के राहत एवं बचाव कार्यों को बेहतर करने, पर्व त्योहारों के सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजन आदि के संबंध में तैयारियों की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान संगठन हों अथवा अन्य कोई संगठन, यदि लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहना चाहते हैं, तो उनकी बात जरूर सुनी जाए। उनकी आशा, अपेक्षा और आशंका का यथोचित निराकरण करें। किंतु अराजकता फैलाने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती। लोकतांत्रिक संगठनों की आड़ में कतिपय राष्ट्रविरोधी संगठन भी माहौल खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। पूर्व में ऐसे अनेक अनुभव हुए हैं, जबकि शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने वालों की आड़ में कुछ अराजकतावादी संगठनों की उपस्थिति रही। इनकी पड़ताल करें और पकड़े जाने पर कठोरतम कार्रवाई करें।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी दिनों में नागपंचमी, श्रावण सोमवार, काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ, रक्षाबंधन, चेहल्लुम और जन्माष्टमी जैसे पर्व-त्योहार हैं, साथ ही पुलिस भर्ती परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी संपन्न हो रहे हैं। निश्चित रूप से यह समय कानून-व्यवस्था की दृष्टि से यह संवेदनशील समय है। हर जिले की पुलिस और स्थानीय प्रशासन को 24 गुणे 7 अलर्ट रहना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अब तक 12 जनपदों में 120 प्रतिशत से अधिक वर्षा हुई है, जबकि 27 जिलों में सामान्य वर्षा की स्थिति रही है। 80 से 60 प्रतिशत यानी कम वर्षा वाले 18 जिले हैं और 14 जिलों में 60 से 40 प्रतिशत यानी अत्यधिक कम वर्षा हुई है। जौनपुर, शामली, फतेहपुर तथा जिले ऐसे हैं जहां 40 प्रतिशत से भी कम बरसात दर्ज की गई है। बलिया, सीतापुर, बांदा, बाराबंकी, बिजनौर, फर्रुखाबाद, प्रयागराज और वाराणसी में अभी भी बाढ़ की स्थिति है। सभी संबंधित जिलों में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्य जारी रखे जाएं।

बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कहीं भी निर्धारित मात्रा से कम, बासी अथवा खराब गुणवत्ता की सामग्री कतई नहीं वितरित नहीं होनी चाहिए। यदि वेंडर द्वारा आपूर्ति में गड़बड़ी की जाती है तो तत्काल कार्रवाई की जाए। कल 9 अगस्त से ऐतिहासिक 'काकोरी ट्रेन एक्शन का शताब्दी वर्ष' प्रारंभ हो रहा है। यह पूरा वर्ष आजादी के नायकों का स्मरण करने के लिए होगा। इसी श्रृंखला में, 13 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' का जन अभियान आयोजित होना है। इन तीन दिनों में प्रदेश के हर आवास, हर कार्यालय पर हमारा राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया जाना है। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' है और 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व 'स्वाधीनता दिवस' है। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं। यह सभी कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्यों में सफल हों, इसके लिए इसमें जनभागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। स्कूल, कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस को जोड़ें। यह राष्ट्रीय गौरवबोध का अवसर है। हर आयु-वर्ग के लोगों को इनसे जोड़ा जाना चाहिए। महिला सुरक्षा राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

### रक्षाबंधन पर बहनों को दिया निशुल्क बस यात्रा का तोहफा

**मुख्यमंत्री** ने रक्षाबंधन पर बहनों को निशुल्क बस यात्रा का तोहफा दिया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने जाती हैं। इस विशेष अवसर पर 18 अगस्त की रात्रि से 19 अगस्त की रात्रि तक राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इस संबंध में सभी आवश्यक प्रबंध समय से कर लिए जाने चाहिए।

### पूरी शुचिता के साथ सकुशल संपन्न हो पुलिस भर्ती परीक्षा

**मुख्यमंत्री** ने कहा कि अगस्त माह के आखिरी सप्ताह में 23, 24, 25 और 30, 31 अगस्त को पुलिस भर्ती परीक्षा होनी प्रस्तावित है। यह परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से पूरी शुचिता के साथ सकुशल संपन्न हो, यह सभी की जिम्मेदारी है। इसके दृष्टिगत सभी जिलों को अलर्ट रहना होगा। वरिष्ठ अधिकारीगण अपने क्षेत्र के हर एक परीक्षा केंद्र का सूक्ष्मता का निरीक्षण कर लें। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए शासन स्तर से आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। उच्च स्तर से दिए जा रहे निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करें। परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों का आवागमन होगा, आवागमन में असुविधा न हो, इसका प्रबंधन समय से कर लिया जाए। महिला अभ्यर्थियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

# प्रदेश में शुरू करें युवा उद्यमी विकास अभियान: मुख्यमंत्री

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उत्तर** प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट में सरकार ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' का प्रावधान किया था, अब समय आ गया है कि इस पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया जाए। अभियान के संबंध में एमएसएमई विभाग के प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना स्वरोजगार सृजन के प्रयासों में बड़ी भूमिका निभाने वाली होगी। योजना के बारे में अधिकाधिक युवाओं को अवगत कराया जाए ताकि युवा प्रोत्साहित हों और आत्मनिर्भर होकर अपनी आजीविका कमा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव, एमएसएमई ने मुख्यमंत्री को बताया कि अभियान के तहत प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं को बैंकों से ऋण दिलाकर वित्तीय अनुदान दिया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 1 लाख सूक्ष्म उद्यम प्रतिवर्ष स्थापित हो सकेंगे। इस प्रकार आगामी 10 वर्षों में 10 लाख (एक मिलियन) युवा स्वरोजगार से जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत सामान्य वर्ग के अलावा, ओबीसी, महिला, दिव्यांगजन तथा एससी, एसटी के पुरुष के अलावा महिलाओं को उद्यम स्थापित करने पर अनुदान देने का प्रावधान हो, साथ ही, मार्जिन मनी पर भी सब्सिडी दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमियों को यथासंभव ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध हो, इसके लिए एक तय अवधि तक ऋण के ब्याज उपादान और सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा भी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के सही क्रियान्वयन और सतत मॉनीटरिंग के लिए आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सीएम फेलो की तर्ज पर यहां भी हर जिले में योग्य युवाओं की तैनाती की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तपोषण से पहले युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण भी दिलाया जाना चाहिए। नए उद्यमियों को उनके उत्पाद की पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मार्केटिंग में भी मदद करें।

## मुख्यमंत्री ने नाग पंचमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने नाग पंचमी के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी है। अपने बधाई सन्देश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जीव-जन्तु समेत इस चराचर जगत के साथ आत्मीय सम्बन्ध जोड़ने की समृद्ध एवं प्राचीन परम्परा है। नाग पंचमी का पर्व प्रकृति के साथ हमारे इस जुड़ाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाग पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से प्रचलित है। हमारे धर्मशास्त्रों में नाग जागृत कुण्डलिनी शक्ति का प्रतीक है। सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु शेषनाग पर ही शयन करते हैं। शेषनाग छत्र बनकर उन्हें छाया प्रदान करते हैं। ज्ञान और मोक्ष के प्रदाता भगवान शिव के आभूषण ही सर्प एवं नाग हैं। सावन में भगवान शिव के पूजन का विशेष महत्व है। श्रावण मास में नाग पंचमी भगवान शिव संग नागों की पूजा के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्ति के प्रतीक नाग पंचमी के पर्व पर हमारे समाज में पारम्परिक रूप से कुश्ती आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें जनता उत्साह के साथ प्रतिभाग करती है। पर्व एवं त्योहार को शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से आयोजित करने की अपील करते हुए सभी प्रदेशवासियों को नाग पंचमी की मंगलमय शुभकामनाएं।

## इस बार पूरे प्रदेश में फहराये जायेंगे 4.75 करोड़ रुपए से ज्यादा झंडे

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**स्वतंत्रता** दिवस के अवसर पर योगी सरकार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से 'हर घर तिरंगा अभियान' का आयोजन कर रही है। सरकार ने पिछली वर्ष की तुलना में इस वर्ष 5 से 10 प्रतिशत अधिक तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2023 में प्रदेश के अंदर जहां 4.5 करोड़ तिरंगा फहराए गए थे तो वहीं इस बार यह लक्ष्य 4.75 करोड़ रखा गया है। इस लक्ष्य के अनुरूप सभी जनपदों को भी लक्ष्य दिया गया है।

वर्ष 2022 एवं 2023 में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत संपूर्ण देश में उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक झण्डे फहराए। विगत दोनों वर्षों के अभियानों में प्रत्येक वर्ष 4.5 करोड़ से अधिक झण्डे फहराए गए। प्रदेश के नागरिकों द्वारा सेल्फी अपलोड अभियान में उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए सर्वाधिक सेल्फी अपलोड की गई। इस वर्ष भी उसी उत्साह से आयोजन को मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसको लेकर निर्देश जारी किए हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश भर में 4 करोड़ घरों और 30 लाख प्रतिष्ठानों समेत करीब 4.30 करोड़ स्थानों पर तिरंगा फहराया जाएगा। कार्यक्रम के तहत आमजनमानस को अपने-अपने घरों, कार्यालयों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों आंगनबाड़ी केन्द्रों, अस्पतालों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों झण्डा फहराने के लिये विभिन्न प्रचार माध्यमों से प्रेरित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। तिरंगे के साथ सेल्फी लेने और उसे हर घर तिरंगा वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। विभिन्न संस्थाओं व संगठनों के सहयोग से झण्डा वितरण कराया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से झण्डों के निर्माण कराया जाएगा। अभियान के दौरान झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए झण्डा विधिवत तरीके से लगाए जाने के लिए लोगों को विभिन्न माध्यमों से प्रशिक्षित किया जाएगा। आधा झुका, फटा या कटा झण्डा लगाया जाना निषेध होगा। 13 से 15 अगस्त, 2024 के उपरांत निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाए जाने वाले झण्डों को आदर भाव के साथ उतार कर सुरक्षित रखा जाएगा।

## कांग्रेस ने कहा, विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किया जाना गहरी साजिश

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

### डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजकर की न्याय दिलाने की मांग

**फाइनल** मैच में पहुंच जाने के बाद भी वजन ज्यादा निकलने के कारण अयोग्य घोषित कुश्ती की स्टार खिलाड़ी विनेश फोगाट के मामले में कांग्रेस ने कहा है कि इसके पीछे गहरी साजिश प्रतीत होती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर इस कथित साजिश के खिलाफ उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी, मध्यजोन की अध्यक्ष ममता चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी लखनऊ से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में महिला कांग्रेस मध्यजोन की अध्यक्ष ममता चौधरी, उपाध्यक्ष सुशीला शर्मा, प्रज्ञा सिंह, डॉ. रिचा कौशिक, मेहताब जायसी, ममता सक्सेना सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

## योगी ने पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर व्यक्त किया शोक

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। साथ ही ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने एवं परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह सुनकर बहुत दुख हुआ कि पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य गोलोक वासी हो गये हैं। मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति हृदय से संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। ओम शांति।

## नफरत फैलाने में लगी हैं सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने वाली ताकतें: अखिलेश यादव

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**सपा** अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अगस्त 1942 की तिथि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक एवं निर्णायक तिथि है। 8 अगस्त 1942 की रात्रि महात्मा गांधी ने अंग्रेजो से भारत की मुक्ति के लिए करो या मरो का मंत्र दिया था। सभी बड़े नेताओं की 9 अगस्त की तड़के सुबह गिरफ्तारी के बाद समाजवादियों ने ही भारत छोड़ो आंदोलन की कमान सम्हाली थी। अंग्रेजों की तमाम घेराबंदी के बावजूद अरूणा आसफ अली ने 9 अगस्त 1942 को बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर जनविद्रोह का आगाज कर दिया तो डॉ. राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, ऊषा मेहता आदि समाजवादियों ने मिलकर भारत छोड़ो आंदोलन को नई गति दी। डॉ. राममनोहर लोहिया ने ऊषा मेहता के साथ भूमिगत रेडियों का संचालन किया। जयप्रकाश नारायण ने हजारीबाग जेल की दीवार फांदकर उस क्रांति के नई सनसनी फैदा कर दी। इस आंदोलन में हिन्दू-मुसलमान सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के साथ देश में परिवर्तन की नई मंजिलें तय की गईं। जो दलित, वंचित, शोषित थे उन्हें संविधान में समान हक और सम्मान मिला। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के प्रसासों से गरीब-अमीर सभी को एक वोट का समान अधिकार मिला। समाजवाद के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना और स्वतंत्र संघर्ष के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया गया। यादव ने कहा कि देश की विविधता और सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने वाली ताकतें आज नफरत फैलाने में लगी हैं।

## वक्फ बिल को सदन की स्थायी समिति के पास भेजे केन्द्र: मायावती

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**बसपा** मायावती ने केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर उत्पन्न आशंकाओं और आपत्तियों पर बेहतर विचार के लिये इसे सदन की स्थायी समिति के पास भेजने की मांग की है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखते हुए कहा कि केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मस्जिद, मदरसा, वक्फ आदि मामलों में जबरदस्ती की दखलअंदाजी तथा मंदिर व मठ जैसे धार्मिक मामलों में अति-दिलचस्पी लेना संविधान व उसकी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धान्त के विपरीत है, अर्थात ऐसी संकीर्ण व स्वार्थ की राजनीति क्या जरूरी है? सरकार राष्ट्रधर्म निभाए। बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि मन्दिर-मस्जिद, जाति, धर्म व साम्प्रदायिक उन्माद आदि की आड़ में कांग्रेस व भाजपा आदि ने बहुत राजनीति कर ली और उसका चुनावी लाभ भी काफी उठा लिया, किन्तु अब देश में खत्म हो रहे आरक्षण व गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पिछड़ापन आदि पर ध्यान केन्द्रित करके सच्ची देशभक्ति साबित करने का समय आ गया है। उन्होंने आगे लिखा कि आज संसद में पेश वक्फ (संशोधन) विधेयक पर जिस प्रकार से इसको लेकर संदेह, आशंकाएं व आपत्तियां सामने आयी हैं, उसके मद्देनजर इस विधेयक को बेहतर विचार के लिए सदन की स्थायी (स्टैण्डिंग) समिति को भेजना उचित। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर सरकार अगर जल्दबाजी न करे तो बेहतर होगा। बता दें कि केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया। विपक्ष ने इसे मुसलमानों के हितों पर हमला बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया है।

## देश की एकता-अखंडता को कमजोर करने की राजनीति करने वालों से सतर्क रहें: अजय राय

### अगस्त क्रांति के मौके पर कांग्रेस ने काकोरी शहीद स्मारक से निकाली तिरंगा यात्रा

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**अगस्त** क्रांति के अवसर पर बृहस्पतिवार को कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश कांग्रेस अजय राय के नेतृत्व में काकोरी शहीद स्मारक पर तिरंगा यात्रा निकाली। इस अवसर पर अजय राय ने काकोरी स्थित शहीद स्मारक में शहीद चंद्रशेखर आजाद , शहीद भगत सिंह, शहीद अशफाक उल्ला खां, शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, शहीद राजगुरु, और शहीद सुखदेव, के मूर्ति पर माल्यार्पण किया और शहीद स्मारक पर वृक्षारोपण किया।

अजय राय ने देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों को स्मरण कर नमन किया, और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर अजय राय के साथ कांग्रेस नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठन के लोग उपस्थित रहे। अजय राय ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद बोलते हुए कहा कि आज के दिन 8 अगस्त को हुई अगस्त क्रांति ऐसी क्रांति थी जिसने देश के लोगों के अंदर स्वतंत्रता पाने की भावना को जन जागरण आंदोलन में बदल दिया और गांधी जी के बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में दिए नारे, अंग्रेजों भारत छोड़ो और करो या मरो से उपजी स्वतंत्रता पाने की चाहत घर घर पहुंच गई। अजय राय ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन की ये महत्वपूर्ण तिथियां हमें हमारे वीर शहीदों का स्मरण कराती हैं और हमें अपनी स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए प्रतिबद्धता को दोहराती हैं, क्योंकि चाहे वह समय रहा हो और चाहे यह समय हो हर समय स्वतंत्रता के खिलाफ भी तमाम उस समय के जनसंघ और आरएसएस के लोग खड़े रहे थे जो आज भी अपने जहन में लोगों की स्वतंत्रता छीनने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने अपने नाम अपने भेष बदल दिए लेकिन उनके अंदर का चरित्र वही है। इसलिए हमें सदैव अपनी स्वतंत्रता को लेकर जागरूक रहना होगा।

पायनियर वर्गीकृत

### सूचना

सूचना मैंने अपने पुत्र कृष्णकांत प्रसाद व उसकी पत्नी सिमरन से अपना संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी समस्त चल –अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनसे मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं है । श्याम नारायण प्रसाद पुत्र राम सुमेर प्रसाद निवासी माटी गांव फरसंड मोहनपुर चंदौली हाल पता 416 ए चक रघुनाथ नैनी थाना नैनी प्रयागराज ।

### सूचना

रजिस्ट्री जगदीश पुत्र विश्राम प्लाट नंबर 25सी खसरा नंबर 934 दिनांक 25.5.2012 की तथा वसीयत नामा दिनांक 16.02.2017 की प्लाट नंबर 25सी खसरा नंबर 934 वसीयत कर्ता जगदीश। दोनों की मूल प्रति गायब हो गई है। प्रार्थी रामू मिश्रा पुत्र स्व0 जगदीश निवासी सरैया टोला मड़ियांव जानकीपुरम गार्डेन लखनऊ। मोबाइल नंबर 8707573687.

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेन्द्र कुमार एवं श्रीमती कृष्णा कुमारी मेहंदीरत्ता जो एक किता भवन संख्या 553/72–ई रकबा 4048 वर्गफिट स्थिति पटेल नगर कॉलोनी थाना आलमबाग लखनऊ के स्वामी हैं। प्रार्थी की उक्त सम्पत्ति की टाइटल चेन का मूल विक्रय विलेख जो अखिलेश नाथ अग्निहोत्री और शैलेश नाथ अग्निहोत्री के पक्ष में देव त्रिपाठी ने निष्पादित किया था जो उपनिबंधक लखनऊ में बही 1 जिल्द 3354 पृष्ठ 392–394 क्रमांक 4235 पर दिनांकित 24.01.1989 को पजीकृत है, आलमबाग मार्केट में श्री योगेन्द्र कुमार से फोटोकापी कराने जाते समय दिनांक 06.07.2024 को समय लगभग 6 बजे–6:29 बजे शाम को कही खो गया है, जो बहुत खोजने के पश्चात भी नहीं मिला। इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा।
उपरोक्त भवन कोटक महिंद्रा लिमिटेड कानपुर और लखनऊ उत्तर प्रदेश से लोन के सापेक्ष बन्धक किया जायेगा। यदि किसी को उक्त दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे दिये पते पर वापस कर दे यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति या हित है तो साक्ष्य व दस्तावेजों के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 10 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करे।
**लॉ वेरिटास नॉर्थ (एडवोकेट और कानूनी सलाहकार)** कार्यालय पता– डी– 272 दूसरा तल प्रकाश टावर, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ। मो0:0522–3510136

## ओलंपिक्स 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर राज्यपाल ने दी बधाई

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश** की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक्स 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर हार्दिक बधाई दी है। अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। यह जीत हमारे युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और आने वाले समय में और भी अधिक ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी।

## अगस्त क्रांति पर आज व कल प्रदेश में सक्रिय रहेगा सपा के युवा संगठनों का अभियान

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**सपा** अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 9 अगस्त 2024 (अगस्त क्रांति दिवस) से 10 सितम्बर 2024 तक समाजवादी पार्टी के युवा संगठनों का अभियान प्रदेश में सक्रिय रहेगा। इसमें सदस्यता अभियान, छात्र, नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ मुख्य मुद्दे-पेपर लीक, समान कोर्स, फीस वृद्धि, रोजगार, आरक्षण, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय की नियुक्तियों में भ्रष्टाचार, आरक्षण में पारदर्शिता, मुफ्त पढ़ाई, रोस्टर प्रणाली, डिजिटल डिवाइड, पुस्तकालयों का निर्माण, नए विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय का निर्माण भी इस अभियान के अंतर्गत होंगे। समाजवादी पार्टी के सभी युवा संगठनों, राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा के डॉ. इमरान, समाजवादी युवजन सभा के मोहम्मद फहद, समाजवादी लोहिया वाहिनी के अभिषेक यादव, मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के सिद्धार्थ सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी छात्र सभा के विनीत कुशवाहा, समाजवादी युवजन सभा के अरविन्द गिरि, समाजवादी लोहिया वाहिनी के डॉ. रामकरन निर्मल, एवं मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के अनीस राजा को विभिन्न जिलों में बंटकर 9 अगस्त से 10 सितम्बर 2024 तक अभियान चलाने का दायित्व सौंपा गया है। कार्यक्रम के अनुसार 9 अगस्त से 31 अगस्त 2024 तक सदस्यता अभियान, 2 सितम्बर 2024 से पीडीए वृक्षारोपण, पर्चा वितरण, 3 सितम्बर 2024 से विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में शिविर लगाकर सम्पर्क तथा पर्चा वितरण, 4 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं से सुझाव लेना, संकल्प पत्र भरना, 5 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं की समस्याओं की सुनवाई, 7 सितम्बर को वर्तमान राजनीति में छात्र छात्राओं एवं युवाओं की भूमिका तथा 10 सितम्बर 2024 को मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाना है।

## काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित 12 बोगी वाली ट्रेन करेगी विभिन्न जिलों का भ्रमण

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

### स्कूली बच्चों व युवाओं को बताएगी काकोरी की शौर्यगाथा

**काकोरी** ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर योगी सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आयोजन करने जा रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर वर्तमान और भावी पीढ़ी को काकोरी व स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्यगाथा के जरिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए स्कूली बच्चों, किशोर-युवाओं की सहभागिता से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं,रेलवे के सहयोग से काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस भी चलाई जा रही है। इस ट्रेन के माध्यम से प्रदेशवासियों को काकोरी ट्रेन घटना से परिचित कराया जाएगा। यह ट्रेन आगामी दो माह तक प्रदेश के विभिन्न स्थानों का भ्रमण करेगी और लोगों को इस घटना के विषय में जानकारी देगी।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का शुभारंभ 9 अगस्त से होगा। शताब्दी महोत्सव पूरे प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्ष पर्यंत मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्चस्तरीय बैठक में काकोरी ट्रेन एक्शन सेंटेनरी फेसिटवल को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शन को भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक महत्वपूर्ण घटना बताते हुए निर्देश दिया था कि रेलवे के सहयोग से प्रदेश में एक ट्रेन 'काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस' संचालित की जाए, जो लोगों तक काकोरी शौर्यगाथा पहुंचाएगी। काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित 12 बोगी वाली ट्रेन आगामी दो माह तक विभिन्न जनपदों और नगरों का भ्रमण करेगी। इसमें काकोरी शौर्यगाथा पर आधारित सचल प्रदर्शनी होगी। काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस का प्रत्येक जनपद में दो दिन तक पड़ाव रहेगा।

इस दौरान स्कूली बच्चों को ट्रेन में सचल प्रदर्शनी दिखाई जाएगी और इस दौरान अन्य सामूहिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता एवं जीवन गाथा पर आधारित गतिविधियां सम्मिलित होंगी। ट्रेन में काकोरी ट्रेन एक्शन के अभिलेखों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। यही नहीं, काकोरी गाथा का एआर/वीआर के माध्यम से 3डी मॉडल भी प्रदर्शित होगा। ट्रेन के अंदर और बाहर भारतेंदु नाट्य अकादमी द्वारा नुक्कड नाटक का भी मंचन होगा।

**IMRT Law College, Lucknow**
Affiliated to University of Lucknow
Applications are invited for the post of
**Principal**
**Eligibility Criteria:** Ph.D. degree with Bachelors & Masters level in the relevant branch.
**Lecturer**
**Eligibility Criteria:** Ph.D. or NET with LLB & LLM with 55% marks level in the relevant branch.
**Non Teaching**
Librarian, Office Assistant, Computer Operator.
Apply with testimonials and two photographs within 7 days.
**Address :**
**Management Park, Vipul Khand-6 Gomti Nagar, Lucknow - 226010**
**Contact No. 9889191505, 8417000701, 0522-3500547**
**sanjeev1957@gmail.com**

# प्रदेश सरकार व बीएमजीएफ के बीच एमओसी पांच वर्ष बढ़ा

**● उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा बीएमजीएफ के कन्ट्री हेड ने किए हस्ताक्षर**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**प्रदेश** सरकार और बिल एण्ड मिलिण्डा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के बीच मौजूदा मेमोरेण्डम ऑफ कोआपरेशन (एमओसी) अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया है। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह की मौजूदगी में प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा तथा बीएमजीएफ की ओर से हरि मेनन, निदेशक, इण्डिया कन्ट्री हेड ने एमओसी पर हस्ताक्षर किए।

एनेक्सी सचिवालय सभागार में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ब्रजेश पाठक ने बीते 12 साल से बीएमजीएफ़ के सहयोग से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सुधार का उल्लेख किया। इसमें 65 मेडिकल कालेजों की स्थापना एवं एमएमआर व एनएमआर की दरों में अत्यधिक कमी, पोषण में सुधार, सप्लाई चेन में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धियां व पर्याप्त संख्या में वेयर हाऊस का निर्माण शामिल है। उन्होंने आशा के माध्यम से उपचार की व्यवस्था का मैकेनिज़्म तैयार करने का सुझाव दिया जिससे मरीजों को उनके गाँव में ही इलाज मिल सके तथा रेफरल की पद्धति में जिला अस्पताल स्तर पर दायित्व निर्धारित किया जा सके। स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने विश्वास जताया कि एमओसी के विस्तार से अगले पांच वर्षों में प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा और उत्तर प्रदेश, देश में कीर्तिमान स्थापित करेगा। प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बीएमजीएफ़ के सहयोग से प्राप्त लगभग सभी उपलब्धियों का आंकड़ों सहित विवरण देते हुए इस बात पर संस्था की प्रशंसा की कि यह संस्था अपना एजेंडा तय न करके हमारे एजेंडे एवं प्राथमिकताओं को अंगीकृत करती है और तदनुसार अपनी सेवाओं को सुवयस्थित करती है।

बता दें कि बीएमजीएफ वर्ष 2012 से उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य; परिवार नियोजन, टीके द्वारा रोकथाम की जाने वाली बीमारियों, संचारी रोग- टीबी, काला अजार, लिम्फैटिक फाइलेरिया और दिमागी बुखार (एईएस), स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वास्थ्य और पोषण आधारित गतिविधियों का एकीकरण एवं आजीविका के अवसरों के लिए महिलाओं को सक्षम बनाने तथा जन-स्वास्थ्य को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, मरीज़ों की समुचित देखभाल और उनकी वित्तीय सुरक्षा को बेहतर बनाने जैसे मुद्दों पर काम कर रहा है।

## बीएमजीएफ के सहयोग से स्वास्थ्य में आया सुधार

- 2016 से 2019 के बीच मातृ मृत्यु-दर प्रति एक लाख प्रसव पर 216 से घटकर 167 हुई और 2016 से 2020 के बीच प्रति एक हजार जन्म पर यूएमआर में 47 से 41 की गिरावट आई।
- 2016 से 2019-20 के बीच आधुनिक गर्भनिरोधक प्रसार-दर (एमसीपीआर) में (31.70 फीसद से बढ़कर 44.5 फीसद) सुधार हुआ।
- 2019 से 2024 के बीच सीएचसी में एनबीएसयू 53 से बढ़कर 275 हुई, सी-सेक्शन का संचालन करने वाले एफआरयू 135 से बढ़कर 322 हो गए और सक्रिय एफआरयू-सीएचसी 66 से बढ़कर 234 हुए।
- सभी 75 जिलों में यूपीएमएससी द्वारा जिला स्तर के गोदामों की स्थापना से आवश्यक दवाओं की उपलब्धता 2019 में 40 फीसद से बढ़कर वर्तमान में 90 फीसद से अधिक हो गई।
- राज्य में 22,473 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का संचालन शुरू।
- 2019-24 के बीच, दिमागी बुखार (एईएस) के कारण होने वाली मौतें 126 से घटकर शून्य हो गई, जापानी इंसेफेलाइटिस के कारण होने वाली मौतें 21 से घटकर शून्य हो गईं और लिम्फैटिक फाइलेरिया उन्मूलन के खिलाफ एमडीए का कवरेज 27 फीसद से बढ़कर 74 फीसद हुआ।
- काला अजार के मामलों में 88 फीसद की कमी, 2018 में 120 मामलों से 2024 में अब सिर्फ एक केस बचा।

# 561 घरों के सर्वे में मिला एक मरीज, टीम अलर्ट

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**नगर** प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मुकारिमनगर की चिकित्सीय टीम ने गुरुवार को मनकामेश्वर वार्ड एवं डालीगंज वार्ड का भ्रमण किया। इस दौरान आशा एवं एएनएम की टीम द्वारा 561 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें बुखार, उल्टी एवं दस्त का कोई मरीज नही मिला। मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ द्वारा अधीक्षिका, नग.साम.स्वा.केन्द्र सिल्वर जुबली, लखनऊ को क्षेत्र में 24 घंटे सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त नग.सामु.स्वा.केन्द्र अलीगंज एवं नग.प्रा.स्वा.केन्द्र खदरा की टीम द्वारा मक्कागंज खदरा का भ्रमण किया गया। क्षेत्र में आशा एवं एएनएम की टीम द्वारा 45 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें 1 दस्त का मरीज मिला। जिन्हें आवश्यक दवायें वितरित करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी। क्षेत्र में संक्रामक रोग की स्थिति नही है। मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ द्वारा अधीक्षक, नग.सामु.स्वा.केन्द्र अलीगंज, लखनऊ को क्षेत्र में 24 घंटे सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया।

# एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में बीटेक छात्रा झलक जैन को मिलेगा कुलाधिपति स्वर्ण पदक

**● विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में मेधावियों को मिलेंगे 98 पदक विद्या परिषद की बैठक में पदक और पीएचडी डिग्री की संस्तुति**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**डॉ.** एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो जेपी पांडेय की अध्यक्षता में गुरूवार को विद्या परिषद की 72वीं बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में विश्वविद्यालय के 13 अगस्त 2024 को होने वाले 22वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण 45179 छात्रों को डिग्री दिये जाने को संस्तुति प्रदान की गयी। इस बार दीक्षांत समारोह में कुल 98 पदक दिये जाएंगे। बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार इसमें कुल 42 स्वर्ण, 28 रजत और 28 कान्स्य पदक दिये जाएंगे। जबकि 45 छात्रों को विभिन्न विषयों में पीएचडी डिग्री अवार्ड होगी। इस बार विश्विद्यालय से सम्बद्ध संस्थान मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीरियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ के बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीरियनिंग (डाटा साइंस) की छात्रा झलक जैन ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। दीक्षांत समारोह में छात्रा झलक जैन को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल कुलाधिपति स्वर्ण पदक देंगी। छात्रा को बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से प्रोत्साहन के तौर पर 50 हजार रूपया भी दिया जाएगा। जबकि कमल रानी वरूण स्मृति स्वर्ण पदक बीटेक के सभी ब्रांच में अनुसूचित जाति की सभी उत्तीर्ण छात्राओं में सर्वोच्च स्थान पाने वाली कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीरियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद की छात्रा श्रुति सिंह को दिया जाएगा। पहली बार विश्वविद्यालय विद्या परिषद की बैठक पूरी तरह से पेपरलेस हुई। बैठक में कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो राजीव कुमार, आईईटी के निदेशक प्रो विनीत कंसल, एफओए की प्राचार्या प्रो वंदना सहगल, डीन यूजी प्रो अनुराग त्रिपाठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## बीबीएयू कुलपति ने किया विमोचन

**लखनऊ।** बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में गुरुवार को कुलपति प्रो. एन. एम. पी. वर्मा द्वारा बायोरेमेडिएशन: ग्रीन सॉल्यूशन ऑफ एनवायरनमेंटल पोलूटेंट्स पर एक पुस्तक का विमोचन किया गया। यह पुस्तक विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी डायरेक्टर एवं एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलॉजी डिपार्टमेंट के प्रो. राम चंद्रा और डॉ. क्षितिज सिंह द्वारा लिखी गयी है। पुस्तक के लेखक प्रो. राम चंद्रा और डॉ. क्षितिज सिंह ने बताया कि पुस्तक की सामग्री समाज और उद्योग दोनों के सतत विकास के लिए एक ज्वलंत विषय है। पुस्तक में बायोरिमेडिएशन की अवधारणा एवं उसके सिद्धांत, बायोडिग्रेडेशन तथा बायोरिमेडिएशन की प्रक्रिया, फाइटोरेमेडिएशन और ज़ेनोबायोटिक्स यौगिकों के विघटन प्रक्रिया, नैनोबायोरेमेडिएशन और पर्यावरणीय प्रदूषकों के विघटन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों की समझ पर मुख्य रूप से विस्तृत में बताया गया है, जिसके औद्योगिक और पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए बायोरिमेडिएशन की बुनियादी अवधारणा और तंत्र को समझने के लिए बहुत आवश्यक है।

# सफलता हासिल करने के लिए जिज्ञासु बनें: बीएन रामाकृष्ण

**● राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में इसरो के सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित की गयी अंतरिक्ष प्रदर्शनी**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**राष्ट्रीय** अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में गुरूवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र यानि इसरो के सहयोग से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में अंतरिक्ष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन सैटेलाइट को संचालित एवं नियंत्रित करने वाली इसरो की विंग इस्ट्रैक के निदेशक एवं चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग में सहयोग करने वाले वैज्ञानिक बीएन रामकृष्ण एवं कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने किया। प्रदर्शनी को देखने के लिए विभिन्न स्कूलों के करीब एक हजार बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान प्रदर्शनी में इसरो की ओर से चंद्रयान-3 लैंडर, इंडियन डीप स्पेश एंटीना, क्रियु मॉड्यूल, रिसोर्स सैटेलाइट, क्रियु इंजन, मार्स आर्बिटर मिशन स्केल, जी सैटेलाइट, एस्ट्रो सैटेलाइट, जीएसएलवी, पीएसएलवी, आर्यभट्ट सैटेलाइट एवं नक्षत्रशाला के मॉडल्स लगाये गये थे। जिन्हें देख बच्चे रोमांचित हो गये। बच्चों ने इसरो वैज्ञानिकों से बात कर अंतरिक्ष और उनके मिशनों की जानकारी ली। बहुत से बच्चों ने अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने के सपने भी संजोये।

इस मौके पर इस्ट्रैक के निदेशक एवं चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग में सहयोग करने वाले वैज्ञानिक बीएन रामकृष्ण ने कहा कि चंद्रमा पर भारत की सफल लैंडिंग को पूरा देश अंतरिक्ष दिवस के रूप में मना रहा है। अंतरिक्ष में इस सफलता दुनिया को भारत के अंतरिक्ष शक्ति और क्षमता से परिचित कराया। यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। पिछले साल 23 अगस्त को जब चंद्रयान-3 चंद्रमा पर उतरने वाला था तब सारे देश की धड़कनें बढ़ गयी थीं। आखिर में हमने सफलतापूर्वक चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करायी। उन्होंने कहा कि यह सफलता चंद्रयान-2 की असफलता के बाद आयी। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-2 99 प्रतिशत सफल रहा। लेकिन आखिर वक्त में सॉफ्ट लैंडिंग नहीं हो सकी। इस मिशन के पूरा नहीं होने के बाद भी हम रूके नहीं और लगातार प्रयास किया। चंद्रयान-2 की सॉफ्ट लैंडिंग में कहां कमी रह गयी। इस पर गहन अध्ययन किया गया। हर एक प्रक्रिया का वैज्ञानिकों की टीम ने विश्लेषण किया। जहां कमी रह गयी थी उसे दूर करने पर पूरा जोर लगा दिया गया। पूरी तैयारी के बाद चंद्रयान-3 को लांच किया गया और सफलता मिली। उन्होंने बच्चों से कहा कि हमें इससे सीख लेने की जरूरत है। असफलता हमें सफलता के लिए प्रेरित करती है। जब हम बिना रूके अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करते हैं और अपनी कमियों को दूर करते हैं तब सफलता अवश्य मिलती है।

### एकेटीयू में चंद्रयान-3 को देख रोमांचित हो उठे बच्चे

### बच्चों का आगे बढ़ने की दी सीख

**मंच** पर मौजूद देश के वरिष्ठतम अंतरिक्ष वैज्ञानिकों में से एक बीएन रामाकृष्ण ने कार्यक्रम के दौरान बच्चों से शिक्षक की भूमिका में बात की। उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के सूत्र भी दिये। कहा कि यदि आपको देश के विकास में अपना योगदान देना और सफलता हासिल करनी है तो जिज्ञासु बनना होगा। सवाल करने की आदत डालनी होगी। विज्ञान, गणित, पर्यावरण और अपने आस-पास के बारे में जानिये। शिक्षकों से तब तक सवाल करते रहिये जब तक कि आप संतुष्ट नहीं हो जाते। आप जिस भी कक्षा में हैं अपने विषय को बहुत ध्यान से पढ़िये। अपने पढ़े को एक शिक्षक की तरह दोस्तों को पढ़ाइये। इससे आपकी क्षमता तेजी से विकसित होगी। सुबह से लेकर शाम तक कुछ नया करिये। इस बात का आंकलन करिये कि आपने पूरे दिन में क्या सीख, क्या प्रोडक्टिव किया। समस्या को देखिये और उसके समाधान का प्रयास करिये। आप जितना अधिक अपने आपको एकाग्र करेंगे उतना आगे बढ़ेंगे। देश का भविष्य आपके ही हाथों में आने वाला है। आप से देशवासियों को ढेर सारी अपेक्षाएं हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के साथ ही अपनी पूरी क्षमता के साथ ही बच्चों आप अन्य तरीकों से देश की सेवा कर सकते हैं।

## इसरो कई क्षेत्रों में कर रहा रिसर्च

**बीएन** रामकृष्ण ने कहा कि इसरो चंद्रयान-3 की सफलता के साथ ही अन्य कई मिशनों पर कार्य कर रहा है। अंतरिक्ष में हमारी किसी देश से प्रतिस्पर्धा नहीं है। हम देश के विकास और हित के लिए कार्य कर रहे हैं। कहा कि आने वाले समय में कई क्षेत्रों में रिसर्च हो रही है। बताया कि हम सूर्य के चक्कर लगा रहे एस्ट्रॉयड पर शोध करने पर काम कर रहे हैं। एस्ट्रॉयड में यदि विशेष धातु है तो उसे देश में कम खर्च में कैसे लाया जाये। इस पर वैज्ञानिकों की टीम रिसर्च कर रही है। कहा कि अभी हमने अंतरिक्ष विज्ञान में एक प्रतिशत से भी कम जानकारी हासिल की है। आने वाले समय में यह भी संभव है कि मनुष्य लाइट की गति से यात्रा करे। इस दिशा में भी शोध किया जा रहा है। बताया कि चंद्रयान-3 चंद्रमा पर 14 दिन के बाद शिथिल हो गया। दरअसल, लैंडर को इस तरह ही डिजाइन किया गया था। लेकिन आने वाले मिशनों में लैंडर को 14 दिन में ही बंद नहीं हो जाये इस तरह डिजाइन करने पर रिसर्च किया जा रहा है। कहा कि इसरो अपने सेटेलाइट सिस्टम पर काफी रिसर्च कर रहा है। जिससे कि आने वाले समय में प्राकृतिक आपदाओं, कृषि आदि का बेहतर आंकलन किया जा सके। कहा कि भारत पहला देश है जिसने चंद्रमा पर पानी होने की बात कही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने कहा कि इसरो की उपलब्धियों ने देश को गौरवान्वित किया है। 55 वर्ष की अपनी यात्रा में इसरों ने सफलता के साथ कई असफलताएं भी देखी हैं। मगर हार नहीं मानी। बिना रूके हमारे अंतरिक्ष वैज्ञनिकों ने दिन रात एक किया है। कहा कि देश के विकास में इसरो की महत्वपूर्ण भूमिका है। चंद्रयान-3 की सफलता ने पूरी दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की क्षमता से परिचित कराया। वैज्ञनिकों ने असफलता को सफलता में बदलने के लिए गजब की प्रतिबद्धता दिखाई। कहा कि कभी दूसरे के सहारे अपने सेटेलाइट लांच करने वाला इसरो इस समय 60 देशों की सेटेलाइट लांच कर रहा है।

इसरो की वित्तीय विंग ने आर्थिक रूप से भी कमाई भी कर रहा है। कार्यक्रम में बच्चों ने इस्ट्रैक के निदेशक से अंतरिक्ष, चंद्रयान और अन्य मिशनों से जुड़े सवाल भी पूछे। जिसका उन्होंने विस्तार से जवाब दिया। इस मौके पर एक्सपर्ट टाक का भी आयोजन किया गया। जिसमें इस्ट्रैक के डिप्टी डायरेक्टर टी सुब्रमण्यम गणेश, एस मदस्वामी, आसिफ सिद्दकी, एके शर्मा, एसके पाण्डेय सहित अन्य वैज्ञानिकों ने अपने अनुभव साझा किये। इस दौरान बच्चों के बीच स्पेस से जुड़े क्विज का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने काफी उत्साह दिखाया।

# किडनी ट्रांसप्लांट में लोहिया संस्थान ने लगाए दोहरा शतक

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**डॉ.** राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने गुरुवार को किडनी ट्रांसप्लांट के मामले में दोहरा शतक पूरा किया। सात वर्ष पूर्व शुरू हुए किडनी ट्रांसप्लांट के मामले में संस्थान की तरफ से हर साल करीब 35-40 ट्रांसप्लांट (लाइव डोनेशन) किए जाते हैं। यह ट्रांसप्लांट 1 साल में 95 फीसद और 5 साल में 85 फीसद की सफलता दर के साथ किए जा रहे हैं। इसके साथ ही संस्थान में एक किडनी ट्रांसप्लांट किया गया है। रायबरेली की रहने वाली 51 वर्षीय मां ने अपनी 39 वर्षीय बेटी को अपनी बाईं किडनी दान की। किडनी को लेप्रोस्कोपिक तरीके से निकाला गया और ऑपरेशन करीब 4 घंटे तक चला। डोनर और प्राप्तकर्ता दोनों फिलहाल स्वस्थ हैं। एसजीपीजीआई के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला आरएमएल सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा संस्थान है। ज्यादातर ट्रांसप्लांट बीपीएल और आयुष्मान योजना का उपयोग करके आर्थिक रूप से वंचित आबादी में किए गए हैं। इस अवसर पर निदेशक, प्रो. (डॉ.) सी.एम. सिंह ने ट्रांसप्लांट यूनिट की पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और भविष्य के लिए लक्ष्य भी निर्धारित किए।

### भविष्य के लिए लक्ष्य

■ कैडेवरिक ट्रांसप्लांट को बढ़ावा देना। ■ चुनिंदा रोगियों में रोबोटिक ट्रांसप्लांटेशन। ■ डायलिसिस प्रक्रियाओं की संख्या में वृद्धि करना। (वर्तमान में प्रतिवर्ष 13000-14000 डायलिसिस किए जा रहे हैं)

### प्रत्यारोपण टीम में यह रहे शामिल

**नेफ्रोलॉजी** से प्रो. अभिलाष चंद्र (एचओडी),प्रो. नम्रता राव, प्रो. मजीबुल्लाह अंसारी। यूरोलॉजी से प्रो. ईश्वर राम धायल (एचओडी), प्रो. आलोक श्रीवास्तव, प्रो. संजीत कुमार सिंह, डॉ. प्रशांत, डॉ. दिनेश राहर, डॉ. अंकुश सदोत्रा। एनेस्थीसिया से प्रो. पी.के. दास, डॉ. शिल्पी मिश्रा। ओटी स्टाफ में बलवत, लक्ष्मी कांत,आमिर।

## पेटदर्द और दस्त का इलाज कराने आई नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**बलरामपुर** अस्पताल में गुरुवार को पेट दर्द और दस्त का इलाज कराने आई एक नाबालिग अविवाहित लड़की ने स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया है। प्रसव के बाद अस्पताल प्रशासन ने नाबालिग और उसके बच्चे को वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय भेज दिया। वहां पर जच्चा-बच्चा डॉक्टरों की निगरानी में है। राजधानी निवासी 17 वर्षीया एक नाबालिग लड़की को उसके परिजनों द्वारा बलरामपुर अस्पताल में बुधवार को पेट दर्द व दस्त की शिकायत पर भर्ती कराया गया था। आज 12.30 बजे नाबालिग लड़की ने बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के पश्चात जब अस्पताल प्रशासन ने पूछताछ की तो मां ने बताया कि मेरी छोटी बेटी बड़ी बेटी के घर आती-जाती थी। संभव है यह बच्चा वहीं का हो। लड़की की मां ने बताया कि वह कोई भी कानूनी कार्यवाही नहीं चाहती है। जिसके बाद अस्पताल प्रशासन ने दोनों को अवंतीबाई महिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। अस्पताल के निदेशक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पेटदर्द की शिकायत पर आई थी, प्रसव बाद अवंतीबाई जिला महिला चिकित्सालय भिजवा दिया गया।

## काकोरी कार्यक्रम स्थल पर एंबुलेंस, चिकित्सकों की टीम की व्यवस्था करने का निर्देश

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**● पेयजल के लिए टैंकर लगाने और स्थल पर फायर ब्रिगेड गाड़ी, विद्युत आपूर्ति, मोबाइल शौचालय की व्यवस्था के भी निर्देश दिए**

**मंडलायुक्त** द्वारा बाजनगर काकोरी में काकोरी स्मृति स्थल का भ्रमण का किया गया। मंडलायुक्त द्वारा कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेन्स व चिकित्सको की टीम की व्यवस्था और चिकित्सा कैम्प के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। वहीं, पेयजल के लिए टैंकर लगाने और स्थल पर फायर ब्रिगेड गाडी, विद्युत आपूर्ति, मोबाइल शौचालय की व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं।

गुरुवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बाजनगर काकोरी स्थित काकोरी स्मृति स्थल पर आगामी 9 अगस्त को काकोरी एक्शन की 100वी वर्षगांठ के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए स्थलीय भ्रमण कर सम्बन्धित अधिकारियों को सभी तैयारिया समय से पूर्व पूर्ण करने के लिये निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त द्वारा उक्त स्थल पहुँच कर सभी व्यवस्थाओ का जायज़ा लिया। उनके द्वारा हेलीपैड, मुख्य पंडाल, अभिलेख प्रदर्शनी, परिसर में लगी बड़ी स्क्रीन आदि का निरीक्षण किया सभी स्थलो पर युद्धस्तर पर कार्य होते हुए पाया गया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल की साफ सफाई व वर्षा ऋतु की तहत कार्यक्रम स्थल पर पंप लगाकर जल भराव वाले स्थान पर पानी निकासी कराते रहे। मंडलायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेन्स व चिकित्सको की टीम की व्यवस्था और चिकित्सा कैम्प के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। पेयजल के लिए टैंकर लगाने व कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड गाडी, विद्युत आपूर्ति, मोबाइल शौचालय की व्यवस्था समयानुसार सुनिश्चित कर लिया जाये।

## खामियों को भूले अफसर जानलेवा हादसों का जोखिम बढ़ा रही लापरवाही

**संवाददाता।** मोहनलालगंज

**राजस्व** वसूली बढ़ाने के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी में जुटे अफसरों को बुनियादी ढांचे की सुध लेने की फुरसत नही है। लिहाजा विद्युत कर्मियों की लापरवाही जानलेवा हादसों की संभावना बढ़ा रही है। लेकिन शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार सुधार कराने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

मोहनलालगंज ओल्ड सबस्टेशन से पोषित यूपीएएल सेकेंड फीडर की 11 केवी लाइन फुलवरिया बाईपास से गुजरती है। सीडीपीओ ऑफिस के निकट रोड किनारे लाइन में दो टूटे पोल लगा रखे गए हैं। ऐसे में टूटे पोल हवा के थपेड़े से कभी भी रोड पर गिरकर राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं। लेकिन जिम्मेदारों को इन टूटे पोल को दुरुस्त कराने की फुरसत नही है। वहीं मऊ गांव में भी पुराने सिनेमा हॉल के निकट 11 केवी लाइन में बेहद जर्जर पोल लगा हुआ है। जरा सी चूक रोड से आवागमन करने वाले लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती है। लेकिन शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार नींद में सोए हुए हैं। इतना ही नही ग्राम पंचायत कोडरा रायपुर के मजरे रघुनाथ खेड़ा में खेतों से गुजरी एलटी लाइन के तार काफी नीचे हैं। उसमें भी विद्युतकर्मियों ने ईंटे लटका रखीं हैं। जिससे किसान खेतों में उतरने से घबराते हैं। फसल कटाई के लिए कंपाइन मशीन नही जा पाती है। ट्रैक्टर से खेतों की जुताई के लिए भी किसानों को लाइन के आसपास का हिस्सा छोड़ना पड़ता है। जिसकी बाद में हाथों से गुड़ाई करनी पड़ती है। लेकिन विभाग के अधिकारी अब तक इस समस्या का निराकरण नही करा पाए हैं।

# नगर पंचायत की पहल पर जख्मी गोवंश को मिला इलाज, आश्रय केन्द्र में किया संरक्षित

**संवाददाता।** मोहनलालगंज

**नगर** पंचायत की पहल पर गुरुवार को जख्मी बेजुबान को गोवंश आश्रय केन्द्र में आसरा मिल गया। पशु चिकित्सक की सलाह लेकर नगर पंचायत की टीम ने नर गोवंश का उपचार भी कराया। यही नही गोवंश के नियमित उपचार के लिए पशु चिकित्सक को सूचना दी गई है।

मोहनलालगंज नगर पंचायत के मऊ गांव में पिछले कुछ दिन से जख्मी नर गोवंश छुट्टा घूम रहा था। बेजुबान गोवंश बुरी तरह जख्मी और उसके शरीर से लगातार खून का रिसाव हो रहा था। जिसके उपचार के लिए पशु प्रेमियों ने पशुपालन विभाग की हेल्पलाइन से लेकर अधिकारियों तक से मदद मांगी। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद जख्मी गोवंश को इलाज नही मिल सका। जिसे लेकर गुरुवार को पायनियर में प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत की टीम मऊ पहुंची। काफी मशक्कत के बाद टीम ने मऊ पुल के निकट से बेजुबान गोवंश को पकड़कर उसका उपचार कराया फिर कैटिल कैचर दस्ते ने उसे गौरा स्थित गोवंश आश्रय केन्द्र ले जाकर संरक्षित कर दिया। फिलहाल उसे दूसरे गोवंश से अलग सिक वार्ड में रखा गया है। नगर पंचायत की टीम के मुताबिक पशुचिकित्सक को जख्मी गोवंश के नियमित इलाज के लिए सूचना दी गई है। जख्मी गोवंश का हर मुमकिन उपचार कराने की भरसक कोशिश की जा रही है।

# कानून व्यवस्था सुधरी तो प्रदेश में निवेश ने फैलाए पंखः मुख्यमंत्री

**● सीएम योगी ने 300 बेड वाले सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर का किया उद्घाटन**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उत्तर** प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार द्वारा आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में हुए एमओयू अब धरातल पर उतरकर भविष्य की बेहतर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। यह हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर इसका उदाहरण है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इस 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल का बटन दबाकर लोकार्पण व शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पवित्र हृदय से किया गया कार्य है।

उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि यह गोमती नगर विस्तार के नागरिकों के लिए उपहार है। इस अवसर पर उन्होंने देश में पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों के साथ ही प्रदेश में निवेश, रोजगार और विकास की उन्नति पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में इन्वेस्टर समिट के दौरान ही



हॉस्पिटल को लेकर एमओयू हुआ था और 200 करोड़ रुपए की लागत से रिकॉर्ड समय में इसका निर्माण कर इसे जनता के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत हेल्थ केयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नियत समय सीमा में पूर्ण होने वाला यह पहला प्राइवेट प्रोजेक्ट है।

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती और इसमें भी सबसे ज्यादा युवा हैं। उन्हें विकास और रोजगार से जोड़ सकें इसके लिए सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसरों को हम चिन्हित करके उन्हें विकसित कर रहे हैं। 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया जिससे 6.5 लाख से ज्यादा युवाओं को हम नौकरी देने में सक्षम हुए। 2018 में इन्वेस्टर समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश के द्वार भी खुल गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले उत्तर प्रदेश को लेकर एक नकारात्मक स्थिति थी। नए निवेश आना तो दूर, जो निवेश यहां पहले से थे वह भी वाइंडअप करना चाहते थे। उत्तर प्रदेश में अपराध का बोलबाला था, न बेटी सुरक्षित थीं न व्यापारी। ऐसे में, हमने तब जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जिसे आज पूरा देश मॉडल के रूप में स्वीकार करता है। बेहतरीन कानून के राज के लिए यह कदम जरूरी थे और इसी के फलस्वरूप निवेश ने पंख फैलाने शुरू किए। उत्तर प्रदेश में बदले निवेश के परिदृश्य के बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब राज्य में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो मैंने इन्वेस्टर समिट कराने के लिए सुझाव मांगे, तब मुझे बताया गया कि हम 20 हजार करोड़ का निवेश लेकर आएंगे जो प्रदेश के विकास के लिए नाकाफी होता। इसके बाद हमने प्रयास प्रारंभ किए जो अब अपना सकारात्मक रंग दिखा रहे हैं। पहले इनवेस्टर समिट में 4 लाख करोड़ के निवेश से शुरू हुई यात्रा आगे चलकर 40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ये प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के हमारे लक्ष्य का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश के इन आंकड़ों को लोग फेक डाटा मानते थे, तो सूची जारी करके पब्लिक डोमेन में जारी किया। यह सफल मॉडल था। निवेश छोटा हो या बड़ा वह विकास का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को रोजगार से जोड़कर नया पंख देता है।

सीएम योगी ने कहा कि हॉस्पिटल सेवा का माध्यम होने के साथ ही आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम को बधाई दूंगा कि ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में जो इन्होंने एमओयू किया था वह आज साकार हो गया है।

## ब्रिटिश उच्चायुक्त ने सीएम योगी से की मुलाकात

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**ब्रिटिश** उच्चायुक्त, लिंडी कैमरून ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के बाद लिंडी कैमरून ने ब्रिटेन और भारत के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया।

इस अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि सीएम योगी के साथ उनकी उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा, व्यापार, इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य क्षेत्रों में अवसरों और भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सीएम योगी ने भी ब्रिटिश उच्चायुक्त के साथ हुई मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। सीएम योगी ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, कि आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर ब्रिटिश उच्चायुक्त, लिंडी कैमरून से शिष्टाचार मुलाकात की। सीएम योगी की पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने लिखा कि उत्तर प्रदेश की अपनी पहली यात्रा और किसी मुख्यमंत्री से पहली मुलाकात के दौरान आपके मूल्यवान विचार साझा करने और भारत व ब्रिटेन के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का धन्यवाद। उच्च शिक्षा के संबंध, व्यापार के अवसर, इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य क्षेत्रों में बहुत कुछ आगे ले जाना है। उल्लेखनीय है कि ऑक्सफोर्ड से स्नातक और यूके के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा केंद्र की पूर्व सीईओ लिंडी कैमरून को इसी वर्ष भारत में यूके की उच्चायुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। वह भारत में पहली महिला ब्रिटिश उच्चायुक्त भी हैं।

# जंगे आजादी में गोरक्षपीठ की रही है अहम भूमिका

**● विरासत में मिली राष्ट्रवाद की परंपरा को बखूबी निभा रहे योगी आदित्यनाथ**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**स्वतंत्रता** के लिए लड़ाई में भरपूर योगदान और स्वतंत्रता के मूल्यों का संरक्षण गोरक्षपीठ की विरासत का अभिन्न हिस्सा है। पीठ से विरासत में मिली इस परंपरा को वर्तमान पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में बखूबी निभाने के साथ और आगे बढ़ा रहे हैं। हर जिले में शहीदों के नाम पार्क, हर शहीद को सम्मान। शहीदों से जुड़े हर स्मारक का सुंदरीकरण आदि इसका प्रमाण है। इसी क्रम में योगी सरकार ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी वर्ष के लिए कार्यक्रमों की श्रृंखला तैयार की है। शताब्दी महोत्सव पर पूरे प्रदेश भर में अलग-अलग तिथियों पर कार्यक्रम होंगे। 9 अगस्त से इन आयोजनों की शुरुआत होगी। वहीं 13 से 15 अगस्त के बीच 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसमें घर-घर तिरंगा फहराया जाएगा। गोरखपुर स्थित नाथपंथ की इस पीठ के व्यापक सामाजिक सरोकार रहे हैं। यही वजह है कि करीब एक शताब्दी से देश की राजनीति और समाज का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रहा जिस पर अपने समय में पीठ की महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही हो। राम मंदिर आंदोलन में गोरक्षपीठ की भूमिका से हर कोई वाकिफ है। यह देश की राजनीति और समाज पर असर डालने वाला आजादी के बाद का सबसे बड़े आंदोलन था। रही देश की आजादी की लड़ाई की बात तो इसमें भी पीठ की इसी तरह महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेषकर इस पीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की। जिस दौरान जंगे आजादी चरम पर थी, उस समय योगी आदित्यनाथ के दादा गुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ही गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर थे। वह चित्तौड़ मेवाड़ ठिकाना ककरहवां में पैदा हुए थे। पर, 5 साल की उम्र में गोरखपुर आए तो यहीं के होकर रह गए। यकीनन देश भक्ति का जोश, जज्बा और जुनून उनको मेवाड़ की उसी माटी से विरासत में मिली थी जहां के महाराणा प्रताप ने अपने समय के सबसे ताकतवर मुगल सम्राट के आगे तमाम दुश्वारियों के बावजूद घुटने नहीं टेके।

## इंदिरानगर में हरियाली तीज मनाया गया

लखनऊ। इंदिरागनर में हरियाली तीज विश्वकर्मा सेवा समिति द्वारा मनायी गयी। कार्यक्रम में लोकगायीका भोजपुरी सिंगर मति किरण विश्वकर्मा के द्वारा गायन प्रस्तुति की गई। गुरुवार को विश्वकर्मा सेवा समिति इन्दिरानगर लखनऊ के महिला अध्यक्ष द्वारा हरियाली तीज को निजी रेगरेन्ट मुंशी पुलिया में मनाया गया। जिसमें किरण विश्वकर्मा अध्यक्ष ज्योति विश्वकर्मा उपाध्यक्ष कंचन शर्मा ग्रहामंत्री के देखरेख में सभी बहनों ने खूब साथ दिया। जिसमें रंजनी विश्वकर्मा, नीलम शर्मा, रेणु शर्मा, विनिता शर्मा, उर्मिला शर्मा, सुनिता शर्मा, सिमिता शर्मा, स्वेता विश्वकर्मा, रेखा शर्मा, सुनिता शर्मा, संगीता शर्मा, कृति शर्मा, सुमन शर्मा, उषा विश्वकर्मा सुधा शर्मा, डॉ श्वेता शर्मा, मीरा शर्मा, शिल्पी शर्मा, ने भाग लिया। सबसे पहले भगवान श्री विश्वकर्मा जी के पूजन, आरती हुई। रंजनी विश्वकर्मा, किरण विश्वकर्मा अध्यक्ष ज्योति विश्वकर्मा, कंचन शर्मा महामंत्री द्वारा दीप प्रज्वलित की गई सभी विश्वकर्मा परिवार की बहनो ने खूब साथ दिया। जज टीम में रंजनी विश्वकर्मा, ज्योति विश्वकर्मा थी। एंकरिंग स्वेता विश्वकर्मा ने बहुत अच्छे तरह से की जो कि बहुत ही काबिले तारिफ है। जिसमें लोकगायीका भोजपुरी सिंगर मति किरण विश्वकर्मा के द्वारा गायन प्रस्तुति की गई। जिसका गायन के बोल हरे रामा काली घेरा घनघोर विजूरिया छाई रे। हरे रामा पतली कमर लम्बी के चलत जैसे नागिन में हारे पे। भगवान श्री विश्वकर्मा के कृपा से बहुत अच्छा से हुआ। हरियाली तीज मनाया गया। ऐसे ही हर सावन में पूरी कोशिश रहेगी की आगे भी मनाया जायेगा। हरियाली तीज के क्वीन सिमिता शर्मा, द्वितीय कृति शर्मा, तृतीय संगीता शर्मा रहीं।

## तराई और अवध क्षेत्र के साथ ही दो तिहाई हिस्से में बारिश हुई

**लखनऊ।** लखनऊ सहित प्रदेश में अच्छी बारिश हुई। तराई और अवध क्षेत्र के साथ ही दो तिहाई हिस्से में बारिश हुई। प्रदेश के तीन चौथाई हिस्सों में कल के लिए गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई है। सक्रिय मानसून के बीच बृहस्पतिवार को प्रदेश के तराई और अवध क्षेत्र के साथ ही दो तिहाई हिस्से में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए दक्षिणी हिस्सों सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली आदि के साथ तराई इलाकों सिद्धार्थनगर, बहराइच, बलरामपुर व पश्चिमी यूपी के ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। वहीं प्रदेश के तीन चौथाई हिस्सों में कल के लिए गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी भी जारी की गई है।

# नगर निगम ने 10 करोड़ की सरकारी भूमि हुई कब्जा मुक्त

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**नगर** निगम ने शहर में अवैध कब्जेदारों पर कार्यवाही एवं सरकारी भूमियों व संपत्तियों को कब्ज़ा मुक्त कराने का अभियान चलाया गया। नगर निगम के संपत्ति अधिकारी तहसीलदार द्वारा मोहम्मदपूर गांव में 2048 वर्ग मीटर की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था, जिसें नगर निगम द्वारा कड़ी कार्रवाई कर कब्जा मुक्त कराया गया।



गुरुवार को नगर निगम ने मोहम्मदपुर गांव में सरकारी भूमि से कब्जा हटाया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर नगर निगम संपत्ति प्रभारी अरविंद पांडेय और नायब तहसीलदार संजय सिंह ने कार्रवाई की। .मोहम्मदपुर खत्री की गाटा संख्या.213 क्षेत्रफल 3.048 हे. राजस्व अभिलेखों में पशुचर दर्ज भूमि के 0.0248 हे (2048 वर्ग मीटर) से 25,000 वर्गफीट भूमि पर किये गये अवैध अतिक्रमण को जेसीबी से हटाया। नगर निगम के प्रवर्तन की कार्रवाई के दौरान कोई विरोध नहीं हुआ। प्रभारी अधिकारी की मानें तो अभी तक करोड़ो रुपयों की विभिन्न सरकारी संपत्ति, जो विगत लंबे समय से कब्जे में थीं।

# फैजाबाद बार एसोसिएशन को तीन दिन में टेक ओवर करे एल्डर्स कमेटीः हाईकोर्ट

**विधि संवाददाता।** लखनऊ

**हाईकोर्ट** की लखनऊ खंडपीठ ने फैजाबाद बार एसोसिएशन के महीनों से चल रहे विवाद अंत करते हुए एल्डर्स कमेटी का गठन कर दिया है। पीठ ने उसे तीन दिन में बार एसोसिएशन का कार्यभार टेक ओवर करने का आदेश दिया है। पीठ ने इसके साथ ही फैजाबाद बार एसोसिएशन द्वारा आए दिन हड़ताल का आह्वान करने पर भी सख्त रुख अपनाया है। आदेश दिया है कि न तो नव गठित एल्डर्स कमेटी और न ही चुनाव बाद निर्वाचित कार्यकारिणी वकीलों के हड़ताल का प्रस्ताव पारित करेगी। पीठ ने कहा है कि ऐसा करने पर सम्बंधित व्यक्ति के विरुद्ध



आपराधिक अवमानना का मामला चलाया जा सकता है। जस्टिस राजन रॉय एवं जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश दिनेश कुमार सिंह व अन्य तथा फैजाबाद बार एसोसिएशन की ओर से दाखिल दो अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। दरअसल पिछले वर्ष हाईकोर्ट के आदेश के बाद फैजाबाद बार एसोसिएशन का चुनाव काफी विलम्ब से छह नवंबर 2023 को सम्पन्न हो पाया था। चुनाव के पूर्व ही इस बात को स्पष्ट कर दिया गया था कि तत्कालीन कार्यकारिणी का कार्यकाल दिसम्बर 2023 तक ही होगा। हालांकि छह नवंबर 2023 को निर्वाचित कार्यकारिणी ने बाद में इससे असहमति जताई। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि यह जब पूर्व में ही स्पष्ट किया जा चुका था कि दिसंबर 2023 तक ही कार्यकारिणी का कार्यकाल होगा, ऐसे में दिसंबर के आगे अपने पास कार्यभार रोके रहने का कार्यकारिणी के पास कोई अधिकार नहीं है।

पीठ ने सुनवाई के दौरान यह भी पाया कि नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 के बीच 134 कार्य दिवस में से 66 कार्य दिवस पर फैजाबाद कचहरी में वकीलों की हड़ताल रही है। पीठ ने इसे निराशाजनक स्थित करार देते हुए हड़ताल के विरुद्ध अवमानना कार्यवाही की बात कही है।

# वाटर प्लांट में पुलिस का छापा फैक्ट्री संचालक से मांगा लाइसेंस

**मोहनलालगंज।** पूरनपुर गांव में बीना लाइसेंस के पानी की पैकेजिंग करने की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर वाटर प्लांट संचालित की परमिशन मांगी है। पुलिस ने पूरे मामले की सूचना एफएसडीए को दी है। जिनकी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले में कार्रवाई की तैयारी में है।



मोहनलालगंज के पूरनपुर गांव में कुछ माह से वाटर प्लांट लगाकर पानी की बोतलों की पैकेजिंग की जा रही है। लखनऊ में संचालित वाटर प्लांट के संचालकों ने गुरुवार को उनके लाइसेंस के नाम पर पूरनपुर में अवैध रूप से वाटर प्लांट संचालित किए जाने का आरोप लगाकर 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। एसएचओ आलोक राव की अगुवाई में पुलिस टीम ने पूरनपुर पहुंचकर जांच की तो 500 पेटी पानी की पैकिंग बरामद की। हालांकि प्लांट में मौजूद स्टाफ लाइसेंस नही दिखा सका। एसएचओ आलोक राव ने बताया प्रथमदृष्टया आरोप सही प्रतीत हो रहे हैं। पूरनपुर प्लांट के संचालक को लाइसेंस लेकर आने को कहा गया है। पूरे मामले की जानकारी खाद्य एवम औषधि प्रशासन को भी दी गई है। शुक्रवार को उनकी जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। एफएसडीए की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# पसंदीदा पर्यटन स्थलों के बारे में दीजिए अपनी रायः जयवीर सिंह

**● पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने 'देखो अपना देश पीपल्स चॉइस-2024' नाम से शुरू की राष्ट्रव्यापी पहल**

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**पर्यटन** एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 'देखो अपना देश पीपल्स चॉइस 2024' नामक राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की है। इसके तहत देश-प्रदेश के पर्यटन स्थलों के बारे में ऑनलाइन आप भी अपनी राय दे सकते हैं। सभी प्रतिभागी सर्टिफिकेट भी डाउनलोड कर सकेंगे। इसकी अंतिम तिथि 15 सितंबर 2024 निर्धारित की गई है।

मंत्री ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों (आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक कार्यकलाप व अन्य) में सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है, ताकि उन्हें विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके। जयवीर सिंह ने बताया कि 'पर्यटकों की पसंद जानने से मिशन मोड में विकास के लिए आकर्षण और गन्तव्य की पहचान करने में मदद मिलेगी। यह विकसित भारत-2047 की दिशा में भारत की स्वर्णिम यात्रा में योगदान देगी। इच्छुक प्रतिभागी अपने पसंदीदा टूरिस्ट आकर्षण के पांच निर्धारित श्रेणियों (आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विरासत, प्रकृति और वन्यजीव, साहसिक कार्यकलाप और अन्य) में राय दे सकते हैं, जो उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं। प्रतिभागियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे पांच श्रेणियों में से किसी एक से कम से कम एक आकर्षण का केन्द्र चुनें, जिसे वे पहले ही देख चुके हैं और कम से कम एक आकर्षण चुनें, जिसे वे भविष्य में देखना चाहते हैं।

# अमृत सरोवरों पर पूरे उत्साह व उमंग के साथ मनाया जाए स्वतंत्रता दिवस समारोहः केशव

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उप** मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण में मनाए जाने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस पर मनरेगा से बने अमृत सरोवर/तालाबों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाने के साथ राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। तिरंगा यात्रा, वृक्षारोपण, प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम भी आयोजित हों। 15 अगस्त से पहले एक सप्ताह का विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। प्रत्येक अमृत सरोवर पर सेल्फी प्वाइंट बनाने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में, ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी द्वारा समस्त मुख्य विकास

**● 15 अगस्त से पहले एक सप्ताह का चलाया जाएगा सफाई अभियान**

अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके इस हेतु विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों/ कर्मचारियों को समय से तैयारी करने और कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। 15 अगस्त से पूर्व एक सप्ताह का स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई कराने व ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजना के अंतर्गत निर्मित और विकसित किये गये सभी अमृत सरोवर स्थलों और तालाबों पर स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम कराने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कार्यक्रम में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इस हेतु भी सुबह ग्राम समुदाय द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो पूरे गांव में भ्रमण करते हुए अमृत सरोवर व तालाबों पर समाप्त होगी। वहां पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले जनमानस को स्वच्छता शपथ भी दिलाई जाएगी।

अमत सरोवर से जुड़ उपयोगकर्ता समूह को अमृत सरोवर के पानी के उपयोग के साथ-साथ आसपास के रख-रखाव हेतु अधिकार प्रमाण पत्र का वितरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों की सहभागिता भी सुनिश्चित हो सके अमृत सरोवरों पर इस हेतु प्रतिस्पर्धी गतिविधियां जैसे-पेंटिंग, नारा लेखन, रंगोली, भाषण आदि का आयोजन कराने के भी निर्देश दिये गये हैं। वहीं कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक ग्रामीण खेलों का भी आयोजन कराने के निर्देश निर्गत किये गये हैं।

# आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित किए जा रहे परिवहन निगम के 23 स्टेशन

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उत्तर** प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा 23 प्रमुख बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित कराये जाने की कार्रवाई चल रही है। इनमें से 11 बस स्टेशनों के लिए चयनित विकासकर्ता फर्म के साथ कंसेशन अनुबंध निष्पादित किए जा चुके हैं। शेष 12 बस स्टेशनों के लिए मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के बाद कंसेशन अनुबंध हस्ताक्षरित किए जायेंगे।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने गाजियाबाद, आगरा, प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ, अलीगढ़, गोरखपुर, अयोध्याधाम, बुलंदशहर, बरेली, रायबरेली, मिर्जापुर, वाराणसी, कानपुर, मथुरा एवं हापुड़ के जिलाधिकारियों को पीपीपी मॉडल पर बनने वाले 23 बस स्टेशनों को विकसित कराये जाने के लिए निर्माण अवधि में बसों के संचालन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए हैं। जिससे आम जनमानस को आवश्यक परिवहन सेवाओं का लाभ सतत रूप से प्रदान किया जा सके। परिवहन मंत्री ने बताया कि पीपीपी मॉडल पर निर्मित होने वाले इन बस स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधा, रिटेल आउटलेट्स, मल्टीप्लेक्स इत्यादि की सुविधाएं उपलब्ध होगी, जिससे लोगों को बस स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस टर्मिनल के रूप में विकसित किए जाने की परियोजना मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना का अंग है।

उप्र परिवहन विभाग के जिन 23 बस स्टेशनों को प्रथम चरण में पीपीपी पद्धति पर विकसित किये जा रहे हैं। इसमें जनपद गाजियाबाद के कौशाम्बी (गाजियाबाद), गाजियाबाद एवं साहिबाबाद है।

# अब आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क युक्त होगा यूपी

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**● प्रदेश के विभिन्न शहरों में सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क की स्थापना करेगी प्रदेश सरकार**

**उत्तर** प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश को सौर ऊर्जा से रोशन करने के साथ ही अब शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का भी माध्यम भी बना रही है। प्रदेश के विभिन्न सोलर सिटीज में अलग-अलग योजनाओं के जरिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही योगी सरकार अब सोलर एनर्जी बेस्ड एक और इनोवेशन को बढ़ावा देने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क की स्थापना करने की तैयारी की जा रही है। इस क्रम में, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने प्रक्रिया की शुरुआत करते हुए 3.99 करोड़ रुपए की लागत से 20 कियोस्क्स की स्थापना करने जा रही है। सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क दरअसल एक स्मार्ट जल शोधन और वितरण प्रणाली है जिसे दूरदराज के क्षेत्रों में जल शोधन के लिए पहुंच और उपयोग में आसानी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सौर ऊर्जा द्वारा संचालित है, जो एक बार पूरी तरह से चार्ज होने पर डिवाइस को घंटों तक चला सकता है।

सीएम के विजन अनुसार, जिन सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क्स की स्थापना होनी है वह कई मायनों में विशिष्ट है। परियोजना के अंतर्गत जिन कियोस्क की स्थापना होनी है वह वॉटर ट्रीटमेंट के लिए रिजर्व ऑस्मॉसिस प्वॉइंट तकनीक पर काम करेगा। प्रत्येक सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क सीजनल रिक्वायरमेंट के हिसाब से 10 डिग्री से 30 डिग्री के बीच शुद्ध जल उपलब्ध कराएगा। कियोस्क का वॉटर फिल्टरेशन लेवल बीआईएस 16240 के मानकों के अनुरूप होगा। इसकी वॉटर स्टोरेज कैपेसिटी 5000 लीटर तथा ट्रीटेड वॉटर कैपेसिटी 1000 लीटर की होगी। कियोस्क से प्रति घंटे 250 लीटर प्रति घंटे शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा जबकि कियोस्क की वॉटर डिस्पेंसिंग स्पीड 10 से 12 लीटर प्रति मिनट होगी। इसे इस प्रकार से विकसित किया जा रहा है कि कम से कम प्रतिदिन 2000 लीटर शुद्ध जल की आपूर्ति हो सकेगी। इन कियोस्क्स को 5 वर्षों की कार्यावधि के लिए स्थापित किया जाएगा और इसके लिए यूपीनेडा ने एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सभी कियोस्क को रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा जिसके जरिए की जा रही जलापूर्ति के विभिन्न मानकों जैसे कि पीएच स्केल, बेसिसिटी, एल्केलिनिटी और मिनरल तत्व शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसे डाटाबेस से भी जोड़ा जाएगा जिसके जरिए प्रत्येक कियोस्क की दैनिक कार्य प्रणाली पर नजर रखी जाएगी।

# वन मंत्री से ब्रिटिश हाईकमिश्नर लिंडी कैमरून ने की मुलाकात

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**पर्यावरण,** वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरूण कुमार सक्सेना से बृहस्पतिवार को लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर भारत में ब्रिटिश हाईकमिश्नर सुश्री लिंडी कैमरून ने शिष्टाचार भेंट की।




इस औपचारिक मुलाकात के दौरान ब्रिटेन एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्यम वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के बिन्दुओं पर आपसी सहयोग प्रदान करने पर चर्चा हुई और विकास का कामन एजेंडा तय करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान उन्होंने ब्रिटेन में हो रहे हाईटेक नर्सरी ट्रांसलाकेट ट्री तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही पेड़ों को काटने से बचाने के लिए ट्री-ट्रांसलोकेशन की उन्नत तकनीकी को प्रदेश में भी प्रयोग में लाये जाने का सुझाव दिया। इस अवसर पर वन मंत्री ने उच्चायुक्त से एक पेड़ मां के नाम अभियान तक एक वृक्ष लगाने का अनुरोध किया गया है, जिसको उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए पौधरोपण किया। लिंडी कैमरून ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक पेड़ मॉं के नाम चलाये जा रहे अभियान की सरहाना की। वन मंत्री ने प्रदेश में चल रहे वृक्षारोपण महाअभियान-2024 के तहत एक दिन में 36.50 करोड़ से अअकि पौधरोपण की सफलता बारे में उच्चायुक्त को अवगत कराया, जिसकी उन्होंने वृहद सराहना किया।

# पूर्वांचल की खेतीबाड़ी के कायाकल्प की तैयारी

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**● कुशीनगर का कृषि विवि गोरखपुर का पशु चिकित्सा महाविद्यालय और बनारस का चावल अनुसंधान केंद्र बनेगा मददगार**

**आबादी** के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य का पूर्वांचल। यह पूरा इलाका इंडो गंगेटिक बेल्ट में आता है। इस बेल्ट की जमीन विश्व की सबसे उर्वर भूमि में शुमार होती है। गंगा, यमुना, सरयू, राप्ती, गंडक जैसी नदियों में साल भर पानी रहता है। जमीन की चंद फीट की गहराई पर पानी भी उपलब्ध है। पूरे इलाके में नहरों का संजाल है। अकेले सरयू नहर ही पूर्वांचल के करीब दर्जन भर जिलों की 14 लाख हेक्टेयर भूमि को अपनी सिंचन क्षमता से आच्छादित कर रही है। खेती के लिए उर्वर जमीन, पर्याप्त पानी के साथ तीसरी सबसे बड़ी जरूरत है श्रमिकों की। चूंकि पूर्वांचल देश का सबसे सघन आबादी वाला इलाका है, इसलिए यहां मानव संसाधन की भी कमी नहीं। यह आबादी खेती के लिए संसाधन होने के साथ उपभोक्ता के रूप में बड़ा बाजार भी है। ऐसे में यहां खेतीबाड़ी के क्षेत्र में हमेशा संभावना रही है। अंग्रेज इस बात को जानते थे। इसलिए उन्होंने यहां गन्ने की खेती को प्रोत्साहन दिया। हर चंद किलोमीटर पर चीनी की इतनी मिलें लगाईं कि यह क्षेत्र उस समय देश के लिए ही नहीं दुनियां भर के लिए चीनी का कटोरा बन गया। पर, आजाद भारत में पूर्वांचल की इस कदर उपेक्षा हुई कि यहां की बदहाली जब संसद में गाजीपुर के सांसद विश्वनाथ गहमरी की जुबानी गूंजी तो सबकी आंखें नम हो गईं। पर हुआ कुछ खास नहीं। राजनीतिक वजहों से पूर्वांचल हरदम से उपेक्षित रहा। सात साल में योगी सरकार के प्रयासों से कृषि बहुल पूर्वांचल की खेतीबाड़ी का कायाकल्प हो गया। दो दशक से बंद गोरखपुर का खाद कारखाना पहले की अधिक क्षमता से चालू हो गया। इसलिए अब यहां फसली सीजन में खाद के लिए मारामारी नहीं रहती। करीब पांच दशक से बजट के अभाव में लाखों-करोड़ों किसानों के हित वाली बेहद महत्वाकांक्षी सरयू नहर परियोजना को तबकी सरकारों ने पूरा नहीं किया।

2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर युद्ध स्तर पर काम कर इसे पूरा किया गया। 14 लाख हेक्टयर की सिंचन क्षमता वाली यह नहर पूर्वांचल के करीब दर्जन भर किसानों की खेतीबाड़ी के लिए संजीवनी बन गई। संयोग से ये वही जिले हैं जिनके लिए सिद्धार्थनगर के एक जिला एक एक उत्पाद कालानमक धान को जीआई (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) मिला है। खेतीबाड़ी के कायाकल्प की दिशा में कई नए आयामों पर भी काम हुआ है।

# महापर्व के रुप में मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

## भाजपा नें 11 से 15 अगस्त तक के कार्यक्रम किए गए निर्धारित

**सोनभद्र।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुआ। कार्यशाला मे बतौर मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे। कार्यशाला कि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार मौर्या ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में मनाने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, क्रांतिकारियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण होंगे और जिले के सभी घरों में तिरंगा फहराया जाएगा। घरों में तिरंगा पहुंचाने की तैयारी की गयी है। हर घर हर व्यक्ति को तिरंगा उपलब्ध हो इसके लिए भी व्यवस्था करायी गई है। हर बूथ और मंडल पर तिरंगा भाजपा कार्यकर्ता पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के साथ शहीद स्मारकों पर पुष्पांजलि और विभाजन विभीषिका के कार्यक्रम होंगे। सभी विधानसभा क्षेत्र मे युवा मोर्चा द्वारा 11,12 और 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी।12,13,14 अगस्त को शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि और पुष्पांजलि कार्यक्रम होंगे। 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका के रुप मे मनाया जायेगा। 14 अगस्त को युवाओं को विभाजन की विभाषिका को याद दिलाने के लिए प्रदर्शनी कार्यक्रम होंगे। इसमे सेल्फी विथ तिरंगा कार्यक्रम भी सोशल मीडिया पर चलाया जायेगा। कार्यशाला कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि आने वाले स्वतंत्रता दिवस को महापर्व के रुप मे मनाने के लिए केन्द्रिय व प्रदेश नेतृत्व द्वारा लगातार 11 से 15 अगस्त तक कार्यक्रम निर्धारित किये गये है। जिसके अंतर्गत हर घर तिरंगा लगाने के लिए जिले मे लगभग 70 हजार झण्डा वितरण का लक्ष्य है। इस मौके पर पूर्व सांसद रामशकल पूर्व विधायक तिरथराज पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी अशोक मिश्रा अजीत चौबे उदयनाथ मौर्या अनिल सिंह गौतम,कृष्णमुरारी गुप्ता रामसुन्दर निषाद विशाल पाण्डेय सहित सभी मण्डल अध्यक्ष प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक मौजूद रहे।

## प्रत्येक विधानसभा में युवा मोर्चा के नेतृत्व में निकलेगी तिरंगा यात्रा

**गाजीपुर।** भारतीय जनता पार्टी सिर्फ नेतृत्व द्वारा हर घर तिरंगा अभियान में आयोजित कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता देशवासियों के साथ मिलकर विगत कई वर्षों से हर्ष उल्लास के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के संकल्प की प्रतिबद्धता के साथ स्वतंत्रता दिवस अवसर पर हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजित करते चले आ रहे हैं।यह बात भारतीय जनता पार्टी उ प्र के वरिष्ठ नेता जिला प्रभारी राकेश त्रिवेदी ने श्री बजरंग शिक्षण संस्थानए बकुलियापुर में पत्रकारों संग बात चीत में कही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम के 112 वें संस्करण में कहा भी कि 15 अगस्त को एक और अभियान जुड़ गया है हर घर तिरंगा अभियान। जिला प्रभारी ने बताया कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि 11ए12ए13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में निकाला जाएगा जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता स्थानीय नागरिकों के साथ मोटरसाइकिल से हाथों में तिरंगा लेकर निकलेंगे। और 12.14 अगस्त को महापुरुषों की प्रतिमा एवं स्मारकों के आसपास स्वच्छता का कार्यक्रम चलाया जाएगा तथा अमर बलिदानियों व महापुरुषों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व उनको स्मरण कर कृतज्ञाए नमन किया जाएगा। तथा 13 14 15 अगस्त तक प्रत्येक कार्यकर्ता जन जन से संपर्क करके प्रत्येक घरों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर हर घर तिरंगा फहराने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। पार्टी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका के स्मृति दिवस अवसर पर विचार गोष्ठीएमौन जुलूस के साथ विभाजन की विभिषिका से सम्बधित प्रदर्शनी भी लगाएगी तथा विभाजन के काले अध्याय को याद करते हुए लाखों की संख्या में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।।

## याद किए गए रवीन्द्र नाथ तिवारी

**अंबेडकर नगर।**कटेहरी के विकास पुरुष एवं समाजवादीए चिंतक विचारक व समाजवादी आंदोलन से जुड़े नेता पूर्व मंत्री स्व0रवीन्द्र नाथ तिवारी की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके ग्राम भारीडीहा में रवीन्द्र नाथ तिवारी स्मारक इण्टर कॉलेज में एक संगोष्ठी व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन व निशुल्क स्वास्थ्य एवं दन्त चिकित्सा शिविर लगाया गया। कार्यक्रम का उदघाटन अयोध्या प्रभारी एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी ने किया ।उक्त अवसर पर डॉ मिथिलेश त्रिपाठी ने स्व0 तिवारी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि. संसदीय ज्ञान के धनी समाजवादी नेता रवीन्द्र नाथ तिवारी 8 अगस्त 1993 में हम लोगो को अलविदा कह गए थे। राजनीति में तब से लेकर अब तक उनके जैसे विचारों की दृढ़ताएनिर्भीकताएस्पष्टता एएवं संघर्षशीलता दुर्लभ बनी हुई है। उनके जैसा एकला चलने का साहस भी किसी नेता में नहीं दिखता। भ्रष्टाचार व कदाचार के विरूद्ध उनके जैसा इंगित करो आन्दोलन भी अब कोई नही चलाता। इसके उलट लोकतंत्रए संविधान एधर्मनिरपेक्षता और समाजवाद पर गंभीर संकट के काले बादल दिखायी देते हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मराज निषाद ने स्व0 तिवारी के राजनीतिक जीवन व संघर्षों को याद करते हुए बताया कि .अविभाजित फैज़ाबाद अब ;अयोध्याद्ध जिले के भारीडीहा गाँव मे 6 मार्चए1934 को जन्मे तिवारी ने अपने इन्ही विचारों और गुणों के बूते छात्र राजनीति से लेकर विधानसभा सदस्यता एवं कैबिनेट मंत्री पद तक का राजनीतिक सफर तय किया।कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रमाशंकर सिंह एवं जमुना चतुर्वेदी ने कहा कि स्व0 तिवारी जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व हमें आज भी समाजवादी समाज के निर्माण तथा अन्याय के खिलाफ निडरता से लड़ने की प्रेरणा देता है।

# जीएम एनसीआर ने किया परिचालन नियंत्रण केंद्र डीएफसी का निरीक्षण

## महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी ने महाकुंभ को लेकर लिया जायजा

**प्रयागराज।** महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी ने गुरुवार को परिचालन नियंत्रण केन्द्र प्रयागराज का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के रूप में कार्यभार संभालने के बाद डीएफसीसीआईएल में यह उनका पहला निरीक्षण था। यह निरीक्षण आगामी कुंभ मेला 2025 के आयोजन उसकी तैयारी की जांच तथा भारतीय रेलवे में चलने वाली सभी मालगाड़ियों को ईडीएफसी में स्थानांतरित करने के मॉडल के अनुरूप किया गया। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने सभी नियंत्रण अधिकारियों के साथ बातचीत की। ओसीसी में उपयोग में लाई जा रही सभी तकनीकी जानकारियों की समीक्षा की तथा सभी की सराहना की। महाप्रबंधक मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम और हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर मशीन के उपयोग और उसके परिणामों से प्रभावित और संतुष्ट थे। इस मौके पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी ने ईडीएफसी में किए जा रहे ट्रेन संचालन की सराहना की। महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों को सलाह दी है कि वे ट्रेन संचालन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए सभी साथ लगे हुए जोनों जैसे कि पूर्व मध्य रेलवे उत्तर मध्य रेलवे उत्तरी रेलवे के साथ समन्वय करें। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने मालगाड़ियों की क्षमता और गति बढ़ाने की सलाह दी और रेलवे के एक्सप्रेसवे के रूप में ईडीएफसी के उपयोग के लिए नए स्टॉक और विशिष्ट प्रकार का स्टॉक रेक जिनकी गति अधिकतम हो पर काम करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने सलाह दी कि उत्तर रेलवे उत्तर मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे से आने वाली ट्रेनों की संख्या में वृद्धि के साथ ईडीएफसी में बचे हुए लंबे लूप का कार्य पुरे कर लेने चाहिए। महाप्रभंधक उत्तर मध्य रेलवे ने सुझाव दिया कि इंटरचेंज डिटेंशन से बचने के लिए सिंगल लाइन कनेक्शन के डबल लाइन पर अब पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित विश्वनाथपुरी चुनार तथा डगमगपुर लिंक लाइन की परियोजनाओं के सम्बंधित सभी कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने भीमसेन क्षेत्र के घाटमपुर पावर हाउस और टीएचडीसी खुर्जा पावर प्लांट का रेलवे डीएफसीसीआईएल के साथ इसके कनेक्शन को अंतिम रूप देने की सलाह दी है। महाप्रबंधक ने नए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन नए कानपुर जंक्शन और नए खुर्जा में बनाए जा रहे वातानुकूलित रनिंग रूम की प्रगति की जांच और विश्लेषण किया तथा काम में तेजी लाने को कहा। आने वाले समय में लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर इन रनिंग रूम में विश्राम कर सकेंगे और बेहतरीन सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। निरीक्षण में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय और डीएफसीसीआईएल के अधिकारी के अलावा शरत चंद्रायन प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे डी के वर्मा मुख्य माल परिवहन प्रबंधक रजत पुरवार डीजीएम ए बी सरन मुख्य महाप्रबंधक प्रयागराज पूर्व देवेंद्र सिंह मुख्य महाप्रबंधक प्रयागराज पश्चिम आशीष मिश्रा महाप्रबंधक सुरक्षा शशिकांत द्विवेदी महाप्रबंधक विद्युत मन्नू प्रकाश दुबे अपर महाप्रबंधक संचालन और व्यवसाय विकास ईडीएफसी और अन्य डीएफसी अधिकारी मौजूद रहे।

## कोरोना में पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान सहायक अध्यापक की मौत

### विधवा याची को एक माह में 30 लाख रूपए मुआवजा देने का निर्देश

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान याची के पति सहायक अध्यापक नीरज कुमार की कोविड से मौत मामले में जिलाधिकारी मथुरा को एक माह में तीस लाख की मुआवजा राशि याची के बैक खाते में जमा करने का निर्देश दिया है और कहा है कि यदि तय समय में राशि जमा नहीं किया गया तो वास्तविक भुगतान होने तक आठ फीसदी ब्याज देना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति एस डी सिंह तथा न्यायमूर्ति डोनादी रमेश की खंडपीठ ने मीना कुमारी की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता असीम कुमार राय ने बहस की।इनका कहना था कि 15 मई 24 के आदेश से जिलाधिकारी ने याची को पति की ड्यूटी के दौरान कोरोना से हुई मौत पर 30 लाख रूपए मुआवजा पाने का हकदार ठहराया। किंतु इसका भुगतान आज तक नहीं किया गया है। याची के पति प्राथमिक विद्यालय हथियावली मथुरा में सहायक अध्यापक थे। जिला बेसिक अधिकारी ने याची के पति को 15 अप्रैल 21 को चुनाव ड्यूटी के प्रशिक्षण के लिए भेजा। वह कोविड से पीड़ित हो गये। अस्पताल में भर्ती हुए किंतु उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। शासनादेश जारी किया गया कि चुनाव ड्यूटी के दौरान कोविड से मौत पर 30 लाख मुआवजा मिलेगा। जिसका पालन नहीं किया गया तो हाईकोर्ट की शरण ली थी।

## कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया चुनाव

**प्रयागराज।** देश में स्वास्थ्य सेवा उद्योग में एक सौ इकतीस वर्षों से अधिक समय से अग्रसर उद्देश्य संचालित नवोन्मेषी उत्पाद कंपनी अमृतांजन हेल्थकेयर को सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर ब्रांड पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अमृतांजन हेल्थकेयर को सातवें ईटी नाउ बेस्ट हेल्थकेयर ब्रांड्स समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया है। पूरे भारत में एक हजार से अधिक हेल्थकेयर ब्रांडों की विस्तृत जांच करके एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से यह चुनाव किया गया है। जिससे अमृतांजन हेल्थकेयर को मिला यह सम्मान और भी अधिक महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित हो गया है। अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एस शंभू प्रसाद और अमृतांजन हेल्थकेयर लिमिटेड के चीफमार्केटिंग ऑफिसर मणि भगवतीश्वरन ने कहा उत्कृष्टता और अद्वितीय स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने के लिए हमारे समर्पित प्रयास और ग्राहकों के जीवन में सुधार ला सकें ऐसे अतुलनीय स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद लाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को इस पुरस्कार ने रेखांकित किया है।

## स्तनपान बच्चों के लिए एक अमूल्य उपहार-डा. सत्य प्रकाश

**सोनभद्र।** हिण्डालको रेनूसागर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित आर्दश परिवार कल्याण केन्द्र में विश्व स्तनपान दिवस स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी अनिल झा ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को बच्चों के स्वास्थ्य स्वच्छता व टीकाकरण के प्रति जागरूक करना है। सबसे पहले सभी बच्चो का परिक्षण स्वास्थ्य बजन लम्बाई टीकाकरण व स्वच्छता की जॉच की गयी। यह कार्यक्रम एक वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित किया गया है। डा0 सत्य प्रकाश द्वारा माताओं को स्तनपान के महत्व के बारे मे बताया गया स्तनपान बच्चों के लिए एक प्राकृतिक अमूल्य उपहार है प्रसव के बाद निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध बच्चों के लिए अमृत के समान है वही दूसरी ओर माता को कई बीमारियों से भी बचाता है साथ ही बच्चो के शारीरिक व मानसिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गयी। माताओं को कहा कि बच्चों के बीमार होने पर तुरन्त डाक्टर से संपर्क करे। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन व आयोजन ग्रामीण विकास विभाग के सहायक प्रबन्धक संजीव कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 16 बच्चों ने भाग लिया। पुरष्कार पा कर माताओं के चेहरे पर हर्ष था तथा ग्रामीणों ने भी इस कार्यक्रम की सरहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुनीता शर्मा मुन्ना अलेक्जेंडर अजय यादव देव मुरार व ललिता देवी का सहयोग सरहनीय रहा।

## राजवेंद्र सिंह की दफन लाश यमुना नदी के पानी में डूबी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संदिग्ध स्थितियों में मृत राजवेंद्र सिंह का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग में दाखिल याचिका पर सरकारी अधिवक्ता के दोबारा पोस्टमार्टम संभव न होने के कथन के बाद सीएमओ सहित तीन डाक्टरों की टीम को रिपोर्ट का परीक्षण करने का निर्देश दिया है। क्योंकि हत्या मामले की विवेचना एयरपोर्ट थाने से हटाकर धूमनगंज पुलिस थाने को सौंप दी गई है। इसलिए विवेचना स्थानांतरित करने की मांग पर याची अधिवक्ता अविंद कुमार मिश्र ने बल नहीं दिया। दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर सरकारी वकील ने कहा जहां लाश? दफ्न है वह स्थान पर यमुना नदी का पानी आ चुका है। दोबारा पोस्टमार्टम संभव? नही है। इस पर डाक्टरों की टीम द्वारा पहले हुए पोस्टमार्टम का परीक्षण करने का आदेश दिया गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने प्रयागराज के नरपत सिंह की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अरविंद कुमार मिश्र ने बहस की। याची का कहना है कि 31 मई 24 को 8 बजे रात चंद्रसेनपुर निवासी फूलसिंह की पत्नी प्रतिमा सिंह ने याची के बेटे राजवेंद्र सिंह को घर पर बुलाया और वह उसी के घर में मृत पाया गया। जिसकी एफआईआर एयरपोर्ट थाने में दर्ज की गई।याची का कहना है कि विपक्षी सत्ता पार्टी के नेता के दबाव में नियमानुसार पोस्टमार्टम नहीं किया गया। याचिका में फिर से पोस्टमार्टम कराने और वीडियोग्राफी कराने की मांग की गई थी। कोर्ट ने याचिका निर्देश के साथ निस्तारित कर दी है।

## स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया

**अंबेडकर नगर ।** जिलाधिकारी अविनाश सिंह व पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने अपर पुलिस अधीक्षकएनोडल पुलिस भर्ती अंबेडकर नगर श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव के साथ जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रो पर आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा को शासन की मंशानुरूप सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट परिसर में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आगामी पुलिस भर्ती परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी डॉक्टर सदानंद गुप्ताए अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्री श्यामदेव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला सम्पन्न

**मिर्जापुर।** अगस्त माह में चलाये जा रहे संचारी रोग अभियान के तहत विभिन्न बीमारियों से बचाव व फाइलेरिया को लेकर जागरूकता के लिए एक दिवसीय मीडिया कार्यशाला गुरूवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय स्थित विवेकानन्द सभागार में आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने गुरूवार को मोर्चाघर कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यशाला में बताया कि फाइलेरिया नियन्त्रण अभियान को जिले में 10 अगस्त से 02 सितम्बर तक चलाया जायेगा। इसके लिए विभाग की ओर से सारी तैयारियों को पूर्ण कर लिंया गया है। इसके लिए विभाग की ओर से दवा वितरण 1870 टीमों का गठन किया गया है। हर टीम में पांच लोगों को रखा गया है। इसके अलावा 370 सुपरवाइजर को भी इस अभियान में लगाया गया है। फाइलेरिया अभियान के तहत एल्बेण्डाजोल उम्र के आधार पर एवं आइवरामेक्टिन लम्बाई के आधार पर खिलाने का कार्य किया जायेगा। इन दवाओं का सेवन खाली पेट नहीं करना है। दवा खाने का काम विभाग की ओर से गठित टीम के सामने ही किया जायेगा। दवा खाने के बाद होने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए विभाग ने 14 रैपिड रिस्पान्स टीम को भी गठित किया है हर टीम में डाक्टर को लेकर तीन सदस्य को रखा गया है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी व नोडल अधिकारी डॉक्टर मुकेश यादव ने बताया कि दवा खाने के बाद जिन व्यक्तियों में माइक्रोफाइलेरिया के अंश होगे उनको कभीण्कभी सर दर्दए बदन दर्दए बुखारए उल्टी एवं खजुली जैसी मामूली परेशानी को उठानी पड़ सकती है । इस प्रकार की परेशानी कुछ दिनों बाद स्वत: ही समाप्त हो जायेगी। यदि किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की परेशानी ज्यादा होती है तो वह अपने नजदीकी केन्द्र पर उपस्थित डाक्टरों से सम्पर्क कर सकता है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर सजय द्विवेदी ने बताया कि फाइलेरिया रोग क्यूलेक्स मच्छर के काटने से किसी भी उम्र का व्यक्ति इस रोग से ग्रसित हो सकता है। फाइलेरिया की दवा खाने से पेट के कीड़ों को भी खत्म किया जा सकता है अथवा खजुली एवं जूं के खात्मे में मददगार साबित होती है।

## उत्साह के साथ मनाया गया हरियाली तीज पर्व

**प्रयागराज।** हरियाली तीज एक उत्साह से भरा पवित्र हिंदू त्यौहार है। जो मुख्य रूप से भारत के उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है। यह श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है जब पूरी प्रकृति हरियाली से ढक जाती है। जी टीवी के कलाकारों ने भी इस पर्व को मनाया। इस अवसर पर महिलाओं के दिल मोर की तरह नाचने लगते हैं। इस मौके पर बहुत से रीति रिवाजों का पालन किया जाता और उपवास और हथोल्लास के साथ भगवान शिव और देवी पार्वती के दिव्य मिलन की स्तुति की जाती है। महिलाएं सुंदर परिधान पहनती हैं और पारंपरिक गीत गाती हैं नृत्य करती हैं और खास पकवान बनाती हैं। यह त्यौहार न केवल वैवाहिक आनंद और भक्ति का जश्न मनाता है बल्कि समुदाय और सांस्कृतिक विरासत की भावना को भी बढ़ावा देता है। इसके अलावा सावन के झूलों को फूलों से सजाया जाता है और पेड़ों पर बांधा जाता है जिससे एक मनमोहक और उत्सवी माहौल बन जाता है। यह उत्सव परिवारों और दोस्तों को एक साथ लाता है और रिश्तों एवं परंपराओं को मजबूत करता है। हरियाली तीज प्रकृति की सुंदरता और भारतीय संस्कृति की समृद्धि की एक सुंदर याद के रूप में कार्य करती है।

# एनटीपीसी रिहंद छह सौ बालिकाओं को कर चुका है प्रशिक्षित-पंकज मेदीरत्ता

## छात्राओं, अभिभावकों और मीडिया प्रतिनिधियों सें परियोजना प्रमुख नें किया संवाद

**बीजपुर/सोनभद्र।** एनटीपीसी लिमिटेड, अपनें नैगम सामाजिक दायित्व के तहत बालिका सशक्तिकरण अभियान हर वर्ष गर्मी की छुट्टियों के दौरान एक महीने की कार्यशाला के माध्यम से करता है, जो 10-12 वर्ष की बालिकाओं को उनके सर्वांगीण उत्थान और विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल के साथ मेल खाता है और बालिकाओं की कल्पनाओं को पोषित करके उन्हें अवसरों का पता लगाने की क्षमता प्रदान करके जेंडर इनेक्युलिटी से निपटने का लक्ष्य रखता है। वर्ष 2018 में शुरू हुए जेम में एनटीपीसी रिहंद द्वारा अब तक 600 बालिकाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से 50 उत्कृष्ट बालिकाओं को एनटीपीसी रिहंद के नगर परिसर में स्थित डीएवी स्कूल में अध्ययन हेतु प्रवेश दिलाया गया है, जिसका सम्पूर्ण व्यय नैगम सामाजिक दायित्व विभाग द्वारा किया जा रहा है। जेम 2024 में एनटीपीसी अपनी कुल 42 चिन्हित परियोजनाओं के आस पास के गाँवों के वंचित वर्गों के लगभग 3,000 मेधावी बच्चों को प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही देशभर में जेम मिशन से लाभान्वित होने वाले बच्चों की कुल संख्या 10,000 से अधिक हो गई। बालिका सशक्तिकरण पहल के तहत एनटीपीसी रिहंद ने ग्रीष्मकालीन कार्यशाला2024 के चयनित दस प्रतिभाशाली बालिकाओं को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान किया जाएगा। कार्यशाला में शामिल 120 प्रतिभागियों में से इन 10 मेधावी बालिकाओं को एनटीपीसी रिहंद के आवासीय परिसर में स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में प्रवेश दिलाया जाएगा। परिसर के शिवालिक अतिथि गृह में मीडिया प्रतिनिधियों एवं चयनित छात्राओं के अभिभावकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य महाप्रबंधक, परियोजना प्रमुख रिहंद पंकज मेदीरत्ता ने मेधावी बालिकाओं और उनके अभिभावकों से बातचीत की। छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए श्री मेदीरत्ता ने कहाकि अपने अंदर छिपी प्रतिभा को उजागर करें और स्वयं को किसे से कम महसूस किए बिना अपने लक्ष्य निर्धारित करें। अपने कौशल और साहस के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करें। उन्होंने बच्चों के माता-पिता से भी आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को स्कूल का काम पूरा करने और घर पर मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करें और उनका मार्गदर्शन करें। एक माह के ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में वर्तिका महिला मण्डल समिति के सदस्याओं ने अध्यक्षा वर्तिका महिला मण्डल समिति अनीता मेदीरत्ता के मार्गदर्शन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीएवी विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार, मानव संसाधन विभाग के अधिकारी मीडिया प्रतिनिधि अभिभावक एवं चयनित बालिकाएँ उपस्थित रही।

## संपत्ति हस्तांतरण
### कुछ रियायतें

**संपत्ति हस्तांतरण टैक्स** पर आलोचना के बाद वित्त मंत्री ने भवन स्वामियों को कुछ रियायतें दी हैं। राजग गठबंधन के भीतर से ही सांसदों के व्यापक दबाव व आलोचना के कारण केन्द्र सरकार ने संपत्ति हस्तांतरण पर लगने वाले कर में कुछ राहत देने का निर्णय किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में घोषणा की थी कि दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ पर टैक्स की दरें 20 प्रतिशत से घटा कर 12.5 प्रतिशत की गई हैं, पर इन पर कोई 'इंडेक्सेशन लाभ' नहीं मिलेगा। लेकिन सांसदों तथा रियल इस्टेट क्षेत्र में कार्यरत लोगों के काफी विरोध के बाद अब वित्त विधेयक, 2024 में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार अब करदाता टैक्स की गणना पुरानी योजना में इंडेक्सेशन लाभ के साथ 20 प्रतिशत या नई योजना में बिना इंडेक्सेशन लाभ के 12.5 प्रतिशत के आधार पर कर सकता है। इनमें से जो कम हो वही लागू होगा। इंडेक्सेशन का अर्थ मुद्रास्फीति के आधार पर खरीद मूल्य तय करना है जिसमें कर्ज फंड की तरह निवेशों से लाभ पर कर दायित्व घट जाता है। सरकार ने दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ से इंडेक्सेशन लाभ हटा कर कर योग्य लाभ बढ़ा दिया था। इससे दीर्घकालीन निवेशों पर मुद्रास्फीति के कारण कमी का प्रभाव नहीं पड़ता है। इस समायोजन से बजट के बाद सरकार के कठोर दृष्टिकोण में काफी रियायत का संकेत मिलता है। मंत्रालय के अधिकारियों का तर्क था कि नई कर व्यवस्था में बिना इंडेक्सेशन लाभ के कम टैक्स दर से सभी मामलों में लोगों को लाभ होगा। लेकिन उद्योग विशेषज्ञों की राय इस बारे में अलग थी। उद्योग संस्थाओं ने इस प्रस्ताव पर पुन: विचार का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि इंडेक्सेशन लाभ हटाने का अर्थ पहले संपत्तियां खरीद चुके लोगों के लिए 'पूर्वगामी टैक्स परिवर्तन' होगा। उनका कहना था कि इससे खासकर उन लोगों को नुकसान होगा जिन्होंने ऐसी परिसंपत्तियों में निवेश किया है जिनकी पिछले वर्षों में कीमतें ज्यादा नहीं बढ़ी हैं। बहुत से लोगों को यह आशंका भी थी कि दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ से इंडेक्सेशन लाभ को हटाने से मुंबई रियल इस्टेट बाजार में सपंत्तियों का हस्तांतरण धीमा हो जाएगा। इसके कारण पूरे देश के रियल इस्टेट बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके साथ ही अनेक सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था। वित्त विधेयक पर लोकसभा में बहस के दौरान टीडीपी सांसद लव श्रीकृष्ण देवरायलु ने अन्य सांसदों की चिन्ता का साझा करते हुए जोर दिया था कि इस मुद्दे का संबंध करदाताओं की मेहनत से कमाई संपत्ति से है और इसका सर्वाधिक प्रभाव मध्य वर्ग के लोगों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मध्य वर्ग रियल इस्टेट को सुरक्षित निवेश मानता है और इसलिए उसे सुरक्षा दी जानी चाहिए। वास्तव में उनका कहना सही है। मध्य वर्ग मूल्यवृद्धि और बढ़ती बेरोजगारी से कष्ट झेल रहा है। ऐसे में यदि उसके छोटे निवेशों और बचत पर नकारात्मक प्रभाव पड़े तो उसके पास कुछ नहीं बचेगा। करदाताओं को दो कर व्यवस्थाओं में पसंद का विकल्प देने से उनकी चिन्ता कम होगी और कुछ राहत मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया जाना चाहिए कि उन्होंने करदाताओं तथा खासकर मध्य वर्ग के करदाताओं को राहत देने का प्रयास किया है। इससे छोटे और मध्यवर्गीय भवन स्वामियों को काफी राहत मिलेगी। वित्त विधेयक में संशोधन के बाद अब उनको रियल इस्टेट क्षेत्र में दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ कर के मामले में ज्यादा संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का अवसर मिलेगा।

# राहुल गांधी की प्रभावशीलता?

विरोधी दल के नए नेता के रूप में राहुल गांधी की प्रभावशीलता का आंकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन उनका शुरुआती प्रदर्शन ठीक लग रहा है।

**कल्याणी शंकर**
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विरोधी दल के नए नेता के रूप में राहुल गांधी की प्रभावशीलता का आंकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन उनका शुरुआती प्रदर्शन ठीक लग रहा है। विपक्ष के नए नेता-एलओपी के रूप में राहुल गांधी का मूल्यांकन करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी, हालांकि अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि वे अपनी नई भूमिका को देखते हुए परिपक्व हो रहे हैं। संसद का वर्तमान बजट सत्र कुछ दिन में समाप्त हो जाएगा, ऐसे में उनके नेतृत्व को समझने के लिए कुछ और समय की आवश्यकता होगी। लेकिन विपक्षी दल के नेता के रूप में उनकी शुरुआत अच्छी रही है। लोकसभा चुनाव में विजय पाने के बाद राहुल गांधी सदन के भीतर और बाहर मजबूती प्रदर्शित कर रहे हैं।

यह विपक्ष के नेता के रूप में उनके लिए उपयुक्त भी है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों ने इस दौरान राहुल की परिपक्वता के बारे में सकारात्मक टिप्पणियां की हैं। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने हाल ही में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के दिनों से लेकर आज तक राहुल गांधी की विकास यात्रा की चर्चा की है। अमर्त्य सेन ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि राहुल गांधी पिछले वर्षों में परिपक्व हुए हैं। राहुल गांधी मानते हैं कि उनकी असली परीक्षा संसद में नेता विरोधी दल की भूमिका निभाने पर निर्भर करेगी। 2004 में अपने राजनीतिक जीवन में प्रवेश करने के लगभग चौथाई शताब्दी बाद राहुल गांधी पहली बार नेता विरोधी दल बने हैं। उल्लेखनीय है कि लगभग एक दशक तक लोकसभा में कोई नेता विरोधी दल नहीं रहा है क्योंकि विपक्ष के पास पिछले दो लोकसभा चुनावों के बाद इतनी संख्या नहीं थी कि वह नेता विरोधी दल बनाने का दावा पेश कर सके। राहुल गांधी के नेता विरोधी दल-एलओपी बनने के बाद हालिया बजट सत्र उनके पहले प्रदर्शन के रूप में सामने आया है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार इस सत्र में उन्होंने अपनी पार्टी और विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने अपने ऊपर ज्यादा जिम्मेदारियां ली हैं।

राहुल गांधी अब नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष का दृष्टिकोण सामने रखने का प्रयास करते हैं। यह उनके लिए नई भूमिका है। इस दौरान उन्होंने विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है, मोदी सरकार के खिलाफ प्रभावशाली भाषण दिए हैं तथा सदन में अपने प्रयासों को बल देने के लिए सहयोगियों के साथ निकट सहयोग बनाने हेतु प्रयास किए हैं। सदन में 'इंडिया' में शामिल व अन्य सहयोगी दलों के साथ समन्वय के प्रयास उन्होंने किए हैं। उन्होंने हालिया बजट सत्र के दौरान जनता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी ध्यान दिया है और वे जनता के विभिन्न समूहों के साथ मेलजोल बढ़ाने व उन तक पहुंचने के प्रयास कर रहे हैं।

हालिया बजट सत्र में नेता विरोधी दल के रूप में राहुल गांधी ने अपनी पार्टी और विपक्ष का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन प्रयासों के अंतर्गत राहुल गांधी ने सहयोगियों के साथ सहयोग करते हुए विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है तथा मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रभावशाली भाषण दिए हैं। आम जनता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए राहुल गांधी ने उन तक अपनी पहुंच बढ़ाई है। राहुल गांधी का कार्यालय अब लगभग एक दर्जन प्रमुख लोगों की टीम बन गया है। उनकी इस टीम का नेतृत्व महासचिव के.सी. वेणुगोपाल करते हैं और इसमें सैम पित्रोदा, सुनील कानुगोलू, के. बुजू, बी. श्रीवत्स, मनिकम टैगोर, अलंकार सवाई तथा कौशल विद्यार्थी शामिल हैं। राहुल गांधी की यह टीम उनकी राजनीतिक गतिविधियों और चुनाव रणनीतियों का प्रबंधन करती है। इसके साथ ही यह टीम लाजिस्टिक व सोशल मीडिया का प्रबंधन भी करती है।

पिछले वर्षों में राजनीतिक क्षेत्र में राहुल के विकास और उनमें आए परिवर्तनों के कारण अब वे ज्यादा विश्वास से भरे नेता के रूप में दिखने लगे हैं। यह अतीत की उस स्थिति से एकदम उलट है जब उनकी छवि एक अनिच्छुक व हिचकने वाले राजनेता की बन गई थी। यह परिवर्तन राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा में दिखने लगा है। अब राहुल गांधी अपनी भूमिकाओं में ज्यादा विश्वास और आक्रामकता प्रदर्शित करते हैं। पिछले दो लोकसभा चुनावों के बाद अब 18वीं लोकसभा में कांग्रेस सांसदों की संख्या बढ़ने के साथ ही विपक्षी सदस्यों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 2024 के आम चुनाव में उनके सहयोगियों की सफलता ने भी राहुल गांधी में विश्वास पैदा किया है और अब वे एकता की शक्ति समझने लगे हैं।

पहली बार विपक्ष के नेता-एलओपी के रूप में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा था, 'जहां सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है, वहीं विपक्ष के पास भी भारतीय जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है। इस बार पिछली बार की तुलना में विपक्ष ज्यादा बड़ी संख्या में भारतीय जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहा है।' राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करने पर सत्तारूढ़ दल की ओर से तीखी प्रतिक्रियायें सामने आईं। नेता विरोधी दल-एलओपी के रूप में राहुल गांधी के पहले भाषण पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। संभवत: यह पिछले दस साल में मोदी की सबसे तीखी प्रतिक्रियाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे पूरे हिंदू समाज को 'हिंसक' बता रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'लोकतंत्र और संविधान ने मुझे सिखाया है कि नेता विरोधी दल को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।'

राहुल गांधी की आलोचनाओं पर मोदी की प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि संसद में माहौल संभवत: बदल गया है और इस कारण तनाव भी बढ़ा है। राहुल गांधी मोदी सरकार द्वारा आम आदमी पार्टी-'आप' नेता अरविंद केजरीवाल और झारखंड मुक्ति मोर्चा-जेएमएम नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने के निर्णय के खिलाफ बोल रहे थे। उन्होंने ऐसे कदमों को भाजपा द्वारा विपक्षी दृष्टिकोणों को कुचलने का प्रयास बताते हुए इनका विरोध किया। कांग्रेस और विरोधी दल के नेता राहुल गांधी के इस दृष्टिकोण के कारण संसद में सत्तारूढ़ दल के लिए तनाव बढ़ गया है। हालिया लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में राहुल गांधी ने रणनीतिक रूप से सार्वजनिक सभाओं में संविधान का एक छोटा लाल रंग का पाकेट बुक संस्करण बार-बार दिखाया। अपने इस कदम से उन्होंने प्रभावी रूप से अपना यह दृष्टिकोण पेश करने का प्रयास किया कि 'संविधान को भाजपा से खतरा है।' उनके द्वारा संविधान की प्रति बार-बार दिखाने से उनको आरक्षण लाभार्थियों का समर्थन पाने में आसानी हुई।

पिछले दो दशक से सांसद होने के बावजूद राहुल गांधी को अच्छा सांसद नहीं समझा जाता था। उन्होंने केवल 99 सवाल पूछे थे, 26 बहसों में भाग लिया था और वे महत्वपूर्ण अवसरों पर हमेशा उपस्थित भी नहीं रहते थे। 2014 से वे उल्लेखनीय रूप से बजट सत्रों में अनुपस्थित रहे थे या केवल कभी-कभी दिखते थे। वे अक्सर पार्टी को संकट की स्थिति में छोड़ कर विदेश जाते रहे हैं। लेकिन इस बार ऐसा लगता है कि नेता विरोधी दल-एलओपी बनने के बाद राहुल गांधी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल गांधी की भावी सफलता उनके राजनीतिक नियोजन पर निर्भर करेगी।

अतीत में उन्होंने अनेक अवसर खोए हैं। कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दस साल के शासनकाल में वे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में मंत्री बन सकते थे और उनको बार-बार ऐसे प्रस्ताव दिए भी गए थे, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए। इसके साथ ही वे पार्टी अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस को मजबूत कर सकते थे, पर उन्होंने 2019 में पराजय के बाद पार्टी अध्यक्षता से त्यागपत्र दे दिया था। लेकिन अपनी वर्तमान भूमिका में राहुल गांधी अपनी क्षमता प्रदर्शित कर रहे हैं। उनको इस अवसर का लाभ उठाते हुए भावी राजनीतिक चुनौतियों का पूरे विश्वास के साथ सामना करना चाहिए। नेता विरोधी दल-एलओपी के रूप में राहुल संसद में अपनी आवाज मजबूती से सामने रख सकते हैं। इससे जनता में उनके तथा उनकी पार्टी के प्रति विश्वास पैदा हो सकता है।

# जीवन को बदल सकती हैं आध्यात्मिक क्रियाएं

**कई अध्ययनों में यह देखा गया है कि जप मस्तिष्क में सकारात्मक परिवर्तन को उत्तेजित करता है।**

**अजीत कुमार बिश्नोई**
(लेखक आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं)

हम हमेशा भौतिक कार्य करते रहते हैं जैसे खाना, सोना, विहार (मनोरंजन) और हां, काम। हममें से कुछ लोग कुछ आध्यात्मिक अभ्यास भी कर रहे होंगे। ऐसा बेमेल क्यों है? क्योंकि ज़्यादातर लोगों को यह एहसास नहीं है कि आध्यात्मिक अभ्यास मनुष्य के लिए कितने फ़ायदेमंद हैं। आगे पढ़ें और आप सहमत होंगे।

मैंने इस लेख के लिए दस सामान्य आध्यात्मिक अभ्यास चुने हैं। उन्हें करना आसान है और लगभग हर कोई उन्हें करके लाभ उठा सकता है। प्रार्थना से शुरू करते हैं, इसे करना इतना मुश्किल क्या है? परिवार में कोई बीमार है और परिवार का कोई सदस्य उसके जल्दी ठीक होने के लिए प्रार्थना करता है। छोटे बच्चे भी अपनी मां के बीमार होने पर उसके लिए प्रार्थना करते हैं। तब क्या होता है? भगवान उनकी सुनते हैं, क्योंकि उनकी आंखें और कान हर जगह हैं। (भगवद-गीता 13.13)

भगवान की प्रतिक्रिया क्या है? उन्हें कई कारकों पर विचार करना होगा जैसे कि जिस व्यक्ति के लिए प्रार्थना की जा रही है वह क्या पाने का हकदार है, इसका परिवार के अन्य सदस्यों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, कौन प्रार्थना कर रहा है, आदि। एक प्रतिक्रिया होगी, जो सब कुछ ध्यान में रखते हुए उचित होगी। हमें याद रखना चाहिए कि भगवान 'बड़ी तस्वीर' जानते हैं, जिसमें भूत, वर्तमान और भविष्य भी शामिल है।

भगवान चाहे जो भी तय करें, ईमानदारी से प्रार्थना करने से अहंकार पर लगाम लगती है, जिससे व्यक्ति विनम्र बनता है - दूसरों के साथ ठीक से व्यवहार करने के लिए यह एक आवश्यक गुण है। प्रार्थना करना भगवान की शरण लेने के लिए भी एक अच्छी शुरुआत है - यह सर्वोच्च आध्यात्मिक गतिविधि है। भगवान

के नाम और मंत्रों का जाप सभी धर्मों में काफी आम है। मस्तिष्क पर जप के प्रभावों को देखने के लिए कई अध्ययन किए गए हैं। उन्होंने पाया है कि जप मस्तिष्क में सकारात्मक परिवर्तन को उत्तेजित करता है। 'ओम' ध्वनि वाले मंत्र विशेष रूप से उपयोगी हैं। भगवान के नाम भी इसी तरह के लाभ लाते हैं। जब हम भगवान का नाम लेते हैं, तो उन्हें जवाब देना चाहिए। क्या भगवान कृष्ण ने द्रौपदी की पुकार - कृष्ण, कृष्ण, कृष्ण का जवाब नहीं दिया? भगवान हमें कैसे जवाब देते हैं यह फिर से इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या पाने के लायक हैं और हमारे लिए क्या अच्छा होगा। 'दर्शन' - देवता के रूप में भगवान की 'मूर्ति' या कृष्ण, राम आदि जैसे भगवान के किसी अवतार की तस्वीर देखना बहुत उपयोगी है। यह मेरा प्रिय आध्यात्मिक कार्य है। मैंने अपने बिस्तर के दाहिनी ओर भगवान कृष्ण की एक बड़ी तस्वीर टांग रखी है। मैं बस आराम से बैठकर या लेटकर भगवान के आकर्षक चेहरे को देखता रहता हूँ। भगवान कृष्ण ने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने को आनंददायी माना है। (9.2) भगवान से बेहतर संगति और क्या हो सकती है? मेरे भगवान मेरे अपने हो गए हैं। और वे मुझे कई तरह से पुरस्कृत करते हैं। मेरे अंदर %आत्मबल% (आंतरिक शक्ति) प्रवाहित होती है। इस शक्ति ने - सभी शक्तियों की जननी - मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया है। मैं इस दुनिया के अपरिहार्य दुखों को भी बेहतर तरीके से सहन करने में सक्षम हूं। ध्यान दुनिया भर में काफी लोकप्रिय हो रहा है।

लोग इस आध्यात्मिक अभ्यास के अपार लाभों को देखने लगे हैं। भगवान कृष्ण ने इसकी जोरदार सिफारिश की है। श्लोक स 6.35 में, भगवान कहते हैं, अभ्यास से मन को वश में किया जा सकता है। श्लोक स 12.8 में, वे हमें बताते हैं कि हमारा मन कहाँ स्थिर होना चाहिए, यानी केवल उनमें। (12.8) श्लोक स 18.65 में, भगवान हमें अपनी चेतना विकसित करने के लिए कहते हैं। फिर, क्या होगा? हम भगवान में होंगे, अर्थात् उनके अंश बनेंगे। (9.29) क्या इससे बढ़कर कुछ हो सकता है? भगवान के बारे में सुनना भी एक महान कार्य है। भगवान कृष्ण यहाँ तक संकेत करते हैं कि दूसरों से सुनने में समर्पित लोगों को भी बहुत लाभ होगा। (13.25) बहुत से लोग हैं, जो आध्यात्मिक सत्यों से परिचित हैं। सत्संग उन लोगों का मिलन है, जो आध्यात्मिक सत्यों से परिचित हैं। और मेरे भक्तों में से परम ज्ञान (आध्यात्मिक लाभ) के उपदेशक मुझे सबसे अधिक प्रसन्न करते हैं। (18.69) यह भगवान के प्रति सर्वोच्च भक्ति है।

जब भी हमारे साथ कुछ अच्छा होता है, तो भगवान को याद करना और उनका धन्यवाद करना बहुत लाभकारी है; वे हमें ऐसे और अधिक पुरस्कारों के योग्य बनाते हैं। हम ऐसे कार्य क्यों नहीं करते? क्योंकि हम लगभग पूरी तरह से भौतिक कार्यों पर केंद्रित हैं। हम सभी आध्यात्मिक कार्य कर सकते हैं - आध्यात्मिक और भौतिक दोनों तरह के महान लाभों को देने वाले।

## आप की बात

### फोगाट का दुर्भाग्य

**विनेश फोगाट** ने पेरिस ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचकर सफलता हासिल की, लेकिन अतिरिक्त वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दी गईं। यह पूरी तरह सपोर्ट स्टाफ की बड़ी लापरवाही का नतीजा है। इसकी गहराई से जांच के लिए सभी जिम्मेदार लोगों को बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। 2016 ओलंपिक में भी विनेश फोगाट को वजन की वजह से डिस्क्वालीफाई कर दिया गया था। एक ग़लती दो बार दोहराना नासमझी की बात है। उन्हें अपने वजन को लेकर पहले से सतर्क रहना चाहिए था। विजय के एकदम नजदीक जाकर टेक्निकल मिस्टेक के चलते गोल्ड मेडल से वंचित रह जाना 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ गया है। विनेश ने संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। अगले ओलंपिक तक उनकी उम्र भी बढ़ जाएगी। विनेश फोगाट के दुर्भाग्य से सभी खिलाड़ियों के साथ देश के खेल प्रशासकों व मंत्रालय को भी सबक लेना चाहिए। खिलाड़ियों को उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन का मौका देने के सर्वोत्तम अवसर व साधन उपलब्ध कराने के साथ ही उन पर अत्यधिक शारीरिक व मानसिक दबाव डालने से बचना चाहिए। आखिर सभी खिलाड़ी मनुष्य होते हैं और उनसे मशीनों जैसी उम्मीद करना या उनकी जिंदगी को मशीन बना देना किसी प्रकार भी उचित नहीं कहा जा सकता है।

**-सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

### खुर्शीद का बेतुका बयान

**सलमान खुर्शीद** ने कहा कि जो बांग्लादेश में हुआ वह भारत में भी हो सकता है। एक पूर्व विदेश मंत्री से ऐसे बेतुके बयान की उम्मीद नहीं थी। अच्छा है कि कांग्रेस ने ही उनके बयान से किनारा कर लिया है। पूर्व विदेश मंत्री को देशहित का ध्यान रखते हुए ऐसे अनर्गल, अव्यावहारिक व विरोधाभाषी बयानों से बचना चाहिए। कांग्रेस के मध्य प्रदेश अध्यक्ष ने भी ऐसा ही बयान दिया है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी इनके सुर में सुर मिलाया है। इन बयानों से लगता है कि कांग्रेस तथा विपक्ष के कुछ नेता अंध मोदी-विरोध में देश-विरोध तक पहुंच जाते हैं। उनके ऐसे बयान देश-विरोधी शक्तियों को भड़काने का काम कर सकते हैं। भारत की धर्मनिरपेक्षता, मजबूत लोकतंत्र, मजबूत विपक्ष, स्वतंत्र मीडिया तथा शक्तिशाली व तटस्थ न्यायपालिका देश में बांग्लादेश जैसी स्थितियां नहीं आने देगी। भारतीय सेना के लगातार अ-राजनीतिक रहने का रिकार्ड सबके सामने है। इसके उलट पाकिस्तान व बांग्लादेश में सैनिक विद्रोहों का इतिहास है। भारत सरकार किसी प्रकार के कट्टरपंथियों को बढ़ावा भी नहीं दे रही है। भारत आर्थिक रूप से मजबूत होता जा रहा है। ऐसे में नेताओं को ऐसे बेतुके बयानों से बचना चाहिए।

**- महेश नेनावा,** इंदौर

### हिंदू-विरोधी हिंसा

**बांग्लादेश** में हो रही हिंसा को लेकर भारत को कड़ा और कठोर रुख अपनाना चाहिए। बांग्लादेश के आंदोलन से वहां के निर्दोष हिन्दुओं और मंदिरों का कोई लेना-देना नहीं था। किसी हिन्दू ने वहां के मामलों में न तो कोई कोई बयान दिया था और न ही आरोप लगाया था। फिर हिंसा का निशाना आखिर हिन्दुओं को क्यों बनाया जा रहा है? भारत के लोगों को भी इस परिघटना पर विचार करना चाहिए। विशेष रूप से हिंदुओं को समझना होगा कि यह एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है। आखिर किसी भी मुस्लिम-बहुल देश में हिन्दुओं को ही निशाना क्यों बनाया जाता है? बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाए जाने चाहिए। भारत में शरण मांगने और भारतीय नागरिकता मांगने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं की सहायता की जानी चाहिए। बांग्लादेश के अलावा अन्य देशों में भी हिंदुओं को बार-बार हिंसा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में हिंदू समाज को लंबे समय तक उत्पीड़न का शिकार रहे यहूदी समाज से सबक लेकर स्वयं को सारी दुनिया में समृद्ध बनाने के साथ शक्तिशाली बनाने और अपने दुश्मनों का सफाया करने की रणनीति पर विचार करना चाहिए। हिंदू संगठनों को इस दिशा में सक्रिय होना चाहिए।

**- अंकित सोनी,** मनावर

### कोचिंग व्यवसाय

**इन दिनों** देश भर में छोटी कक्षा से लेकर बड़ी कक्षा तक के छात्रों के लिए कोचिंग व्यवसाय काफी फल फूल रहा है। इस कोचिंग व्यवसाय में अधिकांश शिक्षकों के पूर्णत: प्रशिक्षित होने पर संदेह बना रहता है। कोचिंग संस्थानों में छोटे-छोटे कमरों में अधिकाधिक छात्र भरने की प्रवृत्ति रहती है जिससे इनका स्वास्थ्य प्रभावित होता है। कोचिंग संस्थानों में आग, पानी या अन्य आपदाओं से सुरक्षा की भी चिन्ता नहीं की जाती है। दिल्ली व अन्य स्थानों पर हम इसके दुष्प्रभाव देख चुके हैं। कोचिंग चलाने वालों का तो सीधे-सीधे व्यवसाय पैसा कमाना है और उनको बच्चों की सुख सुविधाओं का कतई ध्यान नहीं है। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब पाठ्य पुस्तकों, पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं, आदि की मुख्यधारा शिक्षा व्यवस्था में पूरी व्यवस्था की जाती है तो छात्रों को कोचिंग की जरूरत ही क्यों पड़ती है? वास्तव में कोचिंग प्रणाली हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था पर कलंक है। इसे समाप्त करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों के साथ शिक्षकों, शिक्षाविदों और प्रशासकों के बीच समुचित संवाद जरूरी है।

**- मनमोहन राजावत,** शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
**responsemail.hindipioneer@gmail.com**
पर भी भेज सकते हैं।

# हर घर तिरंगा अभियान सफल बनाने के लिए डीएम ने की बैठक

**संवाददाता।** संतकबीरनगर

**जिलाधिकारी** महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आगामी 13 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक जनपद में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक घरों, सरकारी कार्यालयों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों, शहीद स्मारकों सहित जन-जन में देशभक्ति एवं देश प्रेम की भावना को प्रोत्साहित करने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के अमर शहीदों एवं क्रान्तिकारियों की बीरगाथा को याद करने, अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने आदि से सम्बंधित व्यवस्थाओं की तैयारी की समीक्षा से सम्बंधित जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता एवं अपर जिलाधिकारी जय प्रकाश उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम की भव्य सफलता हेतु नगर पालिका एवं नगर निकाय क्षेत्रों में राष्ट्रध्वज/तिरंगा झण्डा की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के संबंध में पी0ओ0 डूडा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तिरंगा झण्डा की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निदेर्शित करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुसार स्वंय सहायता समूहों, खादी ग्रामोद्योग सहित अन्य सस्थाओं से तिरंगा झण्डा तैयार करवाकर स्थानीय स्तरों पर जैसे-राशन की दुकानों, पट्रोल पम्पों, सरकारी कार्यालयों पर विलम्बतम 11 अगस्त 2024 की शाम तक उपलब्ध करा दिया जाए। जिसे ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों के लोग समय से तिरंगा झण्डा प्राप्त कर आदर सम्मान एवं देश प्रेम की भावना के साथ अपने घरों/दुकानो/प्रतिष्ठानों पर फहरा सकें। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील किया है कि 13 से 15 अगस्त 2024 तक अपने घरों पर तिरंगा झण्डा अवश्य फहरायें।

# शहीदों के स्मारकों पर किया गया देशभक्ति गीत गायन व माल्यार्पण

**संतकबीरनगर।** काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस की पूर्व संध्या पर जिला मुख्यालय के आजाद चौक सहित मेहदावल तहसील के सामने शहीद गणेश शंकर यादव के स्मारक पर एवं मोहम्मदपुर कठार, मगहर स्थित शहीद राम प्रताप यादव के स्मारक पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा अमर शहीदों एवं क्रांतिकारियों की जीवनगाथा पर आधारित देशभक्ति गीतों/लोक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस की पूर्व संध्या पर जिला मुख्यालय के आजाद चौक पर स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कलाकार/लोक गायिका सुश्री स्वीटी सिंह एवं पार्टी कलाकारों द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह सहित अमर शहीदों एवं क्रांतिकारियों के वीरगाथा पर आधारित देशभक्ति गीतों को प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में मेहदावल में महेश मौर्य एंड पार्टी द्वारा शहीद स्मारक स्थल पर देशभक्ति गायन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मगहर में सांस्कृतिक दल के कलाकार अजीत उपाध्याय एवं पार्टी द्वारा शहीद राम प्रताप यादव के स्मारक पर देशभक्ति गायन/सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगाठ के अवसर पर ''काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव'' का आयोजन 09 अगस्त 2024 को पूर्वान्ह 09.00 बजे से विकास भवन स्थित डीपीआरसी हॉल में आयोजित किया जायेगा।

# तालाब में नहाते समय डूबकर 2 बच्चियों की मौत, एक की हालत गम्भीर

**संवाददाता।** श्रावस्ती, इकौना

**थाना** इकौना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चिचड़ी के मजरा अच्छन पुरवा में गुरुवार को गांव में स्थित एक तालाब में नहाते समय 3 बच्चियां डूब गई जिनमें से 2 की डूबने से मौत हो गई जबकी 1 बच्ची को नाजुक हालत में संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है जहां उसकी स्थिति काफी गम्भीर बनी हुई है।

थाना इकौना अंतर्गत ग्राम पंचायत चिचड़ी के मजरा अच्छन पुरवा में गुरुवार को तालाब में 3 बच्चियों के डूबने की घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है। 10 वर्षिय राधा पुत्री सालिकराम व उसकी बडी बहन 15 वर्षिय करीना व उसकी सहेली सुमन 14 वर्ष पुत्री अमिरका गांव के समीप स्थित तालाब में नहाने के लिए पानी मे उतर गई अधिक गहराई होने के नाते तीनों तालाब में डूबने लगी समीप मौजूद कुछ ग्रामीणों ने उन्हें डूबता देख शोर मचाया जिसपर भारी भीड़ एकत्र हो गई उन्ही में से कुछ ग्रामीणों ने तालाब में उतरकर करीना को तालाब से बाहर निकाल लिया।

ग्रामीणों ने घटना की सूचना इकौना पुलिस को दी सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह मौके पर पहुंच गए साथ ही एसडीआरएफ की टीम को तुरंत सूचित किया जिस पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने मोटर बोट की सहायता से अपने गोताखोर जवानों को पानी में उतारकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया घण्टों मशक्कत के बाद राधा व सुमन के शव को तालाब से बाहर निकाल लिया। पुलिस ने शवों का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है वही तालाब से जीवित निकाली गई करीना को सीएचसी इकौना पहुचाया गया जहां मौजूद चिकित्सको ने हालत गंभीर देख उसे संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा के लिए रेफर कर दिया है

# उर्वरक काला बाजारी पर नियंत्रण के लिए डीएम ने की बैठक

**श्रावस्ती, भिनगा।** जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जनपद के थोक उर्वरक विक्रेताओं के साथ उर्वरक की काला बाजारी उर्वरक की अधिक दर एवं टैगिंग को रोकने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी द्वारा थोक उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिये गये कि जनपद में किसी भी खुदरा व्यापारी को अधिक मूल्य पर उर्वरक की बिक्री न की जाए यदि किसी भी विक्रेता के द्वारा नियम विरुद्ध उर्वरक की बिक्री की जाती है, तो सम्बन्धित विक्रेता के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में सघन निगरानी कर कृषकों को गुणवत्तापूर्ण एवं उचित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें टैगिंग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि बिना कृषक की अनुमति के किसी भी अन्य उत्पाद को उर्वरक के साथ में न विक्रय किया जाए। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी द्वारा उर्वरकों के निर्धारित दरों के बारे में अवगत कराया गया जिसमें यूरिया रुपये 266.50/45 किग्रा डीएपी रू0 1350/50 किग्रा एनपीके (20:20:0:13) रुपये 1200 प्रति 50किग्रा एनपीके(12:32:16) रू0 1470/50 किग्रा एमओपी रू0 1725/50 किग्रा एवं एसएसपी रू0 580 से 605 प्रति बोरी मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। बैठक में उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र वरिष्ठ प्राविधिक सहायक कृषि रक्षा विकास कुमार इफको कम्पनी के प्रतिनिधि अजीत श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## राजस्व वसूली में लाएं तेजीः जिलाधिकारी

**गोंडा।** जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं प्रवर्तन कार्यों को लेकर संबंधित विभागों के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अधिक से अधिक राजस्व की वसूली कराई जाए। प्रवर्तन को लेकर डीएम ने कहा कि सभी विभाग प्रवर्तन की कार्रवाई को बढ़ाएं। प्रवर्तन के कार्यवाही सभी पर समान रूप से की जाए संगठित रूप से अपराधों पर लिप्त रहने वाले लोगों पर कार्रवाई कीजिए। सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं राजस्व कार्यों की समीक्षा समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने तहसीलों में लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षकों के द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा प्रतिदिन करें तथा कोर्ट में लंबित वादों के निस्तारण को प्राथमिकता के आधार पर अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित करना सुनिश्चित करें।

# भाजपा कार्यालय में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हुई बैठक

**रायबरेली।** कार्यालय भारतीय जनता पार्टी अटल भवन में घर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम योजना की बैठक ज़िला अध्यक्ष बुद्धी लाल पासी जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री विकास सिंह जी रहे! विकास सिंह जी ने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा, स्मारकों की सफ़ाई,महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, व जन जन से संपर्क कर प्रयेक घर व व्यावसायिक केंद्रों पर हर घर तिरंगा फहराने में अपनी भागीदारी भारतीय जानता पार्टी के कार्यकर्ता सुनिश्चित करे!

ज़िलाध्यक्ष बुद्धी लाल पासी ने बताया कि 11,12 व 13 अगस्त प्रत्येक विधान सभाओं में तिरंगा यात्रा का आयोजन युवा मोर्चा के नेतृत्व में होगा! 12 व 14 महापुरुषों की प्रतिमा प्रतिमाओं एवं स्मारकों के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम 13 व 15 अगस्त भारत माता के वीर सपूतों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जायेगा।

## होमगार्ड के जवानों ने अमृत सरोवर पर किया पौधरोपण

**महराजगंज, रायबरेली।** होमगार्ड के जिला कमांडेट संजय शर्मा के निर्देश पर जिले भर में होमगार्ड के जवानों द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है, उसी क्रम में आज बुधवार को महराजगंज कोतवाली में तैनात करीब डेढ़ दर्जन होमगार्ड के जवानों द्वारा सामूहिक रूप से पोखरनी ग्राम पंचायत के अंतर्गत गढ़ी गांव में स्थित अमृत सरोवर पर वृक्षारोपण किया गया। प्लाटून कमांडर इंद्रमणि सिंह ने बताया कि अमृत सरोवर पर 108 पौधे रोपित किए गए हैं, जिसमें पीपल बरगद पाकर जामुन नीम अर्जुन आदि के पेड़ शामिल हैं, उन्होंने ने बताया कि प्रत्येक जवान को दो पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान पोखरनी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बल्लू शुक्ला ने बताया कि जवानों द्वारा उठाया गया कदम सराहनीय है।

## महिला के पर्स से टप्पेबाज महिलाओं ने जेवर उड़ाए

**लालगंज, रायबरेली।** कस्बे के मेन रोड अंबेडकर मार्ग की निकट बृहस्पतिवार को ई-रिक्शा सवार दो टप्पेबाज महिलाओं ने एक महिला की पर्स से उसकी सोने की झुमकियां चोरी कर ली। महिला अपने घर पहुंचकर पर्स की तलाशी ली तो उसे सामान गायब मिला। भादेमोड़ राजपति नगर मोहल्ला निवासिनी सादमा बानो ने बताया कि वह ई-रिक्शा पर सवार होकर बाजार में सामान खरीदने आई थी। तभी जब तक वह कुछ समझ पाती अंबेडकर मार्ग के निकट ई-रिक्शा में पहले से सवार दो महिलाओं ने उसके पर्स से सोने की झुमकियां पार कर दी। जानकारी होने पर वह पति के साथ दौड़ी दौड़ी बाजार पहुंची और दोनों ही महिलाओं को खोजना शुरू किया। खोजते समय बाजार में दोनों महिलाएं उसे मिल गई तो तलाशी लेने पर उनके पास चोरी की गई झुमकियां बरामद हो गई। भीड़ ने पुलिस बुलाकर दोनों महिलाओं को सौंप दिया। महिला ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर मामले में आरोपित महिलाओं के विरुद्ध कार्रवाई की गुहार लगाई है।

# मजदूर यूनियन की चेयरमैन के खिलाफ नारेबाजी, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

**मुसाफिरखाना, अमेठी।** स्थानीय कस्बे में ई रिक्शा चालकों ने अवैध रूप से धन उगाई करने का आरोप लगाते हुए तहसील कार्यालय तक चेयरमैन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एसडीएम प्रीति तिवारी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। ई रिक्शा चालक एवं मजदूर यूनियन के अध्यक्ष दिवाकर दुबे के नेतृत्व में स्थानीय नगर पंचायत अध्यक्ष पर मनमानी का आरोप लगाया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में ई रिक्शा चालक एवं मजदूर यूनियन के अध्यक्ष दिवाकर दुबे के नेतृत्व में ई रिक्शा चालकों ने जोगी बीरन में एक बैठक करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा बीते 01 जुलाई से प्रति ई रिक्शा 20 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अवैध रूप से वसूली करने पर गहरा आक्रोश जताते हुए स्थानीय कस्बे में प्रदर्शन किया। ई रिक्शा चालकों ने तहसील कार्यालय पहुंच कर एसडीएम प्रीति तिवारी को ज्ञापन सौंपा। संघ ने एसडीएम प्रीति तिवारी से न्याय की गुहार लगाते हुए कार्यवाही की गुहार लगाई है। इस दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राजू ओझा व युवक कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष जे बी यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन मे शामिल होकर उनकी मांग का समर्थन किया।

## पुरुष स्वयंसेवक शाखा की तरह ही महिला स्वयंसेविका शाखा लगेगी

**कोंच, जालौन।** नगर में पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की महिला शाखा का शुभारंभ गल्ला मंडी परिसर स्थित सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गुरुवार को हुआ। सबसे पहले ध्वजारोहण किया गया जिसके बाद महिला छात्रा स्वयंसेविकाओं ने ध्वज को प्रणाम कर संघ प्रार्थना की। इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति की उपाध्यक्ष डॉ नीता रेजा ने अपने उद्बोधन में संघ का राष्ट्र के प्रति महत्त्व और समर्पण भावना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अभी तक नगर में महिला शाखा नहीं लगती थी लेकिन अब पुरुष स्वयंसेवक शाखा की तरह ही महिला स्वयंसेविका शाखा लगायी जाएगी। प्रधानाचार्या आभा तिवारी ने बताया की विद्यालय परिसर में हर माह में 2 बार लक्ष्मीबाई केलकर महिला शाखा लगायी जाएगी। इस दौरान शिक्षिका प्रभा गुप्ता, सरला मिश्रा, आकांक्षा सिंह, राधा दुबे, रंजना तिवारी, श्रुति गुप्ता, शिवानी सिंह, वंदना अवस्थी, रौली मिश्रा, मौजूद रहे।

# फंदे पर झूलता मिला युवक का शव

**जगदीशपुर, अमेठी।** संदिग्ध परिस्थितियों मे युवक का शव फांसी के फंदे पर मिलने से हडकंप मच गया घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा। थानाक्षेत्र के अंतर्गत शेखपुर गांव मे उस समय हडकंप मच गया जब गांव निवासी मोहम्मद लईक उम्र लगभग तेईस वर्ष का शव सुबह शौच के लिए निकले ग्रामीणों ने गांव के किनारे स्थित बाग मे फांसी के फंदे पर झूलता देखकर दंग रह गए जहां भारी संख्या आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे परिजन रोते बिलखते बताया कि एक दिन पूर्व घर से निकला था जिसे हम लोग ढूंढने मे जुटे थे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फंदे से शव उतरवाकर परिजनों से पूंछतांछ करने के उपरांत शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर पुलिस की ओर से बताया गया कि शव को पोस्टमार्टम भेज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

## चोरियों की आई बाढ़ पुलिस हुई लाचार

**जगदीशपुर, अमेठी।** बीती रात्रि अज्ञात चोर दरवाजे पर खडी बाइक लेकर फरार हो गए सुबह भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर पुलिस को देकर कार्यवाई की मांग की। थानाक्षेत्र के अंतर्गत स्थित पूरे ठकुराइन मजरे देवकली निवासी अफसार ने पुलिस को तहरीर देकर अवगत कराया कि बीती रात रोज की भांति दरवाजे पर अपनी बाइक खडी कर सोने चला गया सुबह उठकर शौच हेतु गांव के निकट स्थित मैदान को चला गया जहां से वापस आने पर देखा तो उक्त स्थान से बाइक नदारद है जिसकी आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं सका । थकहार कर भुक्तभोगी ने थाने पहुंच कर पुलिस को तहरीर देकर मामले से अवगत कराते हुए कार्यवाई की मांग की। इस सम्बन्ध मे कोतवाल धीरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में है जांच पड़ताल जारी है।

## निर्भीक पत्रकारिता के पुरोधा थे स्व. शीतला सिंह

**अयोध्या।** स्व. शीतला सिंह निर्भीक पत्रकारिता के पुरोधा थे। उन्होंने किसी परिस्थितयों में झुकना नहीं सीखा। हमेशा सच के साथ रहे, इसीलिए उनकी पकड़ हर वर्ग में थी। यहां तक कि वैचारिक मत भिन्नता के बावजूद लोग उनसे सलाह लेते थे। उक्त बातें जनमोर्चा के संस्थापक संपादक स्मृति शेष शीतला सिंह की 93वीं जयन्ती पर प्रेस क्लब पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि साकेत महावि. के प्राचार्य प्रो.अभय कुमार ड्क्षसह ने कहीं। कहा कि उन्होंने कभी किसी से भेदभाव नहीं रखा सभी की मदद की। पत्रकरिता के लिए तो वह पूरे देश में जाने पहचाने जाते थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रकाशन सहकारी समिति के अध्यक्ष अतुल सिंह ने कहा कि वे हम सभी के अविभावक थे।

# एनएसपीएस त्रिपुला में भारत छोड़ो आंदोलन की यादें हुई ताजा

**रायबरेली।** न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 8 अगस्त 1942 को भारत मे ब्रिटिश शासन की समाप्ति की मांग के साथ शुरू हुए सबसे गंभीर विद्रोह भारत छोड़ो आंदोलन की याद में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के छात्र आकर्ष , अर्नव, श्लोक, अभिषेक, अश्मित, आर्यन, अदिति, सौम्या, वासू द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के बम्बई अधिवेशन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए इस आंदोलन की जीवंत प्रस्तुति ने आंदोलन की कठिनाइयों और इसमें शहीद हुए आन्दोलनकारियों की यादें ताजा कर दीं। विद्यालय की छात्रा अंशी और खुशी ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान गांधी जी ने 8 अगस्त को बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत करते हुए अपने भाषण में करो या मरो का आह्वान किया। बड़े पैमाने पर शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में गांधी जी ने भारत से एक व्यवस्थित ब्रिटिश वापसी की मांग की थी।

# काकोरी ट्रेन घटना शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर हुए कार्यक्रम

**अमेठी।** काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर आज जनपद में विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। जिसमें तहसील मुसाफिरखाना अंतर्गत कादूनाला स्थित भाले सुल्तान शहीद स्मारक पर अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्रा, उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना प्रीति तिवारी, क्षेत्राधिकार मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई, इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा शहीद स्मारक स्थल पर देशभक्ति गीतों पर आधारित बैंड वादन किया गया। इसी के साथ ही सहित स्मारक परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शहीद स्मारक स्थल पर काकोरी ट्रेन एक्शन में शहीद हुए देशभक्तों को याद किया गया। इसके अतिरिक्त काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों व भाषण तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में गोष्ठी का आयोजन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान के उपरांत कार्यक्रम का समापन किया गया।

# सैम श्रेणी के 315 बच्चों के परिजनों को सप्ताह भर में गाय गोद दिलाएंः डीएम

**संवाददाता।** उरई, जालौन

**गुरुवार** को जिला पोषण समिति, कन्वर्जेन्स विभाग की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार उरई में आहूत हुयी। जिलाधिकारी द्वारा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यों, योजनाओं यथा-आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा पोषण ट्रैकर पर फीडिंग, एनआरसी में बच्चों का संदर्भन, आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण, तीव्र अतिकुपोषित (सैम) बच्चों को दुधारु गाय उपलब्ध कराने के विषय पर विस्तृत समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सैम श्रेणी के अवशेष 315 बच्चों के परिवारों का चिन्हांकन कर नागपंचमी से रक्षा बंधन (एक सप्ताह) में सभी परिवारों को एक-एक दुधारु गाय गोद दिलायी जाये। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि दुधारु गाय की सूची टैग नम्बर सहित समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों को तत्काल उपलब्ध करायें। सैम बच्चों के परिवारजनों को दुधारु गाय गोद दिलाने के अभियान में जो भी सीडीपीओ, मुख्य सेविका अच्छा कार्य करेंगें उन्हें प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये जायेंगे।

## डीएम ने किया राजकीय मेडिकल कालेज का निरीक्षण

**उरई, जालौन।** जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बुधवार की देर रात राजकीय मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने इमरजेंसी, इमरजेंसी पीडिया, ओटी, विभिन्न वार्डों का निरीक्षण दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली, भर्ती मरीजों से वार्ता कर उनका हालचाल जाना और उपचार हेतु मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी वार्ड, दवा वितरण कक्ष आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के मरीजों को आयुष्मान मित्र के द्वारा प्राथमिकता पर उपचार दिलाया जाये।

# प्रमाणित आईडी प्रूफ के बगैर किसी व्यक्ति को होटल में न ठहरायेंः सीओ

**कोंच, जालौन।** नगर में खुले होटलों और ढाबों पर सीओ और कोतवाल ने पहुंचकर चेकिंग करने का सिलसिला शुरू किया तो सबसे पहले होटलों व ढाबों पर बैठे लोगों में एक बारगी तो लोग कुछ समझ नहीं पाये लेकिन उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि कुछ न कुछ तो गड़बड़ जिस तरह से भारी पुलिस फोर्स यहां पर पहुंचा और छानबीन करनी शुरू कर दी। बुधवार की रात सीओ अर्चना सिंह और कोतवाल अरुण कुमार राय ने भारी पुलिस बल के साथ अभिलाषा और आशीर्वाद होटल सहित उरई व नदीगांव रोड पर खुले तमाम होटलों और ढाबों की चेकिंग की। सीओ ने उक्त दोनों होटलों में रुकने वाले लोगों की इंट्री रजिस्टर बारीकी से चेक किया। सीओ ने होटल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बगैर प्रमाणित आईडी प्रूफ के किसी भी व्यक्ति को होटल में न ठहरने दिया जाये। कोई व्यक्ति अथवा वस्तु संदिग्ध प्रतीत होती है तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। होटलों के अंदर शराब आदि मादक पदार्थ नजर नहीं आना चाहिए। अराजकतत्व अथवा शराबी हुड़दंग करते हैं तो कोतवाली पुलिस को सूचित करें। वहीं ढाबों पर चौकिंग के दौरान सीओ ने संचालकों को कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि ढाबों पर बैठाकर शराब किसी को भी न पीने दें।

# छौलापुर सड़क की बदहाली के चलते बेबस स्कूली बच्चे, सो रहे जिम्मेदार

**संवाददाता।** जालौन, उरई

**वर्तमान** में छौलापुर रोड अपनी दुर्दशा के आंसू बहाने को मजबूर है। इस रोड पर पड़ने वाले दो-दो विद्यालय के छोटे-छोटे नौनिहाल गड्ढ़ों व कीचड़ में होकर निकलने को मजबूर हैं। बीमार होने पर मरीजों को भी निकालने में दिक्कत होती है। मोहल्ले के लोगों ने सड़क का निर्माण कराने की मांग की है।

नगर में चुर्खी मार्ग से होकर छौलापुर तक सड़क गई है। नगर से होकर निकली इस सड़क पर दो इंटर कॉलेज संचालित हो रहे हैं। जिनमें एक महाराणा प्रताप साइंस इंटर कॉलेज और दूसरा मथुरा देवी बालिका इंटर कॉलेज हैं। इस मार्ग से होकर छात्र, छात्राओं समेत दिन भर लोगों का आना जाना बना रहता है। लेकिन पिछले लगभग 2 साल से यह सड़क काफी खराब है। बारिश के मौसम में स्थिति नरकीय हो जाती है। सड़क पर कीचड़ ही कीचड़ नजर आता है। बच्चों को इसी कीचड़ से होकर निकलना पड़ता है। दो वर्ष ये यह रोड अपनी दुर्दशा के आंसू बहाने को मजबूर है, इस रोड पर रहने वाले परिवार नगर पालिका व सरकार को कोसते नजर आ रहे हैं।

स्कूलों के बड़े छात्र तो जैसे तैसे बच बचाकर निकल जाते हैं लेकिन छोटे-छोटे बच्चे कीचड़ में होकर निकली हैं तो उनकी ड्रेस खराब हो जाती है। कभी कभार फिसलकर गिर भी जाते हैं। अभी हाल में ही जलकल विभाग द्वारा उक्त रास्ते में पाइप लाइन डाली गई जिसमें ठेकेदारों द्वारा जेसीबी से रास्ते को खोदकर गड्ढों में तब्दील कर दिया जिससे जरा भी पानी बरस जाए तो उक्त रास्ता दलदल में तब्दील हो जाता है। मोहल्ले के दीपक, दुर्गादेवी आदि ने बताया कि यह रोड पिछले दो वर्षों से इसी प्रकार गढ़ों में तब्दील है जिसकी समस्या को लेकर मोहल्लेवासी कई बार नगर पालिका व प्रशासन से लिखित व मौखिक रूप से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है। पालिका कह देती है कि यह सड़क मंडी समिति के अधीन है इसलिए वह कुछ नहीं कर सकती है। वहीं प्रशासन भी किसी दूसरे पर बात टाल देता है। इसी चक्कर में सड़क नहीं बन पा रही है। मोहल्ले के लोगों ने इस सड़क को बनवाने की मांग डीएम से की है। इसको लेकर अधिशाषी अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि यह सड़क पालिका के अधीन नहीं है। मंडी समिति के अधीन है। उन्होंने जानकारी की है इस सड़क को लेकर सदर विधायक उप निदेशक मंडी को पत्र लिख चुके हैं।

# सभी शासकीय भवनों पर फहराया जाये तिरंगा: डीएम

- ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में साफ सफाई का चलाया जाये विशेष अभियान: डीएम
- सभी कार्यालाध्यक्ष अपने कार्यालयों में अभियान चलाकर करायें साफ सफाई
- हर घर तिरंगा अभियान 13 से 15 अगस्त को सभी भवनों पर लगाएं तिरंगा, आमजन को भी अभियान से जोड़ा जायें: डीएम

**कानपुर देहात।** जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आगामी 15 अगस्त को जनपद में होने वाले कार्यक्रम के सम्बन्ध में समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में साफसफाई के सम्बन्ध में विशेष अभियान चलायें, सभी शासकीय भवनों पर निर्धारित समय पर ध्वजारोहण, तिरंगा लाइटिंग की जाये। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों, नगर निकायों में साफ सफाई करायें जाने तथा जनपद के शहीद स्मारकों, महापुरूषों की प्रतिमाओं के आस.पास साफ सफाई, प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वतन्त्रता दिवस पर तिरंगा यात्राऐं, तिरंगा रैली, तिरंगा दौड़, वृक्षारोपण आदि का आयोजन किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को 13 अगस्त से 15 अगस्त तक होने वाले कार्यक्रमोंए हर घर तिरंगा अभियान व स्वतन्त्रता दिवस के सम्बन्ध में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में देश भक्ति पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, निबन्ध प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, भाषण, प्रभातफेरी आदि आयोजित करने के निर्देश दिये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, डीएफ्ओ एके द्विवेदी, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र कुमार, डीडीएजी रामबचन राम, कृषि अधिकारी डा0 उमेश गुप्ता, जीएम डीआईसी मो0 सउद, डीएसओ, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

## गाय पर फिर मगरमच्छ का हमला

**कायमगंज फर्रुखाबाद।** क्षेत्र में मगरमच्छ के होने से ग्रामीण खासे चिन्तित हो रहे हैं । बताया गया कि एक सप्ताह पूर्व एक गौवंश को निगलने के बाद आज फिर सोता नाला में पानी पीने गयी गाय पर मगरमच्छ ने हमला बोल दिया। मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने पानी में लाठियां मारकर तेज आवाज तथा बचाव की आहट जैसी तरकीब से गौवंश को बचाया। ग्रामीणों ने मगरमच्छ को पकड़ने के लिए वन विभाग से मांग की है। क्षेत्र के गांव बिहारीपुर निवासी रामकिशन पुजारी और गांव मधवापुर निवासी ओमपाल सिंह गांव के ही सोता नाला के पास मवेशी चरा रहे थे। रामनरेश पुजारी की गाय सोता नाला में पानी पीने चली गयी। वहां मौजूद मगरमच्छ ने उस पर हमला बोल दिया। लेकिन ग्रामीणों के पानी में लाठिया मारने तथा बचाव की आहट जैसी तरकीब अपनाने के बाद वह गाय को छोड़ कर गहरे पानी मे चला गया। ग्रामीणों ने बताया मगरमच्छ एक सप्ताह पूर्व बिहारीपुर निवासी सुनील यादव की गाय को भी निगल गया था। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम भी उसे बिना पकड़े ही खाली हाथ वापस लौट आयी ।

## पात्र लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्म योजना का दिलाये लाभ: डीएम

**कानपुर देहात।** जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में पीएम विश्वकर्म योजना हेतु गठित जिला क्रियान्वयन समिति की बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में योजनांतर्गत प्राप्त प्रकरणों के निराकरण के लिए उपायुक्त उद्योग को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गये।

# डीएम ने जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक रोपित पौधों की जियो टैगिंग कराने के निर्देश

**संवाददाता।** कानपुर देहात

**जिलाधिकारी** आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समितिए जिला गंगा समितिए जिला पर्यावरण समितिए एवं जिला वेटलैन्ड समिति की बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ने अवगत कराया गया कि वर्षाकाल.2024 में 20 जुलाई 2024 को जनपद में 6190645 लाख पौधों का रोपण कराया गया। रोपित पौधों की सफ्लता प्रतिशत को जियो टैग कराते हुये सी0एम0 डैस बोर्ड पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि 20 जुलाई 2024 को जनपद में रोपित किये गये पौधों का स्थलीय निरीक्षण करते हुये मृत एवं सूखे पौधों के स्थान पर 15 अगस्त तक नये पौधों का रोपण करए रोपित पौधों की शत.प्रतिशत जियो टैगिंग सुनिश्चित की जाये। जिला गंगा समिति की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारीए द्वारा जनपद के समस्त नदियों के महत्वपूर्ण घाटां पर बाढ़ के खतरें को ध्यान में रखते हुये सुरक्षा व्यवस्था बैरीकेटिंग तथा घाटों की साफसफाई कराने हेतु जिला पंचायत को निर्देश दिये गये।

जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा समस्त नगर पंचायतों के समस्त अधिशाषी अधिकारियों को सॉलिड वेस्ट प्रबन्धन एवंज ल भराव के निकास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को 09 अगस्त 2024 से 19 अगस्त 2024 तक काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर समस्त अमृत सरोवरों पर साफसफाई व वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित कराये जाने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एनए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए डीएफ्ओ एके द्विवेदी सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# सीडीओ ने की फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के संबंध में बैठक

**संवाददाता।** कानपुर देहात

**जिलाधिकारी** आलोक सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन की अध्यक्षता में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक विकास भवन सभागार कक्ष में संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 ए के सिंह ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा। इस कार्यक्रम के दौरान लोगों को एल्बेंडाजोलए डिईसी की टेबलेट उम्र के अनुसार खिलाई जाएगी। सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्ययोजना के अनुरूप घर.घर जाकर लोगों को दवा का सेवन करवाया जाए । उन्होंने कहा कि अभियान की नियमित निगरानी की जाये।

उन्होंने कहा कि अभियान में लापरवाही पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व नगरी क्षेत्र में केंद्र बनाकर लोगों को दवाओं का सेवन कराया जाएए साथ ही लोगों को दवा लेने हेतु प्रेरित भी किया जाए।

इस कार्य में वॉलिंटियरए स्वयं सहायता समूहए युवक मंगल दलए महिला मंगल दलए एनसीसी कैडेट्स का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में डिप्टी सीएम डॉक्टर सुखलाल वर्माए उपनिदेशक कृषि रामबचन रामए मलेरिया अधिकारी मारुति दीक्षित तथा संबंधित चिकित्सक आदि उपस्थित रहे।

# पुलिस ने लड़की के सुसाइड के आरोपी को किया गिरफ्तार

**कन्नौज।** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी नगर कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्रांतर्गत एक लड़की के सुसाइड की घटना में प्रकाश में आए अभियुक्त को हिरासत में लिया गया है।

सुसाईड के आरोपी का खुलासा करते एसपी।

गुरूवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द नें घअना का खुलासा करते हुये बताया कि विगत 25 जुलाई को सुबह 06 बजे सन्तोषी पत्नी सतीश निवासी ग्राम कछपुर्वा थाना कन्नौज ने थाने पर सूचना दी कि उसकी पुत्री ने गांव के बाहर नीम के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर तत्काल थाना कन्नौज पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण फील्ड यूनिट द्वारा किया गया तो ज्ञात हुआ कि मृतका दिनांक 24 जुलाई की सुबह 07 बजे अपने घर से मॉडल स्कूल जसोदा गई थी। देर शाम तक घर वापस नहीं आई, के संबंध में सन्तोषी ने प्रार्थना पत्र देकर अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मृतिक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया था। पोस्टमार्टम के बाद विधि पूर्वक मृतका के शरीर को परिवार को सुपुर्द किया गया था तथा परिजनों द्वारा मृतिका का अंतिम संस्कार किया गया था विवेचना के क्रम में मृतका व राजू के मोबाइल का सीडीआर अवलोकन से यह तथ्य प्रकाश में आया कि मृतका करीब 05 माह से राजू पुत्र पृथ्वीराज निवासी कछपुर्वा से बात करती थी तथा दिनांक 24 जुलाई को सुबह 04 बजे मृतिका घर से नाराज होकर कन्नौज से चलकर दिल्ली गयी। वहां पर राजू उपरोक्त से मिली तो मृतिका ने शादी के लिए कहा तो राजू ने मना कर दिया। विवेचना के क्रम में 24 जुलाई को मृतका का राजू के साथ दिल्ली में होने की पुष्टि होना व राजू उपरोक्त द्वारा शादी से मना करना तथा आत्महत्या के लिए उत्प्रेरित करना, तथ्य प्रकाश में आया। उक्त अभियोग में धारा 108 बीएनएस की बढोतरी की गयी, 07 अगस्त को अभियुक्त राजू पुत्र पृथ्वीराज निवासी कछपुर्वा को गोवर्धनी तिराहा जलालपुर पनवारा से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

## गंगा नदी में कूदे युवक को पुलिस ने गोताखोरों की मदद से बचाया

**कन्नौज।** विगत 06 अगस्त को समय लगभग 05:48 बजे चौकी मेहंदी घाट पुलिस चौकी पर सूचना प्राप्त हुई कि आत्महत्या हेतु एक व्यक्ति गंगा नदी में कूद गया है। सूचना पर तत्काल गंगा घाट पर कर्तव्यरत चौकी प्रभारी चन्द्रभान सिंह, मुख्य आरक्षी सूर्य वली सिंह, शिवप्रसाद यादव, कांस्टेवल विपुल सिंह, विशाल, करन यादव, अमित कुमार, कृष्णवीर, मनोज द्वारा मौके पर जाकर स्थानीय गोताखोरों की सहायता से युवक को सकुशल बचा लिया गया। पूछताछ करने पर व्यक्ति द्वारा अपना नाम निजामुद्दीन पुत्र शफीर खान निवासी ग्राम जलालपुर सरवन बताया व कर्ज हो जाने की वजह से गंगा में कूद गया। व्यक्ति के परिजनों की जानकारी कर उन्हें थाना कन्नौज पर बुलाया गया तथा सकुशल परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। व्यक्ति के परिजनों द्वारा थाना कन्नौज पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कन्नौज पुलिस की प्रशंसा की गयी।

## क्विक न्यूज

### दबंग सहायक अध्यापक की शिकायत डीएम से

**फतेहपुर।** प्राथमिक विद्यालय गंगापुर में कार्यरत सहा. अध्यापक जितेंद्र द्विवेदी के खिलाफ एक शिकायती पत्र अभिभावको ने बीएसए कार्यालय पहुंचकर के ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपते हुए बताया कि गांव के प्राथमिक विद्यालय गंगापुर में जीतेंद्र द्विवेदी सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत है, सप्ताह में एक दिन आकर हस्ताक्षर करके वेतन निकालते हैं जिसकी शिकायत अभिभावकों ने कई बार किया। 04 वर्ष पूर्व अभिभावकों की शिकायत पर तत्कालीन कारागार मंत्री के औचक निरीक्षण में उक्त अध्यापक अनुपस्थित पाए गए किंतु कुछ दिन बाद पुनः इसी विद्यालय में तैनाती कर दी गई। बच्चों की शिकायत पर विगत 02 अगस्त को अभिभावक जब विद्यालय गए तो उक्त अध्यापक उपस्थित नहीं मिले। ग्रामीणों ने विद्यालय की फोटो ली जिससे नाराज होकर उक्त अध्यापक ने 03 अगस्त को अभिभावकों के खिलाफफर्जी शिकायत थाने में दर्ज कर दी। अभिभावकों को विद्यालय जाने से पुलिस द्वारा रोक दिया गया। आरोप लगाया कि उक्त शिक्षक की दबंगई से शिक्षण कार्य न करने से बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। बीएसए से मांग की गई कि उचित कार्यवाही की मांग की गई।

### साईं सिटी में मेहंदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**फतेहपुर।** साईं सिटी इंटर कॉलेज/मां सरस्वती ज्ञान मंदिर में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की निर्देशक रेखा सिंह द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से कक्षा 12 तक की बहनों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में प्रथम दिव्या (कक्षा 12), द्वितीय तेजस्वी (कक्षा 11), तृतीय नेहा (कक्षा 9) जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान रिफ (कक्षा 8), द्वितीय निधि (कक्षा 7), तृतीय अंजना (कक्षा 6 ) स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रबंधक पवन सिंह गौर ने कहा कि इस तरह बच्चों के रचनात्मक कार्यों से उनकी प्रतिभा में निखार आता है।

### ट्रक की टक्कर से कक्षा दो के छात्र की मौत

**फतेहपुर।** औंग थाना क्षेत्र के दुर्गागंज गांव निवासी सुनील का छह वर्षीय पुत्र सुधांशु जीडी इंटर कालेज के सामने स्थित सरकारी स्कूल में कक्षा दो का छात्र था। सुबह आठ बजे वह स्कूल से निकलकर सड़क पार कर रहा था। तभी ट्रक ने उसे टक्कर मार दिया, जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। एंबुलेंस ने तत्काल छात्र को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने चालक को ट्रक सहित हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

### युवक ने जंगल में फांसी लगा दी जान

**फतेहपुर।** औंग थाना क्षेत्र के ग्राम मकवाखेड़ा में जंगल गए 32 वर्षीय युवक ने संदिग्ध अवस्था में पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार मकवाखेड़ा गांव निवासी विशंभर यादव का पुत्र अनिल कुमार यादव ने बुधवार की रात घर से निकलकर आधा किलोमीटर दूर जंगल जाकर पेड़ में रस्सी का फंदा डाल फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। वहीं मृतक की पत्नी सुमन का कहना है कि उसके पति मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

### घायल अधेड़ की उपचार दौरान मौत

**फतेहपुर।** सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अल्लीपुर बहेरा गांव निवासी स्व. गुरू प्रसाद का पुत्र संतोष कुमार गांव में ही फल की ठेलिया लगाता था। पांच अगस्त को शाम घर वापस जाते समय अचानक ठेलिया पलट जाने से वह बुरी तरह घायल हो गया था। परिजन सीएचसी लाएं। जहां हालत गंभीर होने पर घर वाले उसे प्रयागराज ले गए। बुधवार की शाम उसने दम तोड़ दिया।

### बिजली करंट से भतीजी को बचाने में चाचा की मौत

**फर्रुखाबाद।** भतीजी बचाने के प्रयास में चाचा साबिर हुसैन की मौत हो जाने पर परिवार में मातम छा गया। कम्पिल क्षेत्र के ग्राम इकलहरा निवासी साबिर हुसैन खॉ की 5 वर्षीय भतीजी शहनाज बिजली के बोर्ड मे पंखे का तार लगा रही थी। तार लगाते समय करंट लगने पर शहनाज की चीख निकली। चाचा साबिर ने दौड़कर भतीजी को पकड़ कर खींचा तो भतीजी तो दूर जा गिरी। लेकिन साबिर बिजली से चिपक गया। परिजन 112 डायल पुलिस जीप द्वारा गंभीर हालत में कायमगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डा0 विपिन कुमार ने साबिर को मृत घोषित कर दिया। माँ नूरजादी व पत्नी सरीना का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

## पुलिस ने थूक लगाकर मसाज करने वाले अभियुक्त को जेल भेजा

**कन्नौज।** उच्चाधिकारियों के निर्देशन में प्रशिक्षु सीओ/थानाध्यक्ष तालग्राम कपूर कुमार ने सूचना पर रसूलाबाद तिराहा से मुकदमें से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मो. यूसुफ सलमानी उर्फ बोरा पुत्र इरशाद सलमानी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 07 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच क्रम में उपनिरीक्षक दिनेशचन्द्र द्वारा अभियुक्त मो. यूसुफसलमानी उर्फ बोरा पुत्र इरशाद सलमानी निवासी मोहल्ला जेर किला कस्वा व थाना तालग्राम द्वारा सैलून की दुकान पर किसी ग्राहक का फेसवास करते समय अपने थूंक का इस्तेमाल कर फेसवास करने तथा स्वयं वीडियो बनाकर वायरल करने लोगो की भावनाओं को ठेस पहुंचना एवं आम जनमानस के बीच शत्रुता, घृणा व वैमनस्य की भावनायें व समुदाय के धार्मिक विश्वास का अपमान होना व धार्मिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव पडने के संबंध मे मुकदमा पंजीकृत कराया गया।

## सड़क के किनारे खड़े डंपर से टकराई कार, एक मरा चार गंभीर रूप से घायल

**संवाददाता।** संडीला (हरदोई)

**सड़क** के किनारे खड़े हुए एक डंपर से तेज़ रफ़्तार कार की टक्कर हो गयी जिससे उस पर सवार एक व्यक्ति की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गयी जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के अंतर्गत ग्राम रईसों के पास देर रात एक डंपर खड़ा था। इसी बीच हरदोई की ओर से आ रही एक तेज़ रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर इससे टकरा गयी। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार पर सवार अतुल कुमार निवासी ग्राम सतरा रामपुर जनपद राय बरेली की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि इंदिरा नगर लखनऊ निवासी नितीश कुमार सिंह तथा सत्यम सिंहए तेलीबाग लखनऊ निवासी विवेक तिवारी तथा कछौना निवासी मो0 शकील गंभीर रूप से घायल हो

दुर्घटनाग्रस्त कार

गए। इन सभी को गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है। देर रात हुए इस हादसे के बाद मचे शोर और चीख पुकार को सुनकर आसपास के लोगों ने काफ़ी मेहनत करके कार में फंसे लोगों को निकाला और पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस जब तक पहुंचती तब तक डंपर चालक डंपर लेकर फ़रार हो गया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

## सीएमओ ने कहा एक साल के अंतराल में उन्होने किसी क्लीनिक व पैथालाजी का नही किया नवीनीकरण

**हमीरपुर।** सुमेरपुर क्षेत्र के धुंधपुर गांव में झोलाछाप डाक्टर द्वारा इलाज के दौरान मरीज की हुई मौत के बाद अवैध क्लीनिक व पैथालांजी को लेकर बहस छिड़ गयी है सदर भाजपा विधायक ने इसके लिये सीएमओ को दोषी ठहराय है वही सीएमओ ने कहा कि जिले में एक पैथालाजी को छोड़कर उन्होने किसी का भी नवीनीकरण नही किया है. न ही किसी क्लीनिक की नवीनीकरण किया गया है। गांव में मरीज हरी की झोला छाप डाक्टर के उपचार के दौरान हुई मृत्यु के बाद अवैध क्लीनिक व पैथालाजी का मामला उभर कर सामने आ गया है। मरीज हरी के जोड़ो में दर्द था मगर डा अलीम ने उसे बोतल लगा दी जब केश खराब हो गया तो उसने इलाज करने से साफइंकार कर दिया। जिससे हरी की मृत्यु हो गयी। सीएमओ डा गीतम सिंह ने साफ कहा कि जब से वह आये तब से कल ही एक पैथालाजी का नवीनीकरण किया है यहा तक कि किसी क्लीनिक का नवीनीकरण नही किया है। इसका मतलब है कि जिलै में सभी क्लीनिक व पैथालाजी अवैध संचालित है। यदि अवैध संचालित है तो इनको बंद क्यो नही कराया जा रहा है। सीएमओ का कहना है कि पैथालाजी में जांच के लिये कम से कम डाक्टर को एमबीबीएस होना अनिवार्य है तभी भी वह जांच कर सकता है। मगर जिले में एक भी पैथालाजी केंद्र में डिग्री होल्डर डाक्टर नही है। इसी लिये उन्होने किसी का नवीनीकरण नही किया है। इसका मतलब फर्जी जाचं कर्ता लोगो के जीवन के साथ खिलवाड कर रहे है।

### सीएमओ को कारण ही सरकार की छवि हो रही है खराब-सदर विधायक

**हमीरपुर।** जानकारी होने पर भाजपा के सदर विधायक मनोज प्रजापति ने मौके पर जाकर जानकारी की उन्होने कहा कि सीएमओ डा गीतम सिंह के भ्रष्ट आचरण के कारण सरकार की छवि खराब हो रही है। अवैध क्लीनक व पैथालाजी संचालित है इसके लिये सीएमओ ही जिम्मेदार है। सीएमओ की साठ गांठ के कारण ही झोलाछाप डाक्टरो का मनोबल बढ़ा है। सीएमओ को ध्यान देना चाहिये। इधर सौएमओ का कहना है कि उन्होने किसी पैथालाजी व क्लीनिक का नवीनीकरण नही किया तो वह दोषी नहीहै।

### फर्जी डाक्टर के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज

**हमीरपुर।** जानकारी होने पर डिप्टी सीएमओ डा.संजय कुमार धटना स्थल जाकर जानकारी ली उन्होने बताया कि डा अलीम खान के पास कोई डिग्री नही है वह पैरा मेडिकल कालेज संचालित कर रहा है। वह पूरी तरह से फर्जी है।इसके खिलाफ उन्होने सुमेरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

# हर्सोल्लास एवं धूमधाम से मनाये जाने संबंधी बैठक सम्पन्न

**बांदा।** जिलाधिकारी नगेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 15 अगस्त, 2024 स्वतंत्रता दिवस को हर्सोल्लास एवं धूम.धाम से मनाये जाने सम्बन्धी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने निर्देश दिये रात्रि में 14 एवं 15 अगस्त को ऐतिहासिक भवनों/स्मारकों, पार्क एवं सरकारी भावनोंए ब्लाक में शहीद स्मारकों एवं समस्त ग्राम पंचायत भवनों आदि में झालरों से रोशनी की व्यवस्था अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका एवं अधिशाषी अधिकारी विद्युत को निर्देश दिये। दिनांक 15 अगस्त को जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजनों किया जायेगाए जिसमें प्रात: 06:30 बजे सभी विद्यालयों द्वारा प्रभातफेरीए जिसमें साक्षरता, देशभक्ति, शहीदों की स्मृति से सम्बन्धित बैनर लेकर नारे लगाते हुए सभी शिक्षण संस्थाओं के बच्चे प्रभातफेरी निकाली जायेगी। प्रभातफेरी अपने.अपने विद्यालयों से चलकर महेश्वरी देवी मन्दिर होते हुए अपने.अपने विद्यालय वापस जायेगी। निर्णायक मंडल महेश्वरी देवी चौराहे पर उपस्थित रहकर प्रभात फेरी का

मूल्यांकन करेंगे। प्रात: 06:30 बजे नगर की दो मलिन बस्तियों वार्ड नंबर 1, खाईपार व वार्ड नंबर 9 कंचन पुरवा में विशेष सफाई अभियान नपाप बांदा द्वारा कराया जायेगा।

प्रात: 07:00 बजे सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित महापुरूषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियों की सफाई व माल्यार्पण। समस्त सरकारी/ गैरसरकारी इमारतों पर ध्वजारोहण। प्रात: 10:30 बजे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके आश्रितों को सम्मानित किया जायेगा। प्रात: 11:00 बजे दृष्टि बाधित छात्रों को नि:शुल्क चश्मा वितरण एवं मोतियाबिन्द का परीक्षण जिला चिकित्सालय बांदा में होगा। प्रात: 11:15 बजे लांग रेस कृषि विश्व विद्यालय चैराहे से तिन्दवारी रोड बांदा पर होगी। प्रात: 11:30 बजे आवासीय विकलांग विद्यालय बांदा/ राजकीय दृष्टि बाधित विद्यालय महोखर एवं जिला अस्पताल पुरूष/ महिला में फल एवं मिष्ठान वितरण जिला रेडक्रास सोसाइटी द्वारा किया जायेगा। प्रात: 12:00 बजे जिला कारागार बांदा में फल एवं मिष्ठान का वितरण किया जायेगा। प्रात: 12:00 बजे निर्धारित स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न होगा। प्रात: 12:30 बजे विभिन्न विद्यालयों के छात्र/छात्राओं पेन्टिंग प्रतियोगिता आर्यकन्या इण्टर कॉलेज बांदा में सीनियर वर्गए छात्रसाल प्राथमिक पाठशाल स्टेशन रोड बांदा में जूनियर वर्ग के छात्रों के लिए।

# जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले को सीएचसी का ताबड़तोड़ निरीक्षण

- सीएचसी पहुंचे एसडीएमए परखी सीएचसी की व्यवस्थाएं दिए निर्देश

**लखीमपुर खीरी।** सामु. स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, भवन व परिसर की साफसफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से डीएम के निर्देश पर सभी उप जिलाधिकारियों ने अपने क्षेत्रातर्गत सीएचसी का निरीक्षण किया। मरीज़ों, उनके तीमारदारों से जरूरी जानकारी प्राप्त की।

निघासन। सीएचसी निघासन पर औचक निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम राजीव कुमार ने सर्वप्रथम औषधि वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। तैनात फार्मासिस्ट से दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी लिया। काउंटर पर दवा लेने आये मरीजों से दवाओं की वितरण के बारे में पूछा। चिकित्सालय में सीमेंटेड

बेंच पर तीन मरीजों के ड्रिप चढ़ रही थी, जिन्हें तत्काल वार्ड में शिफ्ट करवाया और बेहतर इलाज प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के अंदर सफाई व्यवस्था, टीकाकरण, आपात कालीन कक्ष, वार्ड, पैथोलॉजी और उपस्थिति रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया।

मोहम्मदी। एसडीएम डॉ अवनीश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदी का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थिति पंजिका, ओपीडी रजिस्टर, दवा स्टॉक देखा। उन्होंने इमरजेंसी वार्डए लेबर रूम, मेडिकल स्टोर आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। इसमें सीएचसी पर सभी प्रकार की दवाइयां उपलब्ध मिलीं। अधीक्षक को निर्देश दिया कि बाहर की दवा नहीं लिखी जानी चाहिए। यदि कोई दवा सीएचसी पर उपलब्ध नहीं है तो उसे जिला मुख्यालय से मंगवा लिया जाए। जितने भी मरीज सीएचसी पर इलाज कराने आ रहे हैं, यदि उनका आयुष्मान कार्ड बना है तो उनका इलाज उसी कैटेगरी में किया जाए। उन्होंने मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए चिकित्सालय से दवा नगर निकाय को उपलब्ध कराई। जिसका छिड़काव कराया जाएगा।

धौरहरा। एसडीएम राजेश कुमार ने सीएचसी धौरहरा का निरीक्षण किया। औषधि भण्डार कक्ष में पहुंच कर रिकार्डों को देखा और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। इसके बाद एसडीएम ने पैदल भ्रमण करके ओपीडी कक्षए पर्ची काउण्टर पर मरीजों का हाल चाल जाना। उन्होंने अस्पताल स्टाफको बिना ड्रेस के पाए जाने पर फटकार लगाई। इस दौरान उन्होंने मरीजों के हाल चाल को जाना। इसके बाद अस्पताल में सफाई व्यवस्था, शौचालय, पेयजल सप्लाई का जायजा लिया।

मितौली। चिकित्सकीय व्यवस्था एवं मरीजों को सहज और सुलभ चिकित्सकीय व्यवस्था उपलब्ध हो इसको लेकर एसडीएम विनीत कुमार उपाध्याय ने सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने अस्पताल की सभी व्यवस्थाओं महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, शिशु वार्ड का निरीक्षण करते हुए अस्पताल से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में मरीजों से जानकारी ली और अस्पताल में तैनात चिकित्सकों को दिशा निर्देश भी दिया। प्रतिरक्षण कक्ष में कोल्ड चैन और अलार्म सिस्टम का बारीकी से देखा और टीकाकरण अभियान तथा फाईलेरिया दवाई वितरण अभियान के संबंध में जानकारी लेकर जरूरी निर्देश दिये।

पलिया। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से वार्ता की गई तथा उनसे उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधा एवम दवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपस्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ भरत सिंह को निर्देशित किया गया कि वर्तमान में डेंगू मलेरिया आदि संक्रामक रोगों से प्रभावित मरीजों को निर्धारित मानक के अनुसार चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए। तथा मरीजों की स्थिति की सतत निगरानी की जाए। आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए समस्त तैयारियां ससमय पूर्ण कराई जाएं।

गोला। एसडीएम विनोद गुप्ता ने सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने वार्डों का निरीक्षण करते हुए दवा स्टॉकए उपस्थिति पंजिकाए जच्चा.बच्चा वार्ड आदि का निरीक्षण किया।

# कर्ज के ऊपर कर्ज में वृद्धि का रुझान सिर्फ कुछ बैंकों तक सीमित : शक्तिकान्त दास

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्ज के ऊपर लिए जाने वाले कर्ज (टॉप-अप) में बढ़ोतरी का रुझान व्यवस्थागत मसला न होकर कुछ बैंकों तक ही सीमित है। दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा, टॉप-अप कर्ज में नियामकीय प्रावधानों का पालन नहीं करने वाले बैंकों के साथ आरबीआई द्विपक्षीय स्तर पर निपटेगा और यह कोई व्यवस्थागत समस्या नहीं है। टॉप-अप कर्ज खुदरा कर्ज के साथ आवास ऋण के ऊपर लिया जाने वाला कर्ज है।

दास ने इससे पहले दिन में कहा था कि आवास इक्विटी कर्ज या टॉप-अप ऋण में उच्च वृद्धि हुई है, जिसमें ऋणदाता स्वर्ण ऋण और आवास ऋण जैसे अन्य गारंटी वाले कर्ज पर टॉप-अप ऋण की पेशकश कर रहे हैं। दास ने कहा कि ऋण-से-मूल्य (एलटीवी)



अनुपात, जोखिम भार और निधियों के अंतिम उपयोग की निगरानी से संबंधित नियामकीय निर्देशों का कुछ संस्थाओं द्वारा कड़ाई से पालन नहीं किया जा रहा है। गवर्नर ने कहा, यह प्रणालीगत समस्या नहीं है। कुछ संस्थाओं में हमने यह समस्या देखी है। हम पर्यवेक्षण स्तर पर द्विपक्षीय रूप से उनसे निपटेंगे, लेकिन कोई प्रणालीगत समस्या नहीं है।

चूंकि आरबीआई ने इस प्रवृत्ति को देखा, इसलिए उसने बैंकों को यह संदेश देकर इस मुद्दे को उठाने के बारे में सोचा कि वे धन के अंतिम उपयोग की निगरानी करके तथा विवेकपूर्ण मानदंडों का पालन सुनिश्चित करके इस समस्या का प्रबंधन करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस तरह की प्रक्रियाओं के कारण कर्ज राशि का उपयोग गैर-उत्पादक क्षेत्रों में या सट्टेबाजी के उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। बैंकों और एनबीएफसी को ऐसी प्रक्रियाओं की समीक्षा करने और सुधारात्मक कार्रवाई करने की सलाह दी जाती है। ऋण-से-मूल्य (एलटीवी) अनुपात, जोखिम भार और टॉप-अप के संबंध में धन के अंतिम उपयोग की निगरानी से संबंधित नियामकीय निर्देशों का पालन करना चाहिए।

पिछले सप्ताह कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और सहकारी बैंकों में भुगतान सेवाओं में आए व्यवधान के बारे में दास ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने किसी भी संभावित प्रणालीगत समस्या को रोकने के लिए आगे के लेनदेन को रोकने का निर्णय लिया है। भारतीय स्टेट बैंक और प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस के संयुक्त उद्यम सी-एज का नाम लिए बिना डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि तीसरे पक्ष की प्रणालियां प्रभावित हुई हैं और चूंकि जोखिम अन्य प्रणालियों तक पहुंचने की संभावना थी, इसलिए, सक्रिय उपाय के रूप में उन्हें बंद करने का निर्णय लिया गया। दास ने कहा कि ऋण और जमा वृद्धि के बीच अंतर से परिसंपत्ति देयता में असंतुलन या तरलता प्रबंधन की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे बैंकिंग प्रणाली को संरचनात्मक तरलता संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। गवर्नर ने बैंकों से आग्रह किया कि वे अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाकर नवोन्मेषक उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से जमा जुटाएं। मुद्रास्फीति के बारे में दास ने कहा कि इसमें कमी आ रही है।

## ईडी ने राजद परिवार के करीबी सहयोगी की 113 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क कीं

**नई दिल्ली।** हरियाणा के गुरुग्राम में 70 एकड़ जमीन और फ्लैट, मुंबई में कुछ मकान, दिल्ली में एक फार्महाउस और राजद प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार के कथित करीबी सहयोगी अमित कात्याल और उसकी रियल्टी कंपनियों की लगभग 113 करोड़ रुपए की सावधि जमा को धनशोधन निरोधक कानून के तहत कुर्क कर लिया गया है। ईडी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अमित कात्याल, क्रिश रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड और ब्रह्मा सिटी प्राइवेट लि. के मामले में 113.03 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने के लिए छह अगस्त को धनशोधन निवारण अधि. (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था। कात्याल को पिछले साल रेलवे के कथित नौकरी के लिए जमीन घोटाले से संबंधित एक अलग धनशोधन मामले में केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया था।

# यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने की घोषणा

**भाषा।** नई दिल्ली

**भारतीय** रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा बढ़ाने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में, यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपए है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है।

दास ने कहा, चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिए कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है। हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है। यूपीआई में डेलिगेटेड पेमेंट्स शुरू करने का भी प्रस्ताव है।

दास ने कहा कि डेलिगेटेड पेमेंट्स से एक व्यक्ति (प्राथमिक उपयोगकर्ता) को प्राथमिक उपयोगकर्ता के बैंक खाते पर किसी अन्य व्यक्ति (द्वितीयक उपयोगकर्ता) के लिए यूपीआई लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति मिलेगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगें। इसके साथ ही आरबीआई ने अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले ऐप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। दास ने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा, डाटा गोपनीयता, ब्याज दरों तथा वसूली प्रक्रियाओं, गलत बिक्री आदि पर चिंताओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश दो सितंबर, 2022 को जारी किए गए थे। हालांकि, मीडिया की खबरों ने डिजिटल ऋण देने में बेईमान कंपनियों की मौजूदगी को उजागर किया है जो आरबीआई (आरई) से संबद्ध होने का झूठा दावा करती हैं।

# अब कुछ ही घंटों में क्लियर हो जाएगा आपका चेक

**भाषा।** नई दिल्ली

**चेक** का निपटान (क्लियरिंग) अब कुछ ही घंटों में हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चेक समशोधन में लगने वाले समय को कुछ घंटे करने और उससे जुड़े जोखिम कम करने के मकसद से कदम उठाने की घोषणा की है। वर्तमान में चेक जमा करने से लेकर राशि आने तक दो दिन का समय लग जाता है। लेकिन नई व्यवस्था में चेक जमा करने के कुछ ही घंटों में यह क्लियर हो जाएगा।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, चेक समाशोधन को दुरुस्त करने, निपटान जोखिम कम करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इसके तहत मौजूदा सीटीएस व्यवस्था के तहत बैच में प्रसंस्करण की जगह कारोबारी समय में निरंतर आधार पर समाशोधन की व्यवस्था की जाएगी।

आरबीआई के अनुसार, नई व्यवस्था में चेक को स्कैन किया जाएगा, उसे प्रस्तुत किया जाएगा और कुछ घंटों में समाशोधन किया जाएगा। इससे चेक का समाशोधन कुछ घंटे में हो जाएगा जबकि अभी दो दिन तक का समय (टी प्लस 1) लगता है। दास ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश जल्दी ही जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, आरबीआई ने बैंकों की तरफ से अपने ग्राहकों के बारे में क्रेडिट सूचना कंपनियों को दी जाने वाली रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में महीने में एक बार यह रिपोर्ट दी जाती है।

# संसद स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कटौती नहीं कर सकती

**भाषा।** नई दिल्ली

**वित्त मंत्री** निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाली जीएसटी (माल एवं सेवा कर) में कटौती नहीं कर सकती और इस संबंध में कोई फैसला जीएसटी परिषद द्वारा ही लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर 2017 में जीएसटी व्यवस्था लागू होने से पहले राज्यों ने बीमा प्रीमियम पर कर लगाया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने उच्च सदन में वित्त विधेयक, 2024 पर हुई चर्चा का जवाब देते यह टिप्पणी की। चर्चा के दौरान विपक्ष के कई सदस्यों ने स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कटौती करने की मांग की थी।

वित्त मंत्री ने कहा कि संसद जीएसटी दरें तय करने का मंच नहीं है। इस मामले को जीएसटी परिषद में ले जाना जाना होगा, जिसमें राज्यों का दो-तिहाई प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर जीएसटी परिषद अपने फैसले सर्वसम्मति से करती है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम से मिलने वाली राशि का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को ही मिलता है। उन्होंने एलटीसीजी (दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ) कर में संशोधन किए जाने का भी जिक्र किया। इसके तहत 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई संपत्तियों की बिक्री पर



इंडेक्सेशन यानी मुद्रास्फीति के प्रभाव का लाभ बहाल कर दिया गया है।

अब जिन व्यक्तियों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) ने 23 जुलाई, 2024 से पहले घर खरीदा है, वे नई योजना के तहत एलटीसीजी कर का भुगतान करने का विकल्प चुन सकते हैं। इंडेक्सेशन के बिना उन्हें 12.5 प्रतिशत और इंडेक्सेशन लाभ के साथ 20 प्रतिशत कर का भुगतान करने की जरूरत होगी। वे उस विकल्प को चुन सकते हैं, जिसमें कर की दर कम हो।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के बजट प्रस्तावों का उद्देश्य मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने के अलावा निवेश को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ग्रामीण विकास सहित अर्थव्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों के बजटीय प्रावधानों में पर्याप्त वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बजट में किसी भी क्षेत्र से समझौता किए बिना कल्याणकारी कार्यों के वित्त पोषण, राजकोषीय खर्च और पूंजीगत व्यय में संतुलन कायम किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने 2021 में राजकोषीय घाटे को कम करने का जो लक्ष्य रखा है, इस बजट में उसका भी पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बजट में विकास की परियोजनाओं के लिए पर्याप्त आर्थिक आवंटन करने के साथ साथ क्षेत्रीय आकांक्षाओं को भी पूरा किया है। उनके जवाब के बाद उच्च सदन ने वित्त विधेयक 2024-25 तथा जम्मू कश्मीर से जुड़े विनियोग विधेयक को ध्वनिमत से लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा ने बुधवार को 45 सरकारी संशोधनों के साथ ध्वनिमत से वित्त (संख्यांक 2) विधेयक, 2024 को पारित किया था। राज्यसभा में आज इस पर चर्चा की गई। संविधान के अनुसार उच्च सदन को किसी धन विधेयक को खारिज करने का अधिकार नहीं है और वह ऐसे विधेयक केवल लौटा सकता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला केंद्रीय बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया था।

# रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5% पर बरकरार रखा

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को उम्मीद के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने कहा कि खाने के सामान की उंची महंगाई को नरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसके अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव को रोकने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति पर सतर्क रुख बरकरार रखते हुए रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है। एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया। मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य को हासिल करने के मकसद से उदार रुख को वापस लेने का रुख कायम रखा है।

एमपीसी में आरबीआई के तीन और तीन बाहरी सदस्य हैं। सदस्यों में से डॉ. शशांक भिड़े, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. माइकल देबब्रत पात्रा और शक्तिकांत दास ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में मतदान किया जबकि डॉ. आशिमा गोयल और प्रो. जयंत आर. वर्मा ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती का समर्थन किया। मुख्य रूप से खाद्य महंगाई बढ़ने से खुदरा मुद्रास्फीति जून में 5.08 प्रतिशत रही है। दास ने कहा, खाद्य मुद्रास्फीति लगातार उंची बनी हुई है। ...मूल्य स्थिरता के बिना उच्च वृद्धि को कायम नहीं रखा जा सकता है। ऐसे में मौद्रिक नीति महंगाई को नीचे लाने वाली बनी रहेगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि यदि उंची खाद्य मुद्रास्फीति अस्थाई होती तो एमपीसी उस पर गौर कर सकती थी। लेकिन लगातार खाने के सामान की उंची महंगाई के बीच एमपीसी ऐसा करने का जोखिम नहीं उठा सकती है। उन्होंने कहा, खाद्य मुद्रास्फीति के दूसरे क्षेत्र पर पड़ने वाले असर को रोकने और मौद्रिक नीति के जरिए अबतक प्राप्त लाभ को बनाए रखने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। एमपीसी ने बीते वर्ष फरवरी में नीतिगत दर में संशोधन किया था और इसे बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया था।

आरबीआई ने रेपो दर को ऐसे समय यथावत रखा है जब विकसित देशों में कई केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत दर में बदलाव किया है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने जहां पिछले सप्ताह ब्याज दर में कमी की वहीं बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दर को बढ़ाकर 2008 के बाद से उच्चस्तर पर किया है। साथ ही अमेरिका में रोजगार के कमजोर आंकड़ों के साथ मंदी की आशंका बढ़ी है। इससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दर में कटौती का दबाव बढ़ा है। केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत के अनुमान को भी कायम रखा है।

कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा कि वृद्धि मजबूत बनी रहने के साथ एमपीसी के पास अब भी मुद्रास्फीति में स्थाई आधार पर कमी के संकेत तक नीतिगत रुख पर कायम रहने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि दिसंबर से नीतिगत दर में कटौती की गुंजाइश होगी। इसके साथ अक्टूबर में नीति के रुख में बदलाव की संभावना हो सकती। रुख में बदलाव और नीतिगत दर में कटौती की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि घरेलू मुद्रास्फीति और वैश्विक परिवेश की स्थिति कैसी रहती है। डीबीएस बैंक की कार्यकारी निदेशक और वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा, जल्दी खराब होने वाले सामान के दाम के दबाव और शुल्क समायोजन के बीच एमपीसी ने मुद्रास्फीति को लेकर अपना सतर्क रुख बरकरार रखा है... घरेलू मांग की स्थिति को देखते हुए महंगाई पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। ऐसे में हमारा मानना है कि नीतिगत दर इस साल स्थिर ही रहेगी। गवर्नर ने इस बात पर चिंता जताई कि खुदरा ग्राहकों के लिए निवेश के वैकल्पिक माध्यम अधिक आकर्षक हो रहे हैं। इससे बैंकों में जमा में वृद्धि कर्ज के मुकाबले कम है। उन्होंने वैकल्पिक माध्यमों के बारे में स्पष्ट नहीं किया। लेकिन उनका आशय निवेशकों के शेयर बाजार की तरफ आकर्षित होने से है।

## राजस्थान से भाजपा विधायक अमृत लाल मीणा का निधन

**जयपुर।** राजस्थान में उदयपुर की सलूम्बर विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक अमृत लाल मीणा का बृहस्पतिवार को राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया। मीणा का अंतिम संस्कार सेमारी तहसील के लालपुरिया गांव में किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मंत्रियों- हेमंत मीणा, बाबूलाल खराडी एवं गौतम दक ने दिवंगत मीणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मीणा 65 वर्ष के थे। सीने में दर्द होने के बाद मीणा को उदयपुर के एमबी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। मीणा 2013 से तीन बार विधायक रहे थे। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ,पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित तमाम नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

# भारत में अस्थिरता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं : राष्ट्र सेविका समिति

**नई दिल्ली।** राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख शांता कुमारी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बांग्लादेश में मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में भारत में लोगों के बीच भ्रम और अस्थिरता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने हिंदू समाज से ऐसे किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सतर्क और एकजुट रहने का आह्वान किया। राष्ट्र सेविका समिति एक महिला संगठन है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसा ही संगठन है। कुमारी ने एक वीडियो बयान में दावा किया कि प्रधानमंत्री शेख हसीना की निर्वाचित सरकार को गिराए जाने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा, वहां हिंदू मंदिरों पर हमला हो रहा है, लड़कियों को अगवा किया जा रहा है...ए सभी कृत्य अस्वीकार्य हैं। राष्ट्र सेविका समिति इसकी निंदा करती है।

कुमारी ने दावा किया कि भारत में भी बांग्लादेश के हालात की पृष्ठभूमि में युवाओं के मन में भ्रम और अस्थिरता पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हिंदू समाज को एकजुट और सतर्क रहते हुए ऐसी भारत विरोधी ताकतों से मुकाबला करना आवश्यक है। मैं समस्त हिंदू समाज और राष्ट्र सेविका समिति की स्वयंसेवकों से अपील करती हूं कि वे एकजुट रहते हुए इस समस्या से निपटने का प्रयास करें। बांग्लादेश में छात्रों के प्रदर्शन के सत्ता के खिलाफ आंदोलन का रूप लेने के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। मध्य जुलाई से शुरू हुए प्रदर्शनों और हाल के दिनों में हिंसा में 560 लोगों की मौत हुई है। कई हिंदू मंदिरों, मकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़, महिलाओं पर हमले तथा हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या की खबरें आई हैं।

## बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों से कूटनीतिक तरीके से निपटेगा केंद्र : हिमंत विश्व शर्मा

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि केंद्र सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कथित हमलों से संबंधित मामले का राजनयिक माध्यमों से समाधान निकाल लेगी। आश्वासन दिया कि भारत सरकार धैर्य और सावधानी के साथ स्थिति का प्रबंधन कर रही है, हालांकि उसका ध्यान सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरी तरह से सील की जा चुकी भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी बनाए रखने पर है। मुख्यमंत्री ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, भारत सरकार बांग्लादेश की नई सरकार के साथ मिलकर राजनीतिक और राजनयिक माध्यमों से स्थिति से निपटेगी। हमें इस मामले पर ज्यादा कुछ नहीं कहने और धैर्य व सहनशीलता बनाए रखने के लिए कहा गया है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उस देश में हिंदुओं, सिखों, जैनियों, बौद्धों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठा रहे हैं।

## बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का विरोध, हिंदू महासभा ने सौंपा ज्ञापन

**भाषा।** मेरठ

**उत्तर प्रदेश** के मेरठ में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति हिंसा का विरोध किया और कहा कि संकटग्रस्त देश में सताए गए समुदाय के लोगों को तुरंत भारतीय नागरिकता दी जानी चाहिए। यहां बड़ी संख्या में लोग कंकरखेड़ा बाईपास फ्लाईओवर के नीचे एकत्र हुए और उन्होंने बांग्लादेशी कट्टरपंथियों का पुतला भी जलाया। सचिन सिरोही नामक एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हम प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि बांग्लादेश में रहने वाले सभी सनातनी हिंदुओं को तत्काल प्रभाव से भारतीय नागरिकता दी जाए। बांग्लादेश के जो सनातनी हिंदू भारत में रहना चाहते हैं, उन्हें यहां लाया जाना चाहिए। नहीं तो वहीं पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस बीच, हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को संबोधित इस ज्ञापन में बांग्लादेश में जारी संकट को रोकने और वहां हिंदुओं की सुरक्षा के लिए सरकार से हस्तक्षेप की अपील की गई। बांग्लादेश में पिछले दिनों बड़े पैमाने पर हिंसा फैलने के दौरान वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। हसीना के जाने के बाद सैकड़ों लोगों ने उनके आवास में घुसकर तोड़फोड़ और लूटपाट की। बांग्लादेश में पिछले एक पखवाड़े में 400 से अधिक लोग मारे गए हैं। खबरों के मुताबिक हिंसा में हिंदू समुदाय, मंदिर और प्रतिष्ठान भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

# पेज 1 का शेष

### वक्फ....

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। उन्होंने कहा कि विधेयक में सारी ताकत जिला अधिकारी को देने की बात कही गई है और सबको पता है कि एक जगह एक जिलाधिकारी ने क्या किया था। यादव ने दावा किया कि भाजपा अपने हताश निराश कट्टर समर्थकों के लिए यह विधेयक ला रही है। समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्ला नदवी ने कहा कि मुस्लिमों के साथ यह अन्याय क्यों किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया, संविधान को रौंदा जा रहा है...यह आप (सरकार) बहुत बड़ी गलती करने जा रहे हैं। इसका खामियाजा हमें सदियों तक भुगतना पड़ेगा। सपा सांसद ने कहा, अगर यह कानून पारित हुआ तो अल्पसंख्यक खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे... कहीं ऐसा नहीं हो कि जनता दोबारा सड़कों पर आ जाए। तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि यह विधेयक अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है तथा असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाला तथा सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ है। द्रमुक सांसद के. कनिमोझी ने कहा, यह दुखद दिन है। आज हम देख रहे हैं कि यह सरकार संविधान के खिलाफ सरेआम कदम उठा रही है। यह विधेयक संविधान, संघवाद, अल्पसंख्यकों और मानवता के खिलाफ है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने भी इस विधेयक का विरोध किया। जनता दल (यूनाइटेड) ने विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक मुस्लिम विरोधी नहीं है और इसे सिर्फ वक्फ संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता के लिए लाया गया है। जद (यू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने लोकसभा में कहा, कई (विपक्षी) सदस्यों की बातों से लग रहा है कि यह विधेयक मुसलमान विरोधी है। यह कैसे मुसलमान विरोधी है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने मंदिरों की बात की है, लेकिन मंदिर और संस्था में अंतर है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल विधेयक का राजनीतिकरण कर रहे हैं और जाति एवं धर्म का नाम लेकर इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को लाने का मकसद पारदर्शिता और जवाबदेही है। शिंदे ने कहा कि विपक्ष के लोग इस विधेयक के नाम पर भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से जुड़े इस विधेयक में वर्तमान अधिनियम में दूरगामी बदलावों का प्रस्ताव दिया गया है, जिसमें वक्फ निकायों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी शामिल है। वक्फ (संशोधन) विधेयक में वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 करने का भी प्रावधान है। लोकसभा सदस्यों के बीच मंगलवार रात इस विधेयक की प्रतियां वितरित की गईं थीं। विधेयक के उद्देश्यों और कारणों के विवरण के अनुसार, विधेयक में यह तय करने की बोर्ड की शक्तियों से संबंधित मौजूदा कानून की धारा 40 को हटाने का प्रावधान है कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। यह संशोधन विधेयक केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों की व्यापक आधार वाली संरचना प्रदान करता है और ऐसे निकायों में मुस्लिम महिलाओं तथा गैर-मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

### हाकी टीम..

भारतीय टीम के लिए हरमनप्रीत सिंह ने (30वें, 33वें मिनट) जबकि स्पेन के लिए मार्क मिरालेस (18वां मिनट) ने गोल दागे। आठ बार की चैम्पियन भारतीय पुरूष हॉकी टीम का यह 13वां ओलंपिक पदक है और पचास साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीते हैं। इससे पहले 1968 में मैक्सिको और 1972 में म्युनिख ओलंपिक में भारत ने कांस्य जीता था। सेमीफाइनल में नीदरलैंड से चार गोल से एकतरफा पराजय का सामना करने वाली स्पेनिश टीम ने आक्रामक शुरुआत की और पहले क्वार्टर में भारत को एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं बनाने दिया। भारत के पास छठे मिनट में खाता खोलने का मौका था जब हार्दिक सिंह ने सर्कल पर से डी के भीतर सुखजीत सिंह को पास दिया लेकिन वह सही निशाना नहीं साध सके। स्पेन के लिए 10वें मिनट में मोस मारिया बास्टेरा के शॉट का हरमनप्रीत ने बचाव किया। पहले क्वार्टर तक कोई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर में स्पेन को 18वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर मिरालेस ने आसानी से गोल कर दिया। स्पेन को दो मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन रोहिदास ने जबर्दस्त बचाव किया। रोहिदास ने खास तौर पर डिफेंस में बेहतरीन प्रदर्शन किया जिनकी कमी जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में उनके प्रतिबंधित होने के कारण खली थी। स्पेन की टीम 25वें मिनट में एक और गोल करने के करीब पहुंची जब गेरार्ड क्लापेस ने सुमित से गेंद छीनी और श्रीजेश के ठीक सामने उन्हें चकमा देकर गोल के भीतर डालने की कोशिश की और भारतीय टीम भाग्यशाली रही कि उनका निशाना ठीक नहीं लगा। स्पेन को दो मिनट बाद मिला पेनल्टी कॉर्नर भी बचा लिया गया। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 28वें मिनट में मिला लेकिन रोहिदास गोल नहीं कर सके। हाफटाइम से कुछ सेकंड पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके हरमनप्रीत ने भारत को बराबरी दिलाई। ब्रेक के बाद भारतीय टीम आक्रामक तेवरों के साथ उतरी और तीसरे ही मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके हरमनप्रीत ने 2-1 से बढ़त दिला दी। हरमनप्रीत का यह टूर्नामेंट में 11वां गोल था। दो मिनट बाद जवाबी हमले में स्पेन को मिले पीसी पर मिरालेस गोल नहीं कर सके। वहीं भारत को 37वें और स्पेन को 40वें मिनट में मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया। आखिरी पंद्रह मिनट में सुखजीत ने फिर एक मौका गंवाया जबकि स्पेन को 59वें मिनट में दो और फिर आखिरी मिनट में मिले दो और पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए।

### दुखी....

भूखा रहना, तरल पदार्थों से परहेज करना और पसीना बहाने के लिए पूरी रात जागना शामिल था। सेमी फाइनल में विनेश से हारने वाली क्यूबा की पहलवान युसनेलिस गुज़्मैन लोपेज़ ने फाइनल में भारतीय खिलाड़ी की जगह ली जहां वह अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट से हार गई। विनेश अब लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक विजेता बनने के लिए खेल पंचाट पर भरोसा कर रही हैं।

### पश्चिम बंगाल...

के बावजूद, भट्टाचार्य बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में एक सम्मानित व्यक्ति बने रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया और कहा कि वह एक ऐसे राजनीतिक दिग्गज थे जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की।

### मो. यूनुस...

अमीरात की उड़ान से स्वदेश लौटे। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां, वरिष्ठ अधिकारियों, छात्र नेताओं और नागरिक संस्थाओं के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। अपने आगमन के बाद ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को दूसरी आजादी बताया।

### सौर रेडियो...

ट्रांसमीटर लगाए जाएंगे, जो उनकी यात्रा और आराम करने की जगहों पर मूल्यवान आंकड़ें प्रदान करेंगे। जिन कॉलर को खरीदने की योजना बनाई गई है, उन्हें टिकाऊ और जलरोधक होना चाहिए, जिसमें जीपीएस लॉगिंग अंतराल 1 सेकंड से 48 घंटे तक हो और उच्च-आवृत्ति सेंसर (50 हर्ट्ज तक) हो जो त्वरण, चुंबकत्व, तापमान और प्रकाश की तीव्रता को माप सकें। वैज्ञानिक ने ऐसी तकनीकों की विशेषताओं के बारे में बताया कि ऐसे उपकरणों में नेटवर्क कनेक्शन की अनुपस्थिति में भी डेटा संग्रहण बनाए रखा जाता है, और ये उपकरण जीपीएस और जीएसएम शेड्यूल, रात के समय जीपीएस हाइबरनेशन और ऑनलाइन कंट्रोल पैनल के माध्यम से जियोफ़ेंस सेटिंग्स के लिए रिमोट कंट्रोल प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल, हम नहीं जानते कि ये पक्षी कौन से सटीक मार्ग अपनाते हैं... इस अध्ययन से हम उनके प्रमुख पड़ावों के साथ-साथ उनके व्यवहार का भी पता लगा पाएंगे। एंसर परिवार का हिस्सा बार-हेडेड गीज़ अपने अनोखे और आकर्षक पंखों से पहचाना जाता है। उनके सिर और गर्दन पर प्रमुख काली धारियों और चमकीले नारंगी-पीले रंग की चोंच और पैरों के साथ सफ़ेद और भूरे रंग के पंखों का एक विशिष्ट संयोजन होता है। उनके पंखों का फैलाव 140 से 160 सेमी तक होता है। हालाँकि नर और मादा काफी हद तक एक जैसे दिखते हैं, लेकिन नर मादाओं की तुलना में थोड़े बड़े होते हैं। प्रत्येक वर्ष वूलर झील पर आने वाले पक्षियों में अन्य पक्षियों के अलावा मॉलर्ड, ग्रेलैग गीज़, पोचर्ड, कॉमन टील, शॉवलर्स, पिनटेल और घरवाल शामिल हैं, जो आमतौर पर अक्टूबर और अप्रैल के बीच आते हैं।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 9 अगस्त 2024



# लोकतंत्र बहाल होने पर शेख हसीना स्वदेश लौटेंगी

## आईएसआई फैला रही अशांतिः हसीना के बेटे ने कहा

**भाषा।** कोलकाता

**प्रधानमंत्री** पद से इस्तीफा देकर बांग्लादेश से भारत पहुंचीं शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश में लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां अपने देश लौटेंगी। उन्होंने कहा कि उनके देश में अशांति फैलाने में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। एक विशेष साक्षात्कार में जॉय ने कहा कि हालांकि 76 वर्षीय हसीना निश्चित रूप से बांग्लादेश लौटेंगी, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि वह सेवानिवृत्त नेता के रूप में लौटेंगी या सक्रिय नेता के रूप में। उन्होंने यह भी कहा कि शेख मुजीब (शेख मुजीबुर रहमान) परिवार के सदस्य न तो अपने लोगों को छोड़ेंगे और न ही संकटग्रस्त अवामी लीग को बेसहारा छोड़ेंगे। जॉय ने अपनी मां की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भारत से अंतरराष्ट्रीय राय बनाने में मदद करने और बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली के लिए दबाव बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा, हां, यह सच है कि मैंने कहा था कि वह बांग्लादेश नहीं लौटेंगी। लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर लगातार हमलों के बाद पिछले दो दिन में बहुत कुछ बदल गया है। अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अब हमें जो भी करना होगा वह करने जा रहे हैं। हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे। जॉय ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, बांग्लादेश में अवामी लीग सबसे बड़ी और सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है, इसलिए हम अपने लोगों से दूर नहीं जा सकते। लोकतंत्र बहाल होने के बाद वह (हसीना) निश्चित तौर पर बांग्लादेश लौटेंगी। अवामी लीग को भारत की सदाबहार सहयोगी करार देते हुए उन्होंने कहा कि नई दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाकर बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। बांग्लादेश में बनने वाली अंतरिम सरकार से जॉय ने कानून एवं व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया और कहा कि देश अराजकता के गर्त में जा रहा है तथा क्षेत्र में दूसरा अफगानिस्तान बन रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि जब भी लोकतंत्र बहाल होगा और नया चुनाव होगा तो अंतरिम सरकार समान अवसर तैयार करेगी। जॉय ने कहा, आप अवामी लीग को बाहर नहीं कर सकते हैं और बांग्लादेश में कभी भी प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं रख सकते हैं। उनके (मोहम्मद यूनुस) व्यक्तिगत विचार जो भी हों, उन्होंने कहा है कि वह एकता सरकार चाहते हैं तथा आगे बढ़ना चाहते हैं और अतीत की गलतियों की पुनरावृत्ति नहीं होने देना चाहते हैं। मुझे आशा है कि वह अपनी बात पर कायम रहेंगे। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस आज (बृहस्पतिवार) को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने वाले हैं। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गईं। उन्होंने सोमवार को बांग्लादेश के सैन्य विमान से दिल्ली के पास स्थित हिंडन वायुसेना स्टेशन के लिए उड़ान भरी। जॉय ने कहा कि लोकतंत्र बहाल हो जाने पर अवामी लीग या बीएनपी सत्ता में आएगी, और मुजीब परिवार तथा शेख हसीना साथ में रहेंगे। उन्होंने कहा, वह पिछले दो दिन से हमारी पार्टी के सभी नेताओं के संपर्क में हैं। मेरी मां जल्द ही सेवानिवृत्त होने वाली थीं, इसलिए हमने सोचा कि अब वह चली गई हैं, तो वे (दंगाई) हमारी पार्टी के लोगों से कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय, उन्होंने हमले शुरू कर दिए। जॉय ने इस सवाल पर सीधे टिप्पणी नहीं की कि क्या वह और विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई मामलों की क्षेत्रीय निदेशक के रूप में कार्यरत उनकी बहन साइमा वाजेद राजनीति में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह

बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता से बचाने के लिए जो कुछ भी करना होगा उसे करेंगे। हसीना के पूर्व सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सलाहकार जॉय ने कहा, मैं इस प्रश्न का कोई पक्का उत्तर नहीं दे सकता। लेकिन मैं बांग्लादेश को बचाने और अवामी लीग की रक्षा के लिए जो भी करना होगा वह करूंगा। मुजीब परिवार उन्हें बेसहारा नहीं छोड़ेगा। बांग्लादेश में अशांति फैलाने के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराते हुए जॉय ने कहा कि ऐसे परिस्थितिजन्य साक्ष्य हैं जो विदेशी हस्तक्षेप और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की कथित संलिप्तता का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए मुझे पूरा यकीन हैअ मुझे पाकिस्तान की आईएसआई की संलिप्तता का संदेह है। हमले और विरोध प्रदर्शन बहुत समन्वित और योजनाबद्ध थे तथा सोशल मीडिया के माध्यम से स्थिति को भड़काने के लिए जानबूझकर प्रयास किए गए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए क्या किया, लेकिन वे (प्रदर्शन से जुड़े लोग) इसे और खराब करने की कोशिश करते रहे। जॉय ने यह भी उल्लेख किया कि दंगाइयों ने पुलिस पर बंदूकों से हमला किया जो केवल आतंकवादी संगठनों और विदेशी शक्तियों द्वारा प्रदान की गई होंगी। सीआईए जैसी अमेरिकी खुफिया एजेंसी की संलिप्तता से जुड़े सवाल पर जॉय ने कहा कि उनके पास कोई सबूत नहीं है, लेकिन हो सकता है कि उनका हाथ हो। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि स्थिति को भड़काने में चीन की कोई संलिप्तता हो सकती है। हसीना द्वारा ब्रिटेन या किसी अन्य देश में शरण मांगे जाने की खबरों को अफवाह बताकर खारिज करते हुए जॉय ने कहा कि उनका अमेरिकी वीजा रद्द किए जाने की खबरें भी झूठी हैं। जॉय ने कहा, इस तरह की (शरण की मांग) कोई भी योजना नहीं बनाई गई है। देर-सबेर, बांग्लादेश में लोकतंत्र की बहाली होगी और उम्मीद है कि यह बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) तथा अवामी लीग के बीच होगी। तब शेख हसीना वापस जाएंगी। यह संकेत देते हुए कि बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री फिलहाल भारत में किसी अज्ञात स्थान पर रहेंगी, जॉय ने कहा, इस समय वह बांग्लादेश वापस जाना चाहती हैं। यह यदि के बजाय कब का प्रश्न है। पने बचपन का अधिकांश समय भारत में पढ़ाई करते हुए बिताने वाले जॉय ने भारत सरकार से क्षेत्र में स्थिरता के लिए बांग्लादेश में लोकतंत्र की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा, मैं अपनी मां की रक्षा के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं प्रधानमंत्री मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यदि भारत अपने पूर्वी क्षेत्र में स्थिरता चाहता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर दबाव डालना होगा और लोकतंत्र की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने के लिए नेतृत्व करना होगा। बांग्लादेश में इंडिया-आउट अभियान से संबंधित सवाल पर जॉय ने कहा, भारत विरोधी ताकतें पहले से ही बहुत सक्रिय हैं, और अवामी लीग के सत्ता से बाहर होने के बाद आईएसआई अब भारत विरोधी ताकतों को जितने चाहें उतने हथियारों की आपूर्ति करने के लिए स्वतंत्र है। जॉय ने कहा कि इससे पहले कि भारत विरोधी ताकतें और मजबूत हों, भारत को तेजी से कार्वाई करनी चाहिए। इन दावों का खंडन करते हुए कि हसीना अपनी जान बचाने के लिए भाग गईं, जॉय ने कहा कि उनके परिवार ने रक्तपात रोकने को प्राथमिकता दी। जॉय ने कहा, वह देश छोड़ने को तैयार नहीं थीं। प्रधानमंत्री की सुरक्षा टीम अंत तक उनकी सुरक्षा के लिए तैयार थी। लेकिन इससे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मौत हो जाती जो प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे। हमने बांग्लादेश की खातिर उन्हें (हसीना) मना लिया। हम उन्हें मरने नहीं देना चाहते थे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार कमजोर नहीं थी, लेकिन मेरी मां छात्रों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहती थीं। उनके देश छोड़ने के बाद भी खून-खराबा नहीं रुका है। लोग अब शेख हसीना के साथ और उनके बिना भी अंतर समझेंगे।

## विकास गतिविधियों के चलते बीते 10 वर्षों में 1,700 वर्ग किमी से अधिक वन क्षेत्र खत्म हुआ : भूपेंद्र यादव

**नई दिल्ली।**(भाषा) सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकास गतिविधियों के कारण पिछले 10 वर्षों में 1,700 वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र खत्म हो गया लेकिन प्रतिपूरक वनरोपण के लिए भूमि का अधिग्रहण भी किया गया है। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने यह भी कहा कि देश का समेकित समग्र वन क्षेत्र बढ़ा है एवं सरकार इसे और बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि पांच पूर्वोत्तर राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम और मेघालय - में वन क्षेत्र कम हो गया है, जबकि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, कर्नाटक और झारखंड जैसे राज्यों में वन क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा पिछले 10 वर्षों में विकास गतिविधियों के कारण।,73,396 हेक्टेयर (1733 वर्ग किमी) वन क्षेत्र खत्म हो गया है। हालांकि प्रतिपूरक वनरोपण के तहत भूमि का अधिग्रहण भी किया गया है। इसके कारण 21,761 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बढ़ा है। इस प्रकार सरकार ने वन क्षेत्र के नुकसान की भरपाई की है।

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद नारायण दास गुप्ता ने पूछा कि क्या सरकार ने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कोई सर्वेक्षण किया है या कोई तंत्र विकसित किया है, ताकि जानमाल की हानि को रोका जा सके? इस पर जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार हर दो साल में वन सर्वेक्षण करती है। हालांकि, घटनाएं

आपदा प्रबंधन का विषय है और राज्य सरकारें इस पर गौर करती हैं। यादव ने कहा यदि मंत्रालय किसी एजेंसी को कोई परियोजना की अनुमति देता है, तो यह सुनिश्चित करता है कि उस क्षेत्र की मिट्टी और नमी सुरक्षित रहे। इसके अलावा, यह पहाड़ी क्षेत्रों में वन्यजीवों के लिए मार्ग भी सुनिश्चित करता है, ताकि उनके आवागमन के दौरान उन्हें किसी भी बाधा का सामना न करना पड़े। कांग्रेस की रंजीत रंजन ने दावा किया कि।,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वन क्षेत्र कम हो रहा है, फिर भी सरकार इन क्षेत्रों के लिए परियोजनाओं को मंजूरी दे रही है। रंजन ने उत्तराखंड में भागीरथी चार धाम परियोजना का मुद्दा भी उठाया और कहा कि सरकार वन क्षेत्रों को खत्म कर रही है। इस पर यादव ने कहा पांच राज्यों में वन क्षेत्र में कमी आई है, उत्तराखंड इस सूची में नहीं है। पूर्वोत्तर राज्यों में वन क्षेत्र में कमी सीमित क्षेत्रों तक सीमित है। यादव ने कहा कि सरकार का कर्तव्य है कि वह उन राज्यों का विकास करे और वहां सड़क, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए। राकांपा की फौजिया खान ने कहा कि मंत्रालय ने करीब बीस लाख पेड़ों को काटने की आवश्यकता वाली 80 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि विकल्प के रूप में फंड प्रबंधन के साथ वनरोपण किया जा सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या कोई ऐसा आंकड़ा है जिससे पता लगता हो कि नया वनरोपण लाखों एकड़ अछूते वन क्षेत्र का प्रतिस्थापन है। इस पर यादव ने कहा कि पेरिस समझौते के अनुसार, सरकार अपने कुल हरित क्षेत्र को 33 प्रतिशत तक बढ़ाएगी। इसे बढ़ाना होगा और इसके लिए सरकार के पास वृक्षारोपण बढ़ाने की योजनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण बढ़ाने का भी प्रयास कर रही है।

**गडकरी की तरह सभी मंत्री हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाए: कीर्ति आजाद:** नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यों की सराहना करते हुए लोकसभा में कहा कि अगर सरकार के सभी मंत्री उनकी तरह हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाएगा। आजाद ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए यह टिप्पणी की।पश्चिम बंगाल के वर्धमान दुर्गापुर से लोकसभा सदस्य आजाद ने कहा, वह (गडकरी) जिस तरह से काम करते हैं, उसके लिए केवल मैं नहीं, पूरा सदन उनका कायल है। काश बाकी मंत्री भी ऐसे ही हो जाएं तो देश का उद्धार हो जाए।

## बांग्लादेश के लोगों का हित हमारे लिए सबसे महत्वपूर्णः विदेश मंत्रालय

**नई दिल्ली।** बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यभार संभालने की संभावना के बीच भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश के लोगों का हित उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भारत ने बांग्लादेश में जल्द कानून-व्यवस्था बहाल होने की भी उम्मीद जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, जहां तक भारत का सवाल है, बांग्लादेश के लोगों के हित हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में स्थिति अभी लगातार बदल रही है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत से कब जाएंगी, इस बारे में सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमें उनकी योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

## ईडी के सहायक निदेशक 20 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में ईडी के एक सहायक निदेशक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन और चार अगस्त को जौहरी के परिसरों पर छापेमारी की थी जिसके बाद सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव ने उन्हें 25 लाख रुपए न देने पर जौहरी के बेटे को गिरफ्तार करने की कथित तौर पर धमकी दी थी।

# बांग्लादेश में चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो, भारत का प्रभाव बना रहेगा: शौर्य डोभाल

**नई दिल्ली।** (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक शौर्य डोभाल ने कहा है कि बांग्लादेश में चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो, भारत का प्रभाव और पहुंच मजबूत बनी रहेगी तथा उसकी मित्र शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने से लगने वाला कोई भी झटका अस्थाई ही होगा। डोभाल ने साथ ही कहा कि भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एक बड़ा, मित्रवत और उदार राष्ट्र है, लेकिन वह अपने हितों की दृढ़ता से रक्षा करना भी जानता है। उन्होंने आगाह किया कि बांग्लादेश में किसी को भी भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ विशेष बातचीत में कहा कि बांग्लादेश भी भारत के साथ संबंधों के महत्व को भलीभांति समझता है, चाहे वहां कोई भी सरकार सत्ता में हो। उन्होंने कहा, एक बार जब ए चीजें स्थिर हो जाएंगी, तो सबकुछ सामान्य हो जाएगा और भारत अपने संबंधों को नए

सिरे से मजबूत करेगा। नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गईं। उन्होंने सोमवार को बांग्लादेश के सैन्य विमान से दिल्ली के पास स्थित हिंडन वायुसेना स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी।बांग्लादेश में संकट के बारे में बात करते हुए डोभाल ने कहा, बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, पहली बात तो यह उसका आंतरिक मामला है, लेकिन यदि हम भारत के परिप्रेक्ष्य से देखें, तो शेख हसीना के रूप में हमारे पास एक मित्रवत सरकार थी, जिसके साथ हमारे संबंध सहज और सुलभ थे। उन्होंने कहा, संबंध बहुत अच्छे थे और हम अपने सीमा विवादों को सुलझाने में सक्षम थे तथा यह भी सुनिश्चित किया गया था कि बुनियादी ढांचे के विकास समेत हमारे आर्थिक हितों की पूर्ति हो। डोभाल ने कहा, जब किसी देश में इस तरह की चीजें होती हैं, तो कुछ समय के लिए इसका असर भारत पर पड़ता है, लेकिन दीर्घावधि में बांग्लादेश में भारत का प्रभाव, दृष्टिकोण और पहुंच सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत के पास सभी राजनीतिक दलों के साथ बातचीत करने की क्षमता है और वहां अगली सरकार चाहे जिसकी भी बने, भारत उनके साथ बातचीत करेगा तथा वहां उसका प्रभाव और पहुंच बनी रहेगी। डोभाल ने कहा कि कुछ धारणाएं हो सकती हैं जिन्हें शुरू में ठीक करने की जरूरत है, क्योंकि भारत ने शेख हसीना के साथ संबंधों को लेकर लंबे समय तक काम किया है। उन्होंने कहा, लेकिन यह केवल एक धारणा मात्र है और एक बार जब हम सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार को उसी प्रकार का समर्थन प्रदान करने में सक्षम हो जाएंगे, तो इस बात का ध्यान रखा जाएगा। डोभाल ने कहा, भारत एक बड़ा देश है, भारत एक मित्र देश है, लेकिन एक सीमा से आगे अगर भारत के हितों को ठेस पहुंचेगी तो वह उसे सहन नहीं करेगा।

## थूक लगाकर मसाज करने वाला मुस्लिम नाई गिरफ्तार

**कन्नौज।** कन्नौज जिले के तालग्राम इलाके में एक ग्राहक के चेहरे पर कथित रूप से थूक लगा कर मसाज करने वाले नाई का वीडियो सामने आने के एक दिन बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय प्रशासन ने उसकी अस्थाई दुकान (सैलून) को बुलडोजर से गिरा दिया। जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित कुमार आनंद ने कहा,ैहमें एक वीडियो के बारे में सूचना मिली थी जिसमें यूसुफ नामक एक नाई को एक ग्राहक के चेहरे पर थूक लगाते हुए देखा गया। शिकायत पर कार्वाई करते हुए हमने बुधवार रात यूसुफ को गिरफ्तार कर लिया।ै पुलिस के अनुसार उक्त घटना एक पखवाड़े पहले हुई थी, लेकिन वीडियो हाल में पोस्ट किया गया था। बुधवार को वीडियो वायरल होने लगा। पुलिस क्षेत्राधिकारी कपूर कुमार ने कहा,ैवीडियो में आरोपी नाई ग्राहक के चेहरे पर क्रीम लगाता हुआ दिखाई दे रहा है। ऐसा करते समय वह रुकता है, अपनी हथेलियों में थूकता है और ग्राहक के चेहरे पर लगाता हैै। स्थानीय प्रशासन ने बृहस्पतिवार को मौके पर पहुंचकर अस्थाई सैलून को बुलडोजर से गिरा दिया। सीओ ने कहा, सैलून टिन की चादर से बना था और यह अतिक्रमण था।

## विपक्षी सदस्यों के अमर्यादित आचरण से दुखी धनखड़ कार्यवाही के बीच आसन छोड़कर चले गए

**नई दिल्ली।** राज्यसभा में बृहस्पतिवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों के अमर्यादित आचरण से दुखी होकर सभापति जगदीप धनखड़ यह कहते हुए आसन छोड़कर चले गए कि वह कुछ समय के लिए सदन में बैठने में खुद को सक्षम नहीं पा रहे हैं। इस घटनाक्रम से धनखड़ और विपक्षी दलों के बीच असहज संबंध एक बार फिर सामने आ गए। सुबह उच्च सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर सूचीबद्ध दस्तावेज सदन में पेश किए जाने के तुरंत बाद विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे पर चर्चा की मांग की और जानना चाहा कि इसके पीछे कौन है। हालांकि, धनखड़ ने खरगे को यह मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन कुछ मुद्दे उठाने के लिए खड़े हुए लेकिन सभापति ने उन्हें अनुमति नहीं दी।

# मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध किया

## धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप बताया

**भाषा।** नई दिल्ली

**वक्फ अधिनियम** 1995 में संशोधन के लिए बृहस्पतिवार को संसद में पेश विधेयक का प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के दोनों गुटों-अशरद मदनी व महमूद मदनी और जमात-ए-इस्लामी हिंद ने विरोध करते हुए इसे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करार दिया तथा सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए।कुछ विशेषज्ञों ने इस संशोधन विधेयक की सराहना करते हुए इसे धार्मिक दान के प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में एक जरूरी कदम बताया है लेकिन सरकार को अधिकार देने की तीखी आलोचना भी की जा रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश किया गया। जमीयत (एएम गुट) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन भारतीय संविधान द्वारा प्राप्त धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ हैं।

संगठन की ओर से जारी एक बयान में सैयद अरशद मदनी ने कहा कि वक्फ द्वारा प्राप्त होने वाले धन को सरकार मुसलमानों में वितरित करेगी, जो धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप है और यह मुसलमानों को स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि वक्फ मुसलमानों के महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्यों में शामिल है। बुजुर्ग मुस्लिम नेता ने दावा किया इन संशोधनों द्वारा सरकार वक्फ की संपत्तियों की स्थिति और स्वभाव को बदल देना चाहती है ताकि उन पर कब्ज़ा करना आसान हो जाए। वहीं, जमीयत (एमएम गुट) के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि संशोधन विधेयक वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा के लिए हानिकारक है, क्योंकि इससे सरकारी एजेंसियों को अनावश्यक हस्तक्षेप का अवसर मिलेगा, जिससे वक्फ की मूल स्थिति और अल्लाह के स्वामित्व की अवधारणा का हनन होगा। राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा कि वक्फ अधिकरण के बजाय जिला कलेक्टर को वक्फ संपत्तियों के स्वामित्व और कब्जे से संबंधित मुद्दों और विवादों को राजस्व कानूनों के अनुसार हल करने का अधिकार दिया जाना, एक तरह से वक्फ बोर्ड को खत्म करने के समान है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वक्फ़ संबंधी कानून में कोई भी परिवर्तन धार्मिक वर्गों और मुस्लिम संस्थानों की सहमति से किया जाए। उच्चतम न्यायालय की वकील रमीषा जैन ने विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर जोर देते हुए इसे धार्मिक मामलों के प्रशासन में समानता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और आधारभूत कदम बताया। जैन ने कहा कि संशोधनों का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, जवाबदेही में सुधार करना और वक्फ संपत्तियों को अतिक्रमण और कुप्रबंधन से बचाना है। उच्चतम न्यायालय के एक अन्य वकील जतिंदर चीमा ने कहा कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और रखरखाव को आधुनिक बनाने की दिशा में काम करेगा। चीमा ने विधेयक में महिलाओं और अल्पसंख्यक पंथों को शामिल करने सहित व्यापक प्रतिनिधित्व के प्रावधानों पर प्रकाश डाला।

## विरोध करने वाले मुसलमानों के दुश्मनः भाजपा

**नई दिल्ली।** लोकसभा में पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर आपत्ति जताने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन्हें गरीब मुसलमानों का दुश्मन करार दिया।अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद के निचले सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया और विपक्षी दलों की आपत्ति के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक, 2024 भी पेश किया।विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के कई सांसदों ने प्रस्तावित कानून को संविधान पर हमला बताया और कहा कि इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाना है।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विधेयक के खिलाफ विपक्षी दलों के विरोध को वोट बैंक की राजनीति करार दिया।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जो लोग वक्फ संशोधन का आज विरोध कर रहे हैं, वे गरीब मुसलमानों के दुश्मन हैं और वे संभ्रांत भूमि माफियाओं और जमीन जिहादियों के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि यदि वक्फ अधिनियम में संशोधन पारित हो जाता है तो इससे संवैधानिक सिद्धांतों, पारदर्शिता, जवाबदेही, वित्तीय लेखा परीक्षा, निगरानी और वक्फ संपत्तियों के सत्यापन के साथ संतुलन सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि संशोधनों से वक्फ संपत्तियों का उचित उपयोग, निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी और मुसलमानों के अन्य संप्रदायों के सदस्यों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी।उन्होंने कहा, लाखों एकड़ जमीन (वक्फ बोर्ड के तहत) लेकिन आय के रूप में 200 करोड़ रुपए से भी कम। लाभ केवल अमीर कुलीन मुसलमानों को मिल रहा है। पूनावाला ने कहा, जमीन हड़पने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है। क्या पारसियों, हिंदुओं, जैनियों, ईसाइयों को ऐसे अधिकार हैं? उन्होंने दावा किया कि अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को मुसलमानों का समर्थन है जिसमें आगा खानी, बोहरा, पिछड़े वर्ग के मुस्लिम और महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, यह मुस्लिम विरोधी कैसे हो सकता है जब मुस्लिम खुद सुधार चाहते हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह संशोधन विधेयक महिलाओं, पिछड़ों और समुदाय में गरीब लोगों सहित मुस्लिम समाज की प्रगति के लिए लाया गया है।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संसद परिसर में कहा, उन्होंने शाहबानो, तीन तलाक का विरोध किया और अब वे इसका भी विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि सरकार मुस्लिम समाज के हित में विधेयक लाई है, जिसमें मुस्लिम समाज की महिलाएं भी शामिल हैं।उन्होंने कहा, सैकड़ों वर्षों से वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा करने वालों को दर्द हो रहा है। एक अन्य केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने विधेयक पर विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रस्तावित संशोधन मुस्लिम समाज की प्रगति की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

# मुर्मू व न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन ने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई

भाषा। वेलिंगटन



**राष्ट्रपति द्रौपदी** मुर्मू और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बृहस्पतिवार को खासतौर से शिक्षा, व्यापार और संस्कृति में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मुर्मू तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण के तहत बुधवार को न्यूजीलैंड पहुंचीं। यहां पहुंचने पर उन्हें शाही सलामी गारद दिया गया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को बढ़ावा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ चर्चा की। दोनों पक्षों ने खासतौर से शिक्षा, व्यापार और संस्कृति में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इससे पहले, मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो और उपप्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यूजीलैंड की गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। बाद में, पीटर्स ने भी राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। पीटर्स न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री भी हैं। मुर्मू के कार्यालय ने कहा, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को रेखांकित किया और कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में बात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, शिक्षा हमेशा मेरे दिल के करीब रही है। मैंने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव किया है। शिक्षा केवल एक व्यक्तिगत प्रयास नहीं है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत में शिक्षा व्यवस्था एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुर्मू ने कहा कि भारत ने विविध क्षेत्रों में नेता दिए हैं जो न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में योगदान दे रहे हैं।

# शांतिपूर्ण तरीके से हो भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे का समाधान : संरा प्रमुख प्रवक्ता

भाषा। संयुक्त राष्ट्र



**संयुक्त राष्ट्र** प्रमुख एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा है कि कश्मीर मुद्दे का अंतिम समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत शांतिपूर्ण तरीकों से और मानवाधिकारों का पूर्ण सम्मान करते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच 1972 में हुए शिमला समझौते का जिक्र किया जिसमें किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को खारिज किया गया है। महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने बुधवार को यहां दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, कश्मीर पर हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत पाकिस्तान से कहता रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख देश का अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। भारत द्वारा पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध और खराब हो गए थे। हक ने यह टिप्पणी एक फलस्तीनी पत्रकार द्वारा कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के रुख और अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के पांच साल बाद वहां की स्थिति के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित मुद्दे का अंतिम समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से और मानवाधिकारों का पूर्ण सम्मान करते हुए किया जाना है। हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का रुख संयुक्त राष्ट्र के चार्टर और सुरक्षा परिषद के लागू प्रस्तावों के आधार पर तय होता है। उन्होंने कहा, महासचिव भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर 1972 के समझौते को भी ध्यान में रखते हैं जिसे शिमला समझौता के नाम से भी जाना जाता है। शिमला समझौते पर 1972 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फीकार अली भुट्टो ने हस्ताक्षर किए थे।

## काठमांडू में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

**काठमांडू।** नेपाल की राजधानी काठमांडू के उत्तर-पश्चिम में बुधवार को पहाड़ से टकरा कर एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नुवाकोट जिले के सरकारी प्रशासक कृष्ण प्रसाद हुमागाईं ने बताया कि मलबे से चार पुरुषों और एक महिला के शव निकाले गए है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस और सेना के बचाव दल इलाके में पहुंच गए है तथा अभियान में सहायता के लिए दो हेलीकॉप्टर भी भेजे गए है। दुर्घटना सूर्यचौर क्षेत्र में जंगल के बीच एक पहाड़ी पर हुई। हेलीकॉप्टर ने स्थानीय समयानुसार अपराह्न 1:54 बजे काठमांडू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और यह स्याफ्रुबेसी शहर की ओर जा रहा था। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के एक बयान के अनुसार यह हेलीकॉप्टर नेपाल की विमानन कंपनी एयर डायनेस्टी का था और उड़ान भरने के तीन मिनट बाद ही टावर से इसका संपर्क टूट गया था। अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार चारों यात्री चीन के नागरिक थे वहीं पायलट नेपाल का नागरिक था।

## आमना बलोच हो सकती हैं पाकिस्तान की नई विदेश सचिव : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। अनुभवी राजनयिक आमना बलोच पाकिस्तान की नई विदेश सचिव होंगी। बृहस्पतिवार को मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है। द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, यूरोपीय संघ, बेल्जियम और लक्जमबर्ग में पाकिस्तान की राजदूत बलोच 11 सितंबर को अपना पदभार संभालेंगी। वह वर्तमान विदेश सचिव डॉ. सायरस सज्जाद काजी की सेवानिवृत्ति के बाद उनका स्थान लेंगी। खबर में प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नए विदेश सचिव की नियुक्ति के लिए विदेश मंत्री के तौर पर उप प्रधानमंत्री इशाक डार की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। पाकिस्तान विदेश सेवा की 1991 बैच की अधिकारी बलोच एक महीने में ही शहबाज सरकार द्वारा नियुक्त दूसरी महिला संघीय सचिव बनने जा रही है। इससे पहले अंबरीन जान को इसी महीने सूचना एवं प्रसारण सचिव नियुक्त किया गया था। इतिहास विषय से स्नातकोत्तर डिग्री धारक बलूच मलेशिया में पाकिस्तान की उच्चायुक्त रह चुकी हैं। इससे पहले उन्होंने विदेशों में स्थित दूतावासो मे विभिन्न पदो पर कार्य किया है। वह चीन के चेंग्दू मे पाकिस्तान की महावाणिज्यदूत के पद पर भी रही है।

## रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की घुसपैठ के खिलाफ लड़ाई जारी: अधिकारी

कीव। यूक्रेन की सीमा से लगे रूस के कुर्स्क क्षेत्र के एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उस क्षेत्र मे लड़ाई जारी है, जहां इस सप्ताह यूक्रेनी सेना ने घुसपैठ की थी।यूक्रेन के अधिकारियो ने सुदजा शहर के आसपास जारी अभियान को लेकर कोई टिप्पणी नही की है। कुर्स्क के कार्यवाहक डिप्टी गवर्नर आंद्रेई बेलोस्तोत्स्की ने कहा कि रूसी सेना यूक्रेनियो को क्षेत्र में आगे बढ़ने से रोकने के लिए संघर्ष कर रही है। सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए-नोवोस्ती की खबर के अनुसार बेलोस्तोत्स्की ने कहा, दुश्मन एक इंच भी आगे नही बढ़ा है, इसके विपरीत, वह पीछे हट रहा है। दुश्मन के उपकरणों और हथियारो को नष्ट किया जा रहा है। ` उम्मीद है कि निकट भविष्य में... दुश्मन को रोक लिया जाएगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को इस घुसपैठ को बड़े पैमाने पर उकसावे वाली कार्वाई बताया। पुतिन ने असैन्य भवनों, आवासीय इमारतो, एंबुलेंसो पर विभिन्न प्रकार के हथियारों से अंधाधुंध गोलाबारी किए जाने का दावा करते हुए इस पर चर्चा करने के लिए अपने शीर्ष रक्षा एवं सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी। उन्होंने मंत्रिमंडल को कुर्स्क क्षेत्र में सहायता के सिलसिले में तत्काल कायम करने का निर्देश दिया था। यह लड़ाई मास्को से लगभग 500 किलोमीटर की दूरी पर चल रही है।

# बांग्लादेश के हालात पर नजर बनाए हुए हैं: ब्रिटिश विदेश मंत्री लैमी



**लंदन।** ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने बृहस्पतिवार को ब्रिटिश और भारतीय विदेश मंत्रियों के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि ब्रिटेन बांग्लादेश में हो रही घटनाओं पर नजर रखने और प्रतिक्रिया देने के लिए भारत से संपर्क बनाए हुए है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने बुधवार को उन्हें फोन किया और इस दौरान दोनों ने बांग्लादेश व पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के सूत्रों ने केवल इस बात की पुष्टि की कि दोनों के बीच बातचीत हुई है, लेकिन अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना की लंदन यात्रा की कथित योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। एफसीडीओ के प्रवक्ता ने कहा, ब्रिटेन सरकार बांग्लादेश में नवीनतम घटनाओं पर नजर रखने और प्रतिक्रिया देने के लिए भारत सरकार और क्षेत्र के अन्य साझेदारों के साथ संपर्क में है। विस्तृत विवरण के संबंध में मंत्रालय ने इस सप्ताह के शुरू में लैमी के बयान की ओर इशारा किया, जिसमें पिछले कुछ सप्ताहों की

## सरकार गिरने के बाद से बांग्लादेश में 232 लोगों की मौत

**ढाका।** बांग्लादेश मे शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद हुई हिंसक घटनाओं में देशभर में कम से कम 232 लोगों की मौत हुई है। इसी के साथ जुलाई के मध्य में शुरू हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शन के बाद से मरने वालों का आंकड़ा 560 हो गया है। मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों मे यह जानकारी दी गई है। हसीना ने अपने शासन के खिलाफ कई हफ्ते तक चले छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर भाग गईं। प्रोथोम अलो अखबार के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बुधवार शाम तक कुल 232 लोगों की मौत हो चुकी थी। इससे पहले, 16 जुलाई से चार अगस्त तक सरकारी नौकरियों मे आरक्षण व्यवस्था को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हुई झड़पों मे लगभग 328 लोग मारे गए थे।

## बीएसएफ ने मेघालय में बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

**शिलांग।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पत्थर इकट्ठा करने के लिए मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में घुसने के बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह के प्रयास को विफल कर दिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि बुधवार दोपहर को करीब पांच-छह नौकाओं मे सवार बांग्लादेशी नागरिकों के एक समूह ने पत्थर इकट्ठा करने के लिए जिले के रानीकोर इलाके में नदी के किनारे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की।बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि बीएसएफ ने बांग्लादेशी नागरिकों से पहले मौखिक रूप से पीछे हटने को कहा, लेकिन उन्होने उनकी बात नही मानी, जिसके बाद बीएसएफ को गोलीबारी करनी पड़ी। उन्होंने बताया कि घुसपैठियो का इरादा अपनी नाव में पत्थर इकट्ठा करना था और उनके अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते ही बीएसएफ जवानों को गोलीबारी करनी पड़ी, जिसके बाद वे वहां से भाग गए। पड़ोसी देश में अस्थिर राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर मेघालय और पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य राज्यो में बीएसएफ हाई अलर्ट पर है। राज्य सरकार ने शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लगा दिया है ताकि बीएसएफ पूरी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नियंत्रण रख सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि रात में कोई अवैध गतिविधि न हो। राज्य सरकार ने बीएसएफ और राज्य पुलिस से प्रतिकूल सूचना मिलने के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमावर्ती हाट में कारोबार को भी अस्थाई रूप से रोक दिया है।

## भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को तत्काल रोके जाने का आह्वान किया

**न्यूयॉर्क**-वाशिंगटन। दो प्रमुख भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा को तत्काल रोके जाने का आह्वान किया है। सांसदो ने अंतरिम सरकार के मनोनीत प्रधानमंत्री नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस से भी आग्रह किया है कि वह देश की बागडोर संभालने पर कानून का शासन बनाए रखें। दो प्रभावशाली सांसदों की यह टिप्पणी बांग्लादेश मे अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ अपराध मे वृद्धि और हिंदू मंदिरों को नष्ट किए जाने के बीच कई हिंदू-अमेरिकी समूहों द्वारा विदेश विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करने के एक दिन बाद आई है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की निंदा करने में अमेरिकी संसद और प्रशासन की विफलता अस्वीकार्य है। बांग्लादेश मे अनेक हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुई है। हसीना के इस्तीफा देकर सोमवार को भारत पहुंचने के बाद से हिंसा में हसीना की अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेता मारे गए हैं। सांसद रो खन्ना ने बृहस्पतिवार को एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, बांग्लादेशी छात्रों को प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ सिर्फ मानवाधिकार की चिंता थी। यह अच्छा है कि वह चली गईं। लेकिन अब हिंदुओं को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा गलत है। प्रधानमंत्री यूनुस को कानून का शासन बनाए रखना चाहिए और मंदिरो या किसी भी राजनीतिक दल या आस्था के लोगों को हिंसा से बचाना चाहिए। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, बांग्लादेश अपनी अंतरिम सरकार को शपथ दिलाने की तैयारी कर रहा है, मै सभी सरकारी अधिकारियों, नए प्रशासन और पुलिस प्रमुख तथा बांग्लादेश के लोगों से देश भर मे फैली हिंसा को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह करता हूं। इस हिंसा में देश के हिंदू अल्पसंख्यकों, उनके घरों, व्यवसायों और उनके मंदिरों को क्रूरता से निशाना बनाया जाना शामिल है। कृष्णमूर्ति ने बुधवार को एक बयान मे कहा कि हिंसा को रोकना होगा और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे मे लाया जाना चाहिए ताकि बांग्लादेश एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सके। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने एक अलग बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति, विदेश विभाग, अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता (आईआरएफ) दूत और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों से बांग्लादेश मे शांति फिर से स्थापित करने, अल्पसंख्यकों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा एक और संभावित हिंदू नरसंहार को रोकने के लिए तत्काल कार्वाई करने का आग्रह किया।

## बांग्लादेश में कार्यस्थलों पर धीरे-धीरे लौटने लगे पुलिसकर्मी: रिपोर्ट

**ढाका।** बांग्लादेश मे नवनियुक्त प्रमुख के आह्वान पर पुलिसकर्मी कार्यस्थलों पर धीरे-धीरे लौटने लगे है। देश मे राजनीतिक अस्थिरता और सड़को पर हिंसा के बीच सरकारी मीडिया की खबरो मे यह जानकारी दी गई। विद्यार्थियों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद कई पुलिस थानों पर हमला किया गया और उनमे आग लगा दी गई। इसके चलते कई अधिकारियों ने और अधिक हमलों के खतरे को देखते हुए अपने थाने छोड़ दिए। छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा मे पुलिसकर्मियों सहित 400 से अधिक लोग मारे गए। नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मोहम्मद मैनुल इस्लाम ने बुधवार को अधिकारियों को अगले 24 घंटे के भीतर अपनी-अपनी इकाइयों से जुड़ने का आदेश दिया। पुलिस मुख्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राजनीतिक दलों के नेताओं और छात्रों सहित अन्य लोग काम पर लौटने वाले पुलिसकर्मियों की हर संभव सहायता कर रहे है ताकि वे सुरक्षित रूप से अपने कार्यस्थलों पर पहुंच सकें। बीएसएस समाचार एजेंसी ने विज्ञप्ति का हवाला देते हुए बताया कि नवनियुक्त आईजीपी के आह्वान पर पुलिसकर्मी बृहस्पतिवार से अपने कार्यस्थल पर लौट रहे है। इस बीच, प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से द डेली स्टार अखबार ने खबर दी कि सादे कपड़ो मे कुछ पुलिसकर्मी राजारबाग पुलिस लाइन मे पहुंचे और उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर किए।

# जापान के दक्षिणी क्षेत्र में भूकंप के तगड़े झटके, तीन लोग घायल

भाषा। तोक्यो

**जापान के** दक्षिणी तट पर बृहस्पतिवार को भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए गए जिससे तीन लोग घायल हो गए। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया। भूकंप से हालांकि गंभीर नुकसान की कोई खबर नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई। एजेंसी ने बताया कि इसका केंद्र जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू के पूर्वी तट पर लगभग 30 किलोमीटर



(18.6 मील) की गहराई में था। भूकंप के सबसे जबरदस्त झटके क्यूशू द्वीप के मियाजाकी प्रांत के निचिनान शहर और आसपास के इलाकों में महसूस किए गए। एजेंसी ने कहा कि भूकंप आने के लगभग आधे घंटे बाद क्यूशू के दक्षिणी तट के कुछ हिस्सों और निकटवर्ती शिकोकू द्वीप पर 50 सेंटीमीटर (1.6 फुट) ऊंची सुनामी की लहरें देखी गईं। मियाजाकी प्रांत को छोड़कर ज्यादातर तटीय क्षेत्रों से सुनामी संबंधी चेतावनी हटा ली गई है। एजेंसी के भूकंप वैज्ञानिकों ने एक आपात बैठक की जिसमें स्थिति का जायजा लिया गया। अग्निशमन और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि बृहस्पतिवार को आए भूकंप में तीन लोग घायल हुए हैं। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि अधिकारी भूकंप में हुई क्षति का आकलन कर रहे हैं, हालांकि इस संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र के निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया।

# टेलर स्विफ्ट के कार्यक्रम में हमले की साजिश नाकाम, दो गिरफ्तार

भाषा। वियन

**अमेरिकी गायिका** टेलर स्विफ्ट के इस हफ्ते होने वाले तीन संगीत समारोह को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया है तथा इस्लामिक स्टेट समूह से संबंधित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। ऑस्ट्रिया के गृह मंत्रालय में जन सुरक्षा निदेशक फ्रांज रुफ ने बताया कि 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध के घर से रासायनिक पदार्थ और तकनीकी उपकरण मिले हैं। सरकारी प्रसारक ओआरएफ के ओई। कार्यक्रम में रुफ ने बृहस्पतिवार को कहा कि जांचकर्ता संदिग्ध के घर से जब्त किए गए सबूतों का मूल्यांकन कर रहे हैं। रुफ ने बताया कि कुछ हफ्ते पहले 19 वर्षीय युवक ने इस्लामिक स्टेट समूह के मौजूदा सरगना के प्रति निष्ठा की शपथ इंटरनेट अकाउंट पर अपलोड की थी।हमले की साजिश में दूसरे 17 वर्षीय किशोर को स्टेडियम के पास से गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री गेरहार्ड कार्नर ने कहा कि अधिकारियों को दूसरे संदिग्ध के घर से इस्लामिक स्टेट समूह और अल-कायदा की सामग्री मिली। उन्होंने कहा कि हमले की साजिश को लेकर कोई और संदिग्ध वांछित नहीं है। कार्नर ने बृहस्पतिवार को कहा, स्थिति गंभीर थी और है, लेकिन साथ ही हम कह सकते हैं कि त्रासदी को टाल दिया गया है। इससे पहले ऑस्ट्रिया के कई मीडिया संस्थानों ने बृहस्पतिवार को बताया कि अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है – जिसकी पुलिस ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की।

# बच्चे को स्क्रीन का सही इस्तेमाल करने के तरीके बताएं

## मदद करने के चार रास्ते बताए गए

भाषा। वोलोंगोंग

**स्क्रीन टाइम** ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। रॉयल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मेलबर्न द्वारा फरवरी 2021 में किए गए राष्ट्रीय सर्वेक्षण में अभिभावकों ने इसे अपने बच्चों के सामने सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या बताया। हमारे पिछले शोध से यह भी पता चलता है कि अभिभावक स्क्रीन के बारे में दोषी महसूस करते हैं, भले ही वे हमारे चारों ओर हों। साथ ही, अभिभावकों को क्या करना चाहिए, इस बारे में मार्गदर्शन भ्रामक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और ऑस्ट्रेलिया सरकार के अनुसार, दो से पांच साल के बच्चों के लिए स्क्रीन का समय प्रतिदिन एक घंटे से ज्यादा नहीं होना चाहिए, जबकि दो साल से कम उम्र के बच्चों को स्क्रीन के संपर्क में बिल्कुल भी नहीं आना चाहिए। लेकिन यू.के. रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ ने कहा है कि व्यापक राष्ट्रीय मार्गदर्शन या सीमाएं निर्धारित करना असंभव है क्योंकि स्क्रीन का प्रभाव संदर्भ पर बहुत अधिक निर्भर करता है और साक्ष्य अनिश्चित हैं। इससे हमें आश्चर्य हुआ कि बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए स्क्रीन टाइम से परे और क्या मायने रखता है। इसलिए हमने बच्चों द्वारा स्क्रीन का इस्तेमाल करने के संदर्भ में सभी उपलब्ध साक्ष्य एकत्र किए। हमारा शोध- जामा पीडियाट्रिक्स में प्रकाशित हमारे नए शोध में, हमने जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों में संज्ञानात्मक (मस्तिष्क), सामाजिक और भावनात्मक विकास पर स्क्रीन उपयोग संदर्भों के प्रभाव पर 100 अध्ययनों की समीक्षा की। स्क्रीन में टीवी, कंप्यूटर गेम, स्मार्टफोन और टैबलेट शामिल थे। इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, कनाडा, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल थे। 1. स्क्रीन के लिए साथ-साथ समय बिताएं- हमने जिन अध्ययनों का विश्लेषण किया है, उनसे पता चलता है कि अगर बच्चे और देखभाल करने वाले एक साथ स्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं (जिसे साथ-देखना भी कहा जाता है), तो यह बच्चों की सोच और तर्क कौशल के लिए फायदेमंद होता है। यह उनके भाषा विकास के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है।

## बच्चों के फिटनेस व स्वस्थ्य पर जागरूकता जरूरी

**अलीगढ़।** ओरल हेल्थ को बढ़ाने के अपने निरंतर प्रयासों में कोलगेट ने अपने प्रमुख कार्यक्रम कोलगेट ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्स-बीएसबीएफको पूरे राज्य के बच्चों तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ एक एमओयू करार किया गया। इस सहयोग के तहत, कोलगेट का लक्ष्य 2 वर्षों में उत्तर प्रदेश के 50 लाख परिषदिय छात्र-छात्रा तक पहुँचने के लिए प्रतिबद्ध है। आज इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन किया गया जिसके प्रथम चरण में 2026 तक 50 लाख बच्चों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री वतंत्र प्रभार संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमकेशनमुगा सुंदरम और कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड की एमडी एवं सीईओ प्रभा नरसिम्हन की गरिमामयी उपस्थिति रही। कोलगेट का ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्स, जिसका हिंदी में अर्थ है ,उज्वल मुस्कान, उज्वल भविष्य, एक विचारपूर्वक तैयार की गई पहल है, जो सही मौखिक स्वास्थ्य आदतों, तंबाकू रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने, अच्छे पोषण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का लाभ 6 इ 16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों को मिलेगा । यह कार्यक्रम पाँच महत्वपूर्ण उद्देश्यों पर केंद्रित है, ब्रश करने का सही तरीका, दिन में दो बार ब्रश करने का महत्व, हर तीन महीने में अपना टूथब्रश बदलना, तंबाकू के सेवन से परहेज़ करना और पौष्टिक भोजन का चुनाव करना। पूरक सामग्री जिसमें डेंटल किट्स,ब्रशिंग कैलेंडर्स,शिक्षक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका और प्रमाणपत्र शामिल हैं बच्चों और शिक्षकों को आवश्यक जीवनभर की जानकारी से लैस करेगी।

## क्विक न्यूज

### ब्रिटेन में हिंसा का मुकाबला करने के लिए नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारियों ने शांति मार्च निकाला

**लंदन।** ब्रिटेन मे पिछले सप्ताह उत्पात मचाने वाली दक्षिणपंथी हिंसक भीड़ से अधिक संख्या मे नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनकारी लंदन और अन्य शहरो की सड़को पर शांति मार्च मे शामिल हुए। स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन पुलिस) ने इसे समुदायो की एकजुटता का प्रदर्शन बताया। पुलिस अधिकारियो के सड़को पर लगातार गश्त के कारण बुधवार शाम को लंदन और अन्य शहरो मे आव्रजन वकीलो और एजेंसियो को निशाना बनाकर आयोजित रैलियो मे हिंसा की आशंका टल गई। दक्षिणपंथियो की हिंसक रैलियो के खिलाफ फासीवाद और नस्लवाद को नष्ट करो और दक्षिणपंथ को रोको लिखी तख्तियां लहराते हुए शांति मार्च के लिए बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। ब्रिटेन सरकार ने खुफिया सूचनाओं का हवाला देते हुए आगाह किया कि अगले कुछ दिनो मे और अधिक दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारी सड़को पर उतर सकते हैं, हालांकि बुधवार रात हिंसा की कोई घटना नही हुई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस प्रमुख मार्क रेली ने कहा, कल रात राजधानी मे।,000 से ज़्यादा पुलिस अधिकारी तैनात किए गए थे, जो किसी भी तरह की अव्यवस्था से निपटने के लिए तैयार थे। उनके प्रयासो और लंदन के समुदायों द्वारा प्रदर्शित एकजुटता की ताकत के कारण शाम काफी हद तक शांतिपूर्ण रही। उन्होने बताया कि पिछले कुछ दिनों से संदिग्ध हिंसक अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए बृहस्पतिवार सुबह तड़के छापेमारी की गई। लंदन के महापौर सादिक खान ने उन लोगों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने नस्लवाद और इस्लामोफोबिया के खिलाफ एकजुट होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने लंदनवासियों को सुरक्षित रखने के लिए चौबीसो घंटे काम करने वाले बहादुर पुलिस बल का भी आभार जताया। खान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उन धुर दक्षिणपंथी गुंडों के लिए जो अभी भी घृणा और विभाजन पैदा करने पर आमादा है, आपका यहां कभी स्वागत नही होगा। पिछले मंगलवार को हुई शुरुआती झड़पो के बाद से 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ए झड़पें तब शुरू हुई थी जब सोशल मीडिया पर यह झूठा दावा किया गया कि उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के साउथपोर्ट में हुई घातक चाकूबाजी की घटना का संदिग्ध एक शरणार्थी था जो पिछले वर्ष एक छोटी नौका से ब्रिटेन आया था।

### योद्धा का प्रदर्शन वर्ल्ड टेलीविजन कलर्स पर

**हालीवुड।** मैं रहूं ना रहूं, देश हमेशा रहेगा योद्धा सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि बहादुरी और दृढ़ता की एक बेमिसाल दास्तां हैं। इस सीजन के नए एक्शन ड्रामा को देखने के लिए, जहां एक प्लेन को हाईजैक कर लिया गया है और उनमें से एक यात्री अकेले अपने दम पर लोगों को बचाता है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा खाकी वर्दी में काफी जंच रहे हैं, वहीं दिशा पाटनी और राशि खन्ना भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने निर्देशित किया है। एक के बाद एक रोमांचक पलों के साथ, आपको वन-मैन आर्मी का जबर्दस्त जज्बा देखने को मौका मिलेगा। इस फिल्म में सस्पेंस, ड्रामा और रोमांच का बिलकुल सही तड़का लगाया गया है और दिखाया गया है कि एक इंसान अपने देश के लिए किस हद तक जा सकता है। 'योद्धा' का टेलीविजन प्रीमियर 11 अगस्त को कलर्स सिनेप्लेक्स पर रात 8 बजे होगा । सिद्धार्थ मल्होत्रा और वर्दी का कमाल- ये ऐसा दृश्य है जो हमेशा ही हमारे दिमाग में घूमता रहता है। सिद्धार्थ मल्होत्रा, अरुण कात्याल की भूमिका हैं। इस फिल्म में आपको ढेर सारा एक्शन, खतरनाक स्टंट्स देखने को मिलने वाले हैं। उनके फैन्स के लिए सिद्धार्थ मल्होत्रा के कुछ कमाल के वन लाइनर भी हैं। 'योद्धा' में दिखाया गया है कि इस फिल्म का हीरो बड़ी ही आसानी से बिल्डिंगों में छलांगें लगा रहा है, पानी के अंदर से निकल रहा है और पूरी आर्मी को अपने दम पर संभालता है।

### वीवो ग्लोबल इनोवेशन पर देगा जोर

**ग्लोबल।** इनोवेटिव ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने अपनी बहुचर्चित वी सीरीज पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए वी40 सीरीज लॉन्च की है। वी40 और वी40 प्रो से मिलकर बनी वीवो वी40 सीरीज वी सीरीज की विरासत को समेट कर बढ़ाती है और डिजाइन,कैमरा और ड्यूरेबिलिटी के मामले में नए इनोवेशन पेश करती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुएए वीवो इंडिया के हेड कॉर्पोरेट स्ट्रैटेजी गीता चन्नाना ने कहा हमें भारत में बिल्कुल नए वीवो वी 40 सीरीज़ को पेश करते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमारी वी सीरीज़ की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह लॉन्च इनोवेशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती हैए जो ऐसे स्मार्टफोन प्रदान करता है जो बदलते बाज़ार की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। द्वारा को.इंजीनियर्ड इमेजिंग सिस्टमए स्लीक डिज़ाइन और मज़बूती के साथए हमें विश्वास है कि वी 40 सीरीज़ हमारे प्रोडक्ट लाइनअप में एक वैल्युएबल एडिशन होगा और हमारे ग्राहकों के साथ अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होगी। लंबे समय से चली आ रही ग्लोबल इमेजिंग पार्टनरशिप को ट सीरीज़ तक बढ़ा रहा है। यह सीरीज़ अर्ब मै मल्टीफ ोकल पोर्ट्रेट, स्टाइल पोर्ट्रेट औरटेलीफोटो पोर्ट्रेट कैमरा जैसे प्रो.लेवल कैमरा फीचर लाती है। वीवो ने भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार किए गए वेडिंग स्टाइल पोर्ट्रेट के साथ.साथ इनोवेटिव फेस्टिवल पोर्ट्रेट मोड भी पेश किया है।

### दुनिया भर में छाई किंगडम ऑफ़ द प्लैनेट ऑफ़ द एप्स

**यूके ।** किंगडम ऑफद प्लेनेट ऑफद एप्स के साथ वेस बॉल ने प्लेनेट ऑफद एप्स की ग्लोबल कहानी में एक नई जान फूंक दी है। यह कहानी सीज़र के साम्राज्य की कई पीढ़ियों बाद की पृष्ठभूमि में स्थित है। यह वानरों का युग हैए जो एक दूसरे के साथ प्रेम से रहते हैंए और मनुष्यों को छिपकर रहना पड़ता है। इस युग में एक नया अत्याचारी वानर नेता अपना साम्राज्य बना रहा है, तभी एक युवा वानर इतिहास से सीखी हर जानकारी पर सवाल खड़ा करके एक संघर्षपूर्ण यात्रा पर निकल पड़ता है। उसके द्वारा चुने गए विकल्प वानरों और मनुष्यों, दोनों के भविष्य को प्रभावित करने वाले हैं। डिज़्नी हॉटस्टार पर इंग्लिश, हिंदी, तमिल और तेलुगु में स्ट्रीम हो रही यह भव्य फ्रैंचाइज़ी इस महागाथा को आगे बढ़ाएगी और दर्शकों को प्रेरित व रोमांचित कर देगी। युवा बंदर नोआ का किरदार निभा रहे ओवेन टीग ने बताया कि शूटिंग के दौरान, ऑस्ट्रेलिया में रहना और परफॉर्मेंस.कैप्चर गियर का इस्तेमाल करना कैसा था। यह अजीब लगेगाए लेकिन ये मेरे जीवन के सबसे अच्छे छह महीने थे। इसकी शुरुआत थोड़ी कठिन थी क्योंकि फिल्म का मुख्य किरदार निभाते हुए मुझ पर बहुत ज्यादा दबाव था और एंडी का अनुसरण करने में बहुत डर लगता था। ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं उनसे बहुत ज्यादा अपेक्षा रखता था। लेकिन एंडी मुझे बता चुके थे कि एक हफ्ते तक यह किरदार निभाने के बाद सब कुछ सामान्य लगने लगेगाए आप भूल जाएंगे कि आप कैमरे की नजर में ह आपके पूरे शरीर पर बाल हैंए और आप अजीब तरीके से चल रहे हैं।

### भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस तबर लंदन के टावर ब्रिज के पास पहुंचा

**लंदन।** भारतीय समुदाय के कई सदस्य आईएनएस तबर का स्वागत करने के लिए टेम्स नदी के तट पर एकत्र हुए और ब्रिटेन की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर रवाना इस युद्धपोत को गुजरने देने के लिए प्रतिष्ठित टॉवर ब्रिज के गतिशील लीवर के उठाए जाने के भव्य दृश्य को देखा। भारतीय नौसेना और रॉयल नेवी के बीच पेशेवर सहभागिता की सुनियोजित श्रृंखला के तहत आईएनएस तबर बुधवार को एचएमएस बेलफास्ट (द्वितीय विश्वयुद्ध का युद्धपोत जो अब टेम्स पर इंपीरियल वॉर म्यूजियम द्वारा संचालित है) के पास पहुंचा। आईएनएस तबर रूस में भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया एक स्टील्थ युद्धपोत (फ्रिगेट श्रेणी) है, जिसकी कमान कैप्टन एम.आर. हरीश के पास है और इसमें लगभग 280 कर्मी है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान मे कहा कि आईएनएस तबर का दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा पर प्रकाश डालते हुए रॉयल आर्मी के सेवानिवृत्त पेंशनभोगियों को वृद्धाश्रम में सामुदायिक सेवा भी प्रदान करेगा। यह पोत विभिन्न प्रकार के हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित है और भारतीय नौसेना के सबसे पुराने स्टील्थ युद्धपोतों में से एक है।

# हर अग्निपरीक्षा में संकटमोचक साबित हुए श्रीजेश

भाषा। पेरिस



**बोर्ड के** इम्तिहान में ग्रेस अंक पाने के लिए खेलों में उतरने से लेकर भारतीय हॉकी की दीवार बनने तक पराट्टू रवींद्रन श्रीजेश का सफर उपलब्धियों से भरपूर रहा और हर बड़ी चुनौती में संकटमोचक बनकर उभरे इस नायाब खिलाड़ी को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद अपने कंधे पर बिठाकर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह की टीम ने आज विदाई दी। 36 वर्ष के श्रीजेश ने ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम को मिले 13वें और लगातार दूसरे पदक के साथ अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया। तोक्यो ओलंपिक में जर्मनी के खिलाफ प्लेआफ मुकाबले में निर्णायक पेनल्टी बचाकर 41 साल बाद भारत को ओलंपिक पदक दिलाना हो या पेरिस में ओलंपिक खेलों में आस्ट्रेलिया पर 52 साल बाद मिली जीत हो या ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में भारत को मिली जीत हो, हर जुबां पर एक ही नाम था पी आर श्रीजेश। आठ मई 1988 को केरल के अर्नाकुलम जिले के किझाकम्बलम गांव में जन्मे श्रीजेश ने पहले भाषा से बातचीत में बताया था कि वह बोर्ड की परीक्षा में ग्रेस अंक लेने के लिए एथलेटिक्स में उतरे थे और बाद में उनके स्कूल के कोच ने उन्हें हॉकी गोलकीपर बनने की सलाह दी हालांकि केरल में उस समय एथलेटिक्स और फुटबॉल की ही लोकप्रियता थी। लेकिन कोच की वह सलाह श्रीजेश और भारतीय हॉकी के लिए वरदान साबित हुई। उन्होंने कहा था , मेरा सफर सपने जैसा रहा है। बोर्ड परीक्षा में ग्रेस अंक लेने के लिए खेलना शुरू किया तो कभी सोचा नहीं था कि भारत की जर्सी पहनूंगा और ओलंपिक खेलूंगा। चौथा ओलंपिक सपना ही लगता है। अब तक धनराज पिल्लै ने ही चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों में भाग लिया। चार ओलंपिक खेलने वाला मैं पहला गोलकीपर हूं , विश्वास नहीं होता। कोलंबो में 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों के जरिए भारत की सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले श्रीजेश 2011 तक एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री जैसे सीनियर गोलकीपरों के रहते टीम में स्थाई जगह नहीं पा सके। वह 2011 से टीम के अभिन्न अंग बने और 2014 एशियाई खेल फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दो पेनल्टी स्ट्रोक बचाकर स्टार बने। इसके बाद उन्होंने मुड़कर नहीं देखा और ओलंपिक, विश्व कप, चैम्पियंस ट्रॉफी, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल , प्रो लीग सभी टूर्नामेंटों में उनका जलवा रहा। खेल रत्न, पद्मश्री , विश्व के सर्वश्रेष्ठ एथलीट, एफआईएच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी , 336 अंतरराष्ट्रीय मैच उनकी उपलब्धियों की गवाही खुद ब खुद देते हैं। यही वजह है कि धनराज पिल्लै उन्हें मेजर ध्यानचंद, बलबीर सिंह सीनियर, मोहम्मद शाहीद जैसे महानतम खिलाड़ियों की सूची में रखते हैं तो दिलीप तिर्की उन्हें भारतीय गोलकीपिंग का भगवान कहते हैं। मनप्रीत सिंह जैसे अनुभवी मिडफील्डर अपनी परेशानियां उनसे साझा करते हैं तो राजकुमार पाल या अभिषेक जैसे युवा खिलाड़ियों को वे दबाव झेलने का हौसला देते हैं। कप्तान हरमनप्रीत सिंह उनकी उपस्थिति में अपना बोझ हलका महसूस करते हैं तो करोड़ों भारतीय हॉकी प्रेमियों को आखिरी पल तक उम्मीद रहती है कि श्रीजेश है तो गोल नहीं होने देगा। रजनीकांत के फैन श्रीजेश भारतीय हॉकी खिलाड़ियों के ऐसे थाला (बड़े भाई) रहे जिन्होंने गलती होने पर डांटा और अच्छा खेलने पर पीठ भी थपथपाई।

## श्रीजेश ने संन्यास पर पुनर्विचार से इनकार किया



पेरिस। भारत के महान गोलकीपरो मे शुमार पी आर श्रीजेश ने लगातार दूसरा ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास के अपने फैसले को बदलने की संभावना से इनकार करते हुए कहा , यह विदा लेने का सही समय है। श्रीजेश ने स्पेन को कांस्य पदक के मुकाबले में 2 .। से हराने के बाद कहा , मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलो से विदा लेने का यह सही तरीका है, एक पदक के साथ। हम खाली हाथ घर नही जा रहे जो बड़ी बात है। उन्होने मैच के बाद कहा , मै लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन कुछ फैसले कठिन होते है। सही समय पर फैसला लेने से हालात खूबसूरत हो जाते है। इसलिए मेरा फैसला नही बदलेगा। उन्होंने कहा , टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है और इस मैच को इतना यादगार बना दिया। तोक्यो मे 41 साल बाद ओलंपिक पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे श्रीजेश ने कहा , तोक्यो मे मिले पदक की मेरे दिल मे खास जगह है। इससे हमें आत्मविश्वास मिला कि हम ओलंपिक मे पदक जीत सकते है।

## मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह जज्बाती पल है : नवीन

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी को फिर नई ऊंचाइयो पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने पेरिस ओलंपिक मे टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद कहा कि हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है और उनके लिए यह व्यक्तिगत तौर पर बेहद जज्बाती पल है। पटनायक ने एक्स पर लिखा , ओलंपिक मे लगातार दूसरी बार पदक जीतने पर भारतीय हॉकी टीम को बधाई। इतने दशक बाद यह हुआ। पेरिस ओलंपिक मे भारतीय टीम के ऐतिहासिक पदक से हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। उन्होने लिखा , मेरे लिए यह व्यक्तिगत तौर पर जज्बाती पल है। उम्मीद है कि इससे भारतीय हॉकी का गौरव लौटेगा और टीम देश के लिए और उपलब्धियां अर्जित करेगी।

## ओलंपिक पदक तालिका

| देश | स्वर्ण | रजत | कांस्य | कुल |
|---|---|---|---|---|
| अमेरिका | 27 | 35 | 33 | 95 |
| चीन | 27 | 25 | 17 | 69 |
| ऑस्ट्रेलिया | 18 | 14 | 11 | 43 |
| फ्रांस | 13 | 17 | 21 | 51 |
| ब्रिटेन | 12 | 17 | 20 | 49 |
| कोरिया | 12 | 08 | 07 | 27 |
| जापान | 12 | 07 | 13 | 32 |
| इटली | 10 | 11 | 09 | 30 |
| नीदरलैंड | 10 | 05 | 06 | 21 |
| जर्मनी | 09 | 06 | 05 | 20 |
| भारत | 00 | 00 | 04 | 04 |



अदिति, दीक्षा दूसरे दौर के बाद संयुक्त 14वें स्थान पर

## लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में निश्चित रूप से पदक के हकदार थे: एक्सेलसन

नई दिल्ली। पेरिस खेलों में अपने खिताब की रक्षा करने वाले दो बार के विश्व चैंपियन विक्टर एक्सेलसन ने कहा है कि युवा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ओलंपिक मे अपने शानदार प्रदर्शन के लिए निश्चित रूप से पदक के हकदार थे।बाइस साल के लक्ष्य इस साल ओलंपिक में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने लेकिन डेनमार्क के सुपरस्टार एक्सेलसन से अंतिम चार के मुकाबले में हार गए। लक्ष्य को आगे भी निराशा का सामना करना पड़ा क्योंकि वह कांस्य पदक के प्ले ऑफ में मलेशिया के ली जी जिया से हार गए और अंततः चौथे स्थान पर रहे।

## बिंद्रा ने विनेश के बारे में कहा, आप योद्धा की सच्ची भावना का प्रतीक हैं

पेरिस। भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को पहलवान विनेश फोगाट की सराहना करते हुए कहा कि उनकी लड़ाई उनके दिल को छू गई और वह योद्धा की सच्ची भावना की प्रतीक है। ओलंपिक फाइनल मे पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी 29 वर्षीय विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण 50 किग्रा स्वर्ण पदक मुकाबले से अयोग्य घोषित कर दिया गया था जिसके बाद उन्होने अचानक संन्यास लेने की घोषणा कर दी। बिंद्रा ने उनसे मुलाकात की कुछ तस्वीरों के साथ एक्स पर लिखा, ऐसा कहा जाता है कि खेल मानवीय इच्छाशक्ति का उत्सव है।

## जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए है, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नही करना और सबूतो को नष्ट करना शामिल है। इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नही की थी।

## हिल्डेब्रांट ने कहा, इस तरह की घटना की उम्मीद नहीं की थी

पेरिस। विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण 50 किग्रा मे अयोग्य ठहराए जाने के बाद उस भार वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी महिला पहलवान सारा एन हिल्डेब्रांट ने कहा कि वह खिताबी मुकाबले के दिन सुबह अफरातफरी के लिए तैयार थी लेकिन उन्होंने भारतीय खिलाड़ी के ईर्द-गिर्द हुई घटना की उम्मीद नही की थी। फाइनल मे लोपेज को हराकर स्वर्ण पदक जीतने वाली हिल्डेब्रांट ने कहा, मै अफरातफरी के लिए तैयार थी लेकिन इस तरह की घटना की उम्मीद नही की थी।

## बबीता ने चचेरी बहन विनेश से संन्यास के फैसले पर फिर विचार करने को कहा

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलो की स्वर्ण पदक विजेता पहलवान बबीता फोगाट ने बृहस्पतिवार को अपनी चचेरी बहन विनेश से आग्रह किया कि कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले पर फिर से विचार करें। वनेश को पेरिस ओलंपिक मे 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हे अयोग्य करार दिया गया।

# विनेश आप हारी नहीं, आपको हराया गया है : बजरंग



● संन्यास लेने पर दी प्रतिक्रिया



नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल समुदाय ने उनका समर्थन किया। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की। तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है। बजरंग ने पोस्ट किया, विनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है। हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी। आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो। रियो 2016 में कांस्य पदक जीत कर ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह हमारे देश की हर बेटी की हार है। साक्षी ने कहा, विनेश तुम हारने वाली नहीं हो। यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी। यह पूरे देश की हार है। देश आपके साथ है। एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच महावीर फोगाट ने कहा कि उन्होंने यह फैसला जल्दबाजी में लिया होगा और इस पहलवान के करीबी लोग उन्हें 2028 में लॉस एंजिल्स मैं होने वाले ओलंपिक खेलों को लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

## विनेश से अनुरोध करता हूं कि वह दुखी मन से संन्यास लेने का फैसला नहीं लें: संजय

पेरिस। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) प्रमुख संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को हताश महिला पहलवान विनेश फोगाट से आग्रह किया कि वह दुखी मन से खेल से संन्यास लेने जैसा फैसला नही करें। वह विनेश से व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहते हैं। पेरिस में निराशाजनक घटनाक्रम से विनेश का ओलंपिक पदक का सपना चकनाचूर हो गया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती करियर को अलविदा कह दिया। इस 29 वर्षीय पहलवान को बुधवार को ओलंपिक में अपने 50 किग्रा वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

## जब वह आएंगी तो हम सब बैठेंगे और बात करेंगे : महावीर

महावीर फोगाट ने कहा, यह सच है, लोग हिम्मत हार जाते है। जब वह आएंगी तो हम (मै, बजरंग, गीता) सब बैठेंगे और बात करेंगे। हम फैसला लेंगे और बता देंगे। आवेश मे आकर लोग ऐसे फैसले ले लेते है लेकिन हम इस पर फैसला करेंगे। उन्होने कहा, हम उसे 2028 ओलंपिक मे खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। मै इनाम की घोषणा करने के लिए हरियाणा सरकार को धन्यवाद देता हूं। जब तक मै सक्रिय हूं, खिलाड़ियो की मदद करता रहूंगा। पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया।उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है। ऐसे मे अगर इस तरह की गलती होती है, तो यह दुखद और दिल तोड़ने वाला है। राठौड़ ने कहा, लेकिन मै विनेश से कहना चाहता हूं कि वह युवा है और उसे इस चुनौती का सामना करना चाहिए और बहुत सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

## दूसरे ओलंपिक पदक से चूकीं मीराबाई चौथे स्थान पर रहीं



पेरिस। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू एक समय दूसरा ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थी लेकिन अंतिम प्रयास में असफल होने के कारण वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गईं। मीराबाई ने स्नैच में 88 और क्लीन एवं जर्क में 111 से कुल 199 किग्रा का वजन उठाया। इससे वह महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं। मीराबाई ने बाद में पत्रकारों से कहा, मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं क्योंकि मुझे चोट से उबरने के बाद तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला था। उन्होंने कहा, मैं अभ्यास में 85 किग्रा वजन उठा रही थी और मैंने इस प्रतियोगिता में भी ऐसा किया। मैं क्लीन एवं जर्क में भी अच्छे प्रदर्शन के प्रति आश्वस्त थी। सब कुछ अच्छा चल रहा था और कोच ने जो कुछ कहा मैंने उसका पालन किया। आज भाग्य मेरे साथ नहीं था जो मैं पदक नहीं जीत पाई लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार चीन की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन होउ झिहुई ने क्लीन एवं जर्क में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ पहला स्थान हासिल किया।

# पहलवान अमन सेमीफाइनल में हारे



● अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे

भाषा। पेरिस

**भारत के** युवा पहलवान अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक के पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के शुरूआती दो मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता से जीतने के बाद बृहस्पतिवार को यहां जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा सेमीफाइनल में पराजित हो गए जिससे अब कांस्य पदक का मैच खेलेंगे। रियो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जापान के अनुभवी पहलवान हिगुची ने पहले ही राउंड में तकनीकी श्रेष्ठता से आसानी से 10-0 से जीत दर्ज की। छत्रसाल अखाड़े के प्रतिभाशाली पहलवान अमन ने प्री क्वार्टरफाइनल और क्वार्टरफाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था। पर हिगुची के खिलाफ आक्रामक खेल नहीं दिखा पाए और एक भी अंक नहीं जुटा सके। अब वह शुक्रवार को रात 10.45 बजे कांस्य पदक के मैच में पुअर्तो रिको के डारियान टोई क्रूज से भिड़ेंगे। अमन ने क्वार्टरफाइनल में अल्बेनिया के जेलिमखान अबाकारोव पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचकर कुश्ती में देश की पदक की उम्मीद जगाई। एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले देश के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन ने क्वार्टर फाइनल में अबाकारोव पर आसानी से जीत हासिल की।

# याराजी महिला 100 मीटर बाधा दौड़ से बाहर

पेरिस। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी बृहस्पिवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं। हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया। ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम (12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। रेपेचेज की प्रत्एक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं। चौबीस साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति अपनी हीट में खराब प्रदर्शन के बाद सातवें स्थान पर रहते हुए स्वत: सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं। उन्होंने चौथी हीट में 13 . 16 सेकेंड का समय निकाला था और 40 धावकों में 35वें स्थान पर रहीं थी।



## महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा में अंशु मलिक हारीं, अब रेपेचेज की उम्मीद



भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में अपने से अनुभवी दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पांचवी वरीय हेलेन लुसी मैरोयूलिस से 2-7 से हार गईं। अपने दूसरे ओलंपिक मे हिस्सा ले रही अंशु को रेपेचेज मे खेलने के लिए मैरोयूलिस के फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद करनी होगी। पहले राउंड मे अमेरिका की रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान मैरोयूलिस ने शुरू से दबदबा बनाते हुए बढ़त हासिल की। इसमे अंशु काफी डिफेंसिव लग रही थी, पर उन्होंने दुनिया की इस मशहूर पहलवान को और अंक नही बनाने दिए। दूसरे राउंड मे भी तीन बार की विश्व चैम्पियन मैरोयूलिस ने यही प्रदर्शन जारी रखते हुए पांच अंक जुटाए और चेतावनी मिलने के बावजूद जीत दर्ज की जबकि वापसी की कोशिश मे जुटी अंशु केवल दो अंक ही हासिल कर सकी।

## तैराकी में उप्र की जिया ने जीता कांस्य



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की जिया यादव ने 40वीं सब जूनियर व 50वीं जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 6 से 11 अगस्त 2024 तक भुवनेश्वर ओडिशा में आयोजित इस चैंपियनशिप के दूसरे दिन झांसी की जिया ने बालिका ग्रुप 2 में 100 मी बैक स्ट्रोक में 1: 09:39 सेकेंड के समय के साथ यह सफलता हासिल की। उत्तर प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने बताया कि जिया यादव वर्तमान में नई दिल्ली की ग्लेनमार्क अकादमी में राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक पार्थ मजूमदार की देख.रेख में अभ्यास कर रही है।

## शिवानी कप संडे स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट 11 को

लखनऊ। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा 40वां शिवानी कप संडे स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट 11 अगस्त 2024 को मानसरोवर योजना शहीद पथ स्थित शिवानी पब्लिक स्कूल के परिसर में आयोजित होगा। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर दुबे ने टूर्नामेंट के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कुल 40,000 हजार रुपए की ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में ओपन, अंडर-16,अंडर.7ए अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, सर्वश्रेष्ठ वेटरन-60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं सर्वश्रेष्ठ महिला ;18 वर्ष से अधिकद्ध वर्ग में स्विस सिस्टम और फिडे नियमों के तहत मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नः 9559999158 पर सम्पर्क कर सकते है।

## मेहता क्लब की जीत में अमिताभ का आलराउंड खेल



लखनऊ। मैन ऑफद मैच अमिताभ पाठक-4 विकेट 24 रन के शानदार आलराउंड खेल से मेहता क्लब ने पांचवीं श्रीपाल सिंह स्मारक टी20 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में ईगल फाइटर उन्नाव को 6 विकेट से हराया। पार्थ रिपब्लिक ग्राउंड पर में ईगल फाइटर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 9 विकेट पर 123 रन का स्कोर बनाया। टीम से नवीन अवस्थी 28, मो.परवेज नाबाद 19 हिमांशु यादव 17 व सैयद फैज 10 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। मेहता क्लब से अमिताभ पाठक ने 4 ओवर में 1 मेडन के साथ 11 रन देकर 4 विकेट चटकाए। जवाब में मेहता क्लब ने 12.1 ओवर में मात्र 4 विकेट के नुकसान पर 126 रन बनाकर मैच जीत लिया। जीत में अपूर्व ने नाबाद 34, अमिताभ पाठक ने 24,जय सिंह ने 20, विनीत सिंह ने 12 व रोहित ने नाबाद 10 रन का योगदान किया।

## क्विक न्यूज

### चित्रावेल-अबुबाकर त्रिकूद फाइनल में नाकाम

पेरिस। भारत के स्टार एथलीट प्रवीण चित्रावेल और एन अब्दुल्ला बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलो की एथलेटिक्स की पुरुष त्रिकूद स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक चित्रावेल ग्रुप ए मे 16.25 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 16 खिलाड़ियों मे 12वे और दोनो ग्रुप मे मिलाकर 32 खिलाड़ियों मे कुल 27वे स्थान पर रहते हुए फाइनल मे जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए। चित्रावेल ने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।चित्रावेल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 17.12 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे रहे। अगर वह इस प्रदर्शन के करीब पहुंचते तो आसानी से फाइनल में जगह बना सकते थे।वही दूसरी तरफ अबुबाकर ग्रुप बी में 16.49 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 16 खिलाड़ियो मे 13वे और दोनो ग्रुप मे मिलाकर कुल 21वे स्थान पर रहे। अबुबाकर ने तीसरे और अंतिम प्रयास मे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

### मनु करोड़ों युवाओं को प्रेरित करेंगी: मांडविया

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की दो कांस्य पदक जीतने की उपलब्धि युवाओं की एक पूरी पीढ़ी को इस खेल को अपनाने और गौरव हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी।बाइस वर्षीय मनु एक ही ओलंपिक मे दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल मे कांस्य पदक जीता और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक हासिल किया। मनु ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज भी बनी। मांडविया ने एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 मे दो कांस्य पदक जीत कर स्वदेश लौटी देश की बेटी मनु भाकर से आज मिलकर उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने लिखा, मनु भाकर की यह सफलता भारतीय खेल जगत के करोड़ो युवाओं को प्रेरित करेगी। पूरे देश को उन पर गर्व है।

### ओलंपिक में अनुशासनहीनता के लिए अंतिम पंघाल पर लग सकता है तीन साल का प्रतिबंध: सूत्र

पेरिस। अपने मान्यता कार्ड से अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश दिलाने की कोशिश करके भारतीय ओलंपिक दल को शर्मसार करने वाली पहलवान अंतिम पंघाल को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा तीन साल के लिए प्रतिबंधित किए जाने की संभावना है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।
अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थी। भारतीय दल के एक सूत्र ने बताया, आईओए (भारतीय ओलंपिक संघ) के अधिकारियो ने इस मुद्दे पर चर्चा की जिससे सभी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। कोच सहित सभी पर तीन साल का प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्र ने कहा, सबसे पहले हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह घर पहुंच जाए। फैसले की घोषणा उसके भारत पहुंचने के बाद ही की जाएगी। अंतिम के आज शाम दिल्ली के लिए उड़ान भरने की उम्मीद है।

### इन्फिनिक्स गेमिंग व एंटरटेनमेंट का पावरहाउस बनेगा

बेंगलुरू। इनोवेटिव मोबाईल टेक्नोलॉजी में अग्रणी, इन्फिनिक्स ने लेटेस्ट स्मार्टफोन, नोट 40एक्स 5जी लॉन्च किया है। कमल पाण्डेय प्रोडक्ट हेड इन्फिनिक्स इंडिया व अनीश कपूर सीईओ इन्फिनिक्स इंडिया ने यह लांचिंग यूपी की राजधानी लखनऊ में की । दोनों ने कहा कि यह इन्फिनिक्स के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में संभावनाओं के दायरे बढ़ा रहा है और अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए मशहूर नोट सीरीज में कंपनी के उत्पादों का विस्तार कर रहा है। नया नोट 40एक्स 5जी 9 अगस्त से 13,499 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ उपलब्ध होगा, जिसमें फ्लिपकार्ट और रिटेल स्टोर्स पर बैंक ऑफर भी शामिल हैं। इन आकर्षक खूबियों के साथ नोट 40एक्स गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और म्यूजिक प्लेबैक के लिए एक जबरदस्त एंटरटेनमेंट पॉवरहाउस है। अपनी श्रेणी में नए मानक स्थापित करते हुए नोट 40एक्स 5जी में दो मैमोरी कॉन्फिगुरेशन, 8जीबी,256जीबी और 12जीबी,256 जीबी में आ रहा है। इन दोनों में ही यूएफएस 2.2 स्टोरेज टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इस कॉम्बिनेशन के कारण ऐप बहुत तेजी से लॉन्च होते हैं, मल्टीटास्किंग बहुत सुगमता से होती है, और यूजर को कंटेंट रखने के लिए पर्याप्त स्पेस मिलता है। यह डिवाईस मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर पर चलती है, जो रोजमर्रा के टास्क से लेकर बहुत गहन एप्लीकेशन एवं मोबाईल गेमिंग तक हर मामले में शानदार परफॉर्मेंस प्रदान करती है।

### ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कुसाले घर लौटे, सफलता का श्रेय कोच और परिवार को दिया

पुणे। पेरिस ओलंपिक मे 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा मे कांस्य पदक जीतने वाले भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले का बृहस्पतिवार को स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत किया गया और उन्होने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार और कोच को दिया। कोल्हापुर के कुसाले पेरिस खेलो मे अब तक भारत के दो व्यक्तिगत पदक विजेताओं मे से एक रहे हैं। स्वदेश लौटने पर कुसाले का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और वह भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए शहर के प्रसिद्ध दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर गए। उन्होने बालेवाड़ी खेल परिसर मे एक सम्मान समारोह के दौरान मीडिया से कहा, यह पदक मेरा नही है, यह पूरे देश और महाराष्ट्र का है। यह मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगो, सरकार और राष्ट्रीय महासंघ का है। मै भाग्यशाली हूं कि मै महाराष्ट्र को गौरवांवित कर सका। कुसाले ने कहा, मै सबसे पहले बप्पा की पूजा करना चाहता था और आरती करना चाहता था। यह मेरा दूसरा घर है और मुझे यहां अच्छी नींद आती है।

### भारत भविष्य में धीमी और टर्निंग पिचों के लिए अलग खिलाड़ियों का चयन कर सकता है : रोहित

कोलंबो। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि भारत जस की तस रणनीति अपनाकर भविष्य मे धीमी और टर्निंग पिचो के लिए अलग खिलाड़ियो का चयन कर सकता है। श्रीलंका ने परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाकर तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को 110 रन से हराकर श्रृंखला जीती। यह पिछले 27 वर्षो मे पहला अवसर है जबकि वह वनडे श्रृंखला मे भारत को हराने मे सफल रहा।रोहित ने मैच के बाद कहा, मुझे नही लगता कि हमारी तरफ से प्रयासो मे कोई कमी थी। आपने देखा होगा कि कुछ खिलाड़ियों ने रिवर्स स्वीप और पैडल स्वीप खेले। ऐसा नही है कि हमने अपनी तरफ से कोई कोशिश नही की। इन बल्लेबाजो की इस तरह की प्रकृति नही है। भारतीय टीम तीसरे वनडे मे 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 138 रन पर आउट हो गई। जब आप इस तरह की पिचो पर खेलते हैं तो इसको लेकर हमारा स्पष्ट दृष्टिकोण है कि हमे किस तरह से खेलना है और किस तरह से लय बनाए रखनी है। हम तीनो मैच मे लक्ष्य हासिल नही कर पाए, यहां तक की पहले मैच मे भी जो टाई रहा था। हमें खिलाड़ियो को यह बताना होगा कि हम उनसे क्या चाहते हैं और अगर हमें परिस्थितियों के अनुसार खिलाड़ियो का चयन करना पड़े तो दुर्भाग्य से हम ऐसा कर सकते है। हम एक ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश करेंगे जो सभी परिस्थितियो मे अच्छा प्रदर्शन कर सके। बल्लेबाज उस तरह का साहसिक प्रदर्शन नही कर पाए जैसा की टीम उनसे चाहती थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ ( फोन: 0522-4036600 ) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।